जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 341 प्रभात चूरू, गुरुवार 10 अप्रैल, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

पायलट को और अधिक महत्व देने की राह में एक और मजबूत कदम उठाया हाईकमान ने

पायलट को एआईसीसी सत्र का मुख्य प्रस्ताव डैलीगेट्स के समक्ष पेश करने का मौका दिया, शशि थरुर ने प्रस्ताव को सैकण्ड किया

- अशोक गहलोत पूरे समय मंच पर उपस्थित रहे, पर, एक भी शब्द नहीं बोले दिन भर।
- पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने भाषण में काफी पुराने वरिष्ठ नेताओं पर तीखी टिप्पणी की और कहा, जो वरिष्ठ नेता काम नहीं कर रहे, उन्हें घर बैठ जाना चाहिये तथा ''रिटायरमैंट'' ले लेना चाहिये, क्योंकि अच्छा नहीं लगता कि ये लोग सत्ता मोह नहीं छोड़ पा रहे हैं तथा अभी भी पद व जिम्मेवारी पाने के इच्छुक दिखते हैं।
- क्या मल्लिकार्जुन खड़गे के व्यंगात्मक इशारे में गहलोत भी शामिल हैं। बहरहाल, उपस्थित डैलीगेट्स ने भारी तालियाँ बजाकर व वाहवाही करके खड़गे की टिप्पणी का स्वागत किया।
- विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने भी, एक एससी नेता के रूप में अपना अनुभव सुनाया तथा राहुल गांधी व खड़गे ने उनके भाषण का उल्लेख किया अपने उद्बोधन में तथा राहुल गांधी ने उन्हें मंच पर बुलाने के लिये तीन-चार बार घोषणा भी करवायी, पर, जूली तब तक जा चुके थे। यह ही अनुभव प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा के बारे में हुआ।
- राहुल गांधी ने यह दोहराया कि डी.सी.सी. को मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है तथा डी.सी.सी. अध्यक्षों के चयन के लिए पहली बैठक 15 अप्रेल को अहमदाबाद और दूसरी 28 अप्रेल को जयपुर में आयोजित की गई है, जिसमें राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

अहमदाबाद, 9 अप्रेल। सचिन पायलट को विशेष प्रतिष्ठा एवं तवज्जोह देने की कांग्रेस नेतृत्व की सोच के अनुरुप, पायलट से ''न्याय पथ'' पर मुख्य प्रस्ताव पेश करने के लिए कहा गया। इस अवसर पर, एआईसीसी अधिवेशन में पहुँचे एआईसीसी डेलिगेट्स तथा कांग्रेस के शीर्षस्थ नेताओं के समक्ष इस 12 पृष्ठ के प्रस्ताव की व्याख्या करते हुये, सचिन पायलट ने एक सशक्त एवं प्रभावपूर्ण भाषण दिया।

इस प्रस्ताव का समर्थन केरल के शशि थरूर ने किया। वे, सचिन पायलट के हिन्दी भाषण के विपरीत, अंग्रेजी में बोले।

रोचक बात यह है कि जब पायलट ने भाषण दिया, उस समय राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मंच पर मौजूद थे, लेकिन वे पूरे दिन चुप बैठे रहे तथा मंच से कुछ नहीं बोले।

इससे ठीक पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने भाषण के अंत में, वरिष्ठ नेताओं पर निशाना साधते हुये, एक खुली एवं व्यंग्यात्मक टिप्पणी की और कहा कि जो लोग काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें रिटायर होकर घर बैठना चाहिये तथा विश्राम करना चाहिये। खड़गे की इस तीखी टिप्पणी का निशाना निश्चित रूप से गहलोत तथा ऐसे कुछ अन्य वरिष्ठ नेता हो सकते हैं, जो पीछे हटने को तैयार नहीं हैं तथा अब भी किसी न किसी पद की तलाश में हैं।

वहाँ एकत्रित प्रतिनिधियों ने इन टिप्पणियों का स्वागत किया व जोर से तालियाँ बजाईं।

राजस्थान से आये कई डेलिगेट्स ने भाषण दिये। खड़गे और राहुल गांधी को टीकाराम जूली का भाषण बहुत पसंद आया।

जूली ने अपने भाषण में एक घटना का जिक्र करते हुये कहा कि जब वे एक मंदिर में गये तो भाजपा नेताओं ने उस मंदिर को गंगाजल से पवित्र कराया। खड़गे और राहुल गांधी दोनों ने ही अपने भाषण में इस घटना का उल्लेख किया।

भाषण के दौरान, राहुल ने जूली की तलाश में चारों ओर नजरें घुमाईं, कई बार उनका नाम लेकर पुकारा तथा पूछा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिज़र्व बैंक ने ब्याज दर में 25 पॉइन्ट्स की कटौती की

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अप्रेल। डॉनल्ड ट्रंप के व्यापक शुल्कों से ग्लोबल इकॉनमी बुरी तरह टूट गई है, इस परिदृश्य में रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया ने आज अपनी बेसिक पॉलिसी ब्याज दर में 25 बेसिक

- डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति से वैश्विक अर्थव्यवस्था में मची खलबली से तालमेल बिठाने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने रैपो रेट में मामूली कटौती की।

पॉइन्ट की कमी की। भारी अनिश्चितता के मौजूदा माहौल में पॉलिसी रेट में मामूली कटौती का कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है।

लेकिन इस कदम का एक संकेत है। रैपो रेट में यह छोटी सी कटौती अब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी रणथम्भौर गये

जयपुर, 9 अप्रेल। अहमदाबाद में कांग्रेस अधिवेशन का कार्यक्रम पूरा होने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी

- अधिवेशन समाप्त होने के बाद वे विमान से जयपुर पहुँचे थे।

विमान से जयपुर रवाना हो गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वे रात्रि विश्राम रणथम्भौर में करेंगे तथा कल जंगल में घूमने भी जा सकते हैं।

'अब दांव पर वाणिज्य और व्यापार नहीं, वरन् आत्मसम्मान, पावर व सामरिक रणनीति है

चीन के वरिष्ठ इकॉनमिस्ट शू तिआनचेन ने पुरजोर शब्दों में कहा, टैरिफ 50 प्रतिशत हो या 500 प्रतिशत, अब फर्क नहीं पड़ता, अमेरिका की ''ब्लैकमैलिंग' के खिलाफ पूरी लड़ाई लड़ने को तैयार हैं

- पर, चीन ने हर रास्ता बंद नहीं किया है बातचीत के लिये। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, ''ट्रेड वॉर (वाणिज्य व व्यापार के युद्ध में) कोई भी विजेता नहीं होता।''
- साथ में चीन ने अपने ऑफिशियल मीडिया में जनता के मनोबल के लिये यह भी कहा कि ''ट्रेड वॉर'' से कुछ पत्ते व शाखाएं जरूर टूट के गिर सकती हैं। पर, हमारी इकॉनमी का मुख्य तना, मजबूती से खड़ा रहेगा।

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 9 अप्रेल। ''यह ब्लैकमेल है'', बंदूक की गोली की तरह गूंजे इन दो शब्दों के साथ चीन ने उस समय अपना आक्रोश दर्शाया जब अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने चीन के माल पर 50 प्रतिशत का नया क्रूर टैरिफ लगाने की धमकी दी और चौबीस घंटों का अल्टीमेटम दिया।

ट्रम्प ने कहा कि यदि बीज़िंग अमेरिका के माल पर लगाया गया अपना नवीनतम 34 प्रतिशत प्रतिशोधी शुल्क वापस नहीं लेता है तो टैरिफ वॉर और अधिक तेज होगा।

दोनों पक्ष यदि पीछे नहीं हटे तो अमेरिका के बाज़ार में आने वाले चीनी माल पर चौंकाने वाला 104 प्रतिशत टैरिफ एक सच्चाई बन सकता है – एक ऐसी धमाकेदार वृद्धि जिसके परिणामस्वरूप पहले से चल रहा व्यापारिक टकराव पूर्ण आर्थिक भूकंप का रूप ले सकता है।

चीन की प्रतिक्रिया साहसी, स्पष्ट व क्रोध से भरी थी। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, ''चीन के विरूद्ध टैरिफ बढ़ाने की अमेरिका की धमकी एक गलती के ऊपर दूसरी गलती है, जो एक बार फिर यू.एस. के ब्लैकमेल करने के स्वभाव को उजागर करती है।''

मंत्रालय ने अपने संदेश के अंत में कहा, ''यदि अमेरिका अपनी ही चलाएगा, तो चीन भी अंत तक लड़ेगा।'' फिर भी, बीज़िंग ने बातचीत के लिए दरवाजा खुला छोड़ा और विनाश के बदले ''संवाद'' को प्राथमिकता देने की बात को दोहराया तथा विश्व से ज्यादा वॉशिंगटन को चेतावनी दी कि ''व्यापार युद्ध में किसी की जीत नहीं होती।''

इन शब्दों के पीछे एक तेज रणनीति छुपी है। चीन अब रक्षात्मक मुद्रा में नहीं खेल रहा है। वह अमेरिका की ''एकतरफा दादागिरी'' के वातावरण को राजनीतिक दृष्टि से संतुलित करने के लिए प्रतिद्वंदी विकल्प के रूप में उभरना चाहता है। सप्ताहांत के दौरान, राज्य मीडिया ने फिर से जोर दिया, नागरिकों को आश्वस्त किया कि व्यापार युद्ध शाखाओं को तो हिला सकता है लेकिन तना मजबूती से खड़ा रहेगा। कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख अखबार, पीपल्स डेली, में एक जोशीले संपादकीय में कहा गया ''आसमान नहीं गिरेगा।''

हालांकि ट्रंप अप्रभावित दिखते हैं। मंगलवार को बोलते हुए उन्होंने कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने बाँग्लादेश को अब तक दी जा रही ''ट्रांज़िट फैसिलिटी'' रद्द की

इस फैसिलिटी के अंतर्गत, बाँग्लादेश, भारतीय लैण्ड एण्ड कस्टम स्टेशन पर ट्रांसशिपमैंट की सुविधा का उपयोग कर भूटान और नेपाल को माल भेजा करता था

- पर, अब यह सुविधा रद्द करने के बाद, बाँग्लादेश के साथ-साथ भूटान व नेपाल को भी भारी असुविधा होगी। अतः अब भूटान व नेपाल को भारत को काफी होशियारी से समझाना होगा कि भारत का टारगैट बाँग्लादेश है, भूटान व नेपाल नहीं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अप्रेल। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के बीच हुई हालिया वार्ता से लगता है दोनों देशों के संबंधों में कोई सुधार नहीं हुआ है, जिसकी वज़ह से भारत ने बाँग्लादेश से एक प्रमुख ''ट्रांज़िट'' (पारगमन) सुविधा वापस ले ली है, जिसके जरिए बाँग्लादेश भारतीय क्षेत्र से अपना माल अन्य देशों को भेजता है। ऐसा करने में वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइज़ेशन के नियमों के उल्लंघन का खतरा है।

भारत सरकार ने मंगलवार को एक सर्कुलर जारी कर उस मार्ग का अवरूद्ध कर दिया, जहाँ से बाँग्लादेश भूटान व नेपाल का सामान भेजता हैं, इसमें वह भारत के लैंड कस्टम स्टेशनों से लेकर बंदरगाहों व हवाई अड्डों तक का इस्तेमाल करता है।

जो कार्गो पहले से रास्ते में हैं, उन्होंने मौजूदा प्रक्रिया के तहत बाहर निकलने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन इस सुविधा को तत्काल बंद कर दिया गया है।

गत कुछ माह से भारत-पाक संबंध में काफी तनाव है और यूनुस की हालिया चीन यात्रा के बाद तो संबंध और बिगड़ गए हैं, क्योंकि वहाँ उन्होंने कहा था कि भारत के लैंडलॉक्ड (चारों तरफ जमीन से घिरे) पूर्वोत्तर राज्यों के विपरीत बाँग्लादेश समुद्र तक जाने का एकमात्र द्वार है।

भारत सरकार के पारगमन सुविधाओं को वापस लेने के निर्णय को बाँग्लादेश के उस निर्णय की सीधी प्रतिक्रिया के रुप में देखा जा रहा है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेपर लीक में फतेहगढ़ एसडीएम गिरफ्तार

जैसलमेर, 9 अप्रेल (नि.सं.)। जैसलमेर जिले के फतेहगढ़ एसडीएम हनुमानाराम को बुधवार तड़के जयपुर से आई एसओजी की टीम ने पकड़ा। सूचना है कि हनुमानाराम को एस आई भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में पकड़ा गया है। एसओजी अब जयपुर मुख्यालय पर एसडीएम हनुमानाराम से पूछताछ करेगी।

सूत्रों से मिली जानकारी के

- जयपुर से आई एसओजी टीम पकड़कर जयपुर मुख्यालय ले गई।

अनुसार, जोधपुर रेंज पुलिस की टीम द्वारा 3 दिन पहले पकड़े गए पेपर लीक के सूत्रधार नरपतराम और उसकी पत्नी इंद्रा ने पूछताछ में एसडीएम हनुमानाराम का नाम लिया है। शायद इसी शक पर हनुमानाराम को एसओजी जयपुर की टीम ने पकड़ा है। अब पूछताछ के बाद ही पकड़े जाने के मामले में खुलासा हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस अधिवेशन में प्रियंका गांधी की कमी खली

उनका चित्र मंच के पीछे बैकड्रॉप के रुप में जरुर था, तथा सभी डैलिगेट्स राहुल की प्रशंसा में ही जुटे रहे, तथा दो डेलिगेट्स के अलावा किसी ने प्रियंका गांधी का जिक्र भी नहीं किया

- दूसरी उल्लेखनीय बात थी, पश्चिम बंगाल पर केवल एक ही डैलिगेट बोला मंच से। क्या, यह इस बात का संकेत था, कि कांग्रेस अगले चुनाव में ममता बनर्जी के साथ मिलकर लड़ेगी और अभी आक्रमक भाषणबाजी करके, ममता बनर्जी से बातचीत के सभी रास्ते बंद नहीं करना चाहती।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अप्रेल। सारे दिन चले अधिवेशन में बहुत सारे डेलिगेट्स ने अलग -अलग बिन्दु उठाये, लेकिन उन सभी भाषणों में एक बात सामान्य थी, और वही थी -राहुल गांधी की प्रशंसा। प्रियंका गांधी अधिवेशन में मौजूद भले ही नहीं थीं लेकिन उनका फोटो मंच की पृष्ठभूमि में दिखाई दे रहा था। दो वक्ताओं के अलावा, अन्य किसी वक्ता ने अपने भाषण में उनका जिक्र नहीं किया।

अपने प्रस्ताव ''न्याय पथ'' में कांग्रेस ने कहा है कि वह इंडिया गठबंधन को जारी रखने के लिये संकल्पित है तथा इसकी सफलता सुनिश्चित करने के अपने प्रयास जारी रखेगी।

सचिन पायलट ने प्रस्ताव पेश करते हुये कहा कि कांग्रेस अपने गठबंधन को जारी रखने के लिये संकल्पित है, ताकि विभाजनकारी भाजपा-आरएसएस का सामना किया जा सके, जिन्होंने संविधान पर हमला बोला है।

जहाँ वक्फ विधेयक ने विपक्ष को एकजुट किया था, वहीं कल ''डेटा प्रोटैक्शन एक्ट'' पर दिल्ली में इंडिया गठबंधन की एक संयुक्त प्रैस कॉन्फ्रैंस आयोजित की जा रही है। इस संबंध में इंडिया गठबंधन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संसद के अगले सत्र में, गठंधन इस मुद्दे का संयुक्त रूप से उठायेगा। डेटा प्रोटेक्शन बिल का उपयोग आरटीआई को कमज़ोर करने के लिये किया जा रहा है। दरअसल, मोदी सरकार आरटीआई (सूचना का अधिकार) एक्ट को कमज़ोर करना चाह रही है।

रोचक बात यह है कि एआईसीसी अधिवेशन में पश्चिम बंगाल से केवल एक ही वक्ता थे। इससे ऐसी अटकल लगाई जा रही है कि नेतृत्व ममता बनर्जी के साथ गठबंधन के विकल्प खुले रखे हुये है। यही कारण रहा है कि अधिवेशन में ममता बनर्जी तथा तृणमूल कांग्रेस पर कोई कड़ा प्रहार नहीं किया गया। राज्य के विधानसभा चुनाव अभी एक वर्ष दूर हैं तथा पार्टी किसी भी प्रकार के समझौते की अपनी कोशिशों को लेकर आशान्वित है। राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान अपने दो प्रिय विषयों - भाजपा-आरएसएस की ''हेट'' राजनीति और विभाजनकारी राजनीति का एजेंडा, तथा जातिगत जनगणना पर फोकस किया।

तेलंगाना, जहाँ रेवन्त रेड्डी सरकार ने जातिगत जनगणना करायी है, का उदाहरण देते हुये, राहुल गांधी ने कहा कि तेलंगाना में पिछड़े, दलित, आदिवासी लोग कूल जनसंख्या का 90 प्रतिशत है लेकिन कॉर्पोरेट्स में तथा ऊँची नौकरियों में उनका कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

253 सिख श्रद्धालु पाकिस्तान रवाना

नयी दिल्ली, 09 अप्रैल। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी से 253 श्रद्धालुओं के जत्थे को बैसाखी और खालसा दिवस मनाने के लिए पाकिस्तान रवाना किया।

गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब से अरदास करने के बाद जत्था रवाना किया गया। यह पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों के दर्शन करने के बाद वापस लौटेगा।

- ये सभी बैसाखी व खालसा दिवस मनाने जा रहे हैं तथा पाकिस्तान के सभी गुरुद्वारों के दर्शन करके लौटेंगे।

इस अवसर पर दिल्ली समिति सलाहकार परमजीत सिंह चढ़ोक ने सभी श्रद्धालुओं का सम्मान किया। समिति के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों भी मौजूद रहे।

चढ़ोक ने बताया कि इस बार देश भर से 6751 श्रद्धालुओं को पाकिस्तान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हम पनामा कैनाल को चीन के प्रभाव से मुक्त करायेंगे'

अमेरिका के रक्षा मंत्री का यह दंभपूर्ण वक्तव्य प्रतीकात्मक जरुर है, व्यवहारिक नहीं

- पहली बात तो यह है कि पनामा कैनाल न तो चीन के नियंत्रण में है और न ही अमेरिका के कंट्रोल में, और दोनों के बीच लड़ाई की जड़ वाणिज्य है न कि प्रशासनिक मैनेजमैंट।
- 31 दिसम्बर, 1999 को टोरीजोस-कार्टर संधि व समझौते के बाद, अपने पनामा की सार्वभौमिकता का सम्मान करते हुए, पनामा कैनाल पर से अपने सारे दावे स्वयं निरस्त कर दिये थे और अब उन्हें पुनः जीवित करना असंभव है।
- अब अमेरिका किसी भी कानूनी व व्यवहारिक तरीके से पनामा कैनाल का कंट्रोल प्राप्त नहीं कर सकता।
- और अभी लड़ाई कैनाल के ''फिज़िकल'' कंट्रोल के बारे में नहीं, बल्कि, दो सुपर पावर को यह जताने की है, कि किसका विश्व में प्रभाव ज्यादा है और अमेरिका अपने मित्र व गुट के देशों को यह जताना चाहता है कि वह चीन की हर चाल को ध्यान से देख रहा है और कार्यवाही कर सकता है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अप्रेल। अमेरिका के डिफैंस सैक्रेटरी ने हाल ही में यह घोषणा की थी कि अमेरिका पनामा नहर को चीन के प्रभाव से वापस लेगा, तो यह बयान रणनीतिक व कूटनीतिक क्षेत्रों में चर्चा का विषय बन गया। यह बयान चीन के विश्व में बढ़ते प्रभाव के प्रति अमेरिका की चिंता को दर्शाता है, खासकर पश्चिमी गोलार्द्ध में, लेकिन यह बयान प्रतीकात्मक ज्यादा है, क्योंकि इस पर कोई एक्शन नहीं हो सकता है, क्योंकि नहर चीन के नियंत्रण में नहीं है और न ही अमेरिका के नियंत्रण में है। यह पूरी तरह से पनामा के स्वामित्व में है और वहीं इसका संचालन भी करता है।

पनामा नहर पर पनामा का नियंत्रण 31 दिसंबर 1999 से है, जब टॉरिजो-कार्टर संधियों के तहत, अमेरिका ने नहर क्षेत्र पर अपनी सभी दावों को छोड़ दिया था, जो पनामा की संप्रभुता का सम्मान करने का प्रतीक था।

हालाँकि, चीन की लिप्तता वाणिज्यिक है, न कि शासन संबंधित चीनी कंसोर्टियम, खासकर हचिसन वामपोआ, नहर के पास के बंदरगाहों-बालबोआ (प्रशांत महासागर की साइड पर) और कोलोन (अटलांटिक महासागर की साइड पर) का संचालन करते हैं, जिससे उन्हें भारी लॉजिस्टिक लाभ मिलता है। इसके अलावा बीज़िंग के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत, पनामा में चीन का निवेश लगातार बढ़ा है। वर्ष 2017 में पनामा ने चीन के पक्ष में ताईवान से संबंध तोड़ लिए थे, जिससे बीज़िंग का क्षेत्रीय प्रभाव और मजबूत हुआ।

कानूनी दृष्टिकोण से ऐसा कोई अंतरर्राष्ट्रीय तंत्र या संधि नहीं है जो संयुक्त राज्य अमेरिका को पनामा की संप्रभुता का उल्लंघन किए बिना नहर को फिर से कब्जे में लेने या चीनी कंपनियों को बाहर करने की अनुमति देती हो। पनामा भी मौजूदा समीकरण बदलने की इच्छा नहीं दर्शा रहा है। कैनाल अथॉरिटी (एसीपी) पनामा में राष्ट्रीय नियंत्रण का एक गर्वित प्रतीक है, और पनामा के लोग शायद ही विदेशी शक्तियों- अमेरिका या चीन, को शर्तें निर्धारित करने की अनुमति देंगे।

व्यावहारिक रूप से, हालांकि वॉशिंगटन अधिक सूक्ष्म तरीकों से प्रभाव डाल सकता है। एक तरीका है, आर्थिक काउंटरऑफर के माध्यम से- अमेरिकी या सहयोगी देशों के बुनियादी ढांचा निवेशों का समर्थन करके, अमेरिका चीनी-निधित परियोजनाओं के लिए व्यवहार्य विकल्प प्रस्तुत कर सकता है। एक अन्य रास्ता सुरक्षा साझेदारी बनाने का है, सैन्य सहयोग या खुफिया जानकारी साझा करने की पेशकश पनामा के नीति निर्माताओं को आकर्षित कर सकती है, जो रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने के लिए चिंतित हैं। इसके अतिरिक्त, अमेरिका कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, बहुपक्षीय मंचों या क्षेत्रीय संधियों के माध्यम से दबाव डाल सकता है, जिनका लक्ष्य पनामा की चीन की पूंजी पर निर्भरता का कम करना है।

रक्षा सचिव के शब्दों को नीति के प्रारुप के रूप में पढ़ने से बेहतर है, उन्हें रणनीतिक संकेत के रूप में समझा जाए। जैसे-जैसे चीन के साथ तनाव बढ़ रहे हैं-सेमीकंडक्टर, शिपिंग मार्ग, दुर्लभ पृथ्वी तत्व और सैन्य गठबंधनों के क्षेत्रों में पनामा का महत्व काफी ज्यादा बढ़ जाता है।

असल में यह सारी चर्चा पनामा के बारे में कम और दो महाशक्तियों के बीच दबदबे के लिए चल रही प्रतियोगिता के बारे में ज्यादा है। वॉशिंगटन अपने सहयोगियों और प्रतिद्वंदियों से यह कह रहा है कि हम चीन की हर चाल पर नज़र रख रहे हैं, यहाँ तक कि हमारे पारंपरिक क्षेत्र में भी।

संयुक्त राज्य अमेरिका पनामा नहर को किसी कानूनी या व्यावहारिक तरीके से वापस नहीं ले सकता। लेकिन वह चीन के बढ़ते प्रभाव को चुनौती दे सकता है। सिर्फ नहर में ही नहीं, बल्कि उसके आस-पास की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मैं ही आग हूँ, मैं ही कूड़ा-करकट। अगर मेरी आग कूड़ा-करकट जलाकर भस्म कर दे तो मैं अच्छा जीवन पाउँगा। –खलील जिब्रान

मोबाइल बच्चों की जिज्ञासा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता खत्म कर रहा है

बच्चों की सफलता और श्रेष्ठता की चाहत प्रत्येक माता-पिता को होती हैं। और उसके लिए वह हर संभव प्रयास भी करते हैं। उनके प्रयास सार्थक हों और बच्चे उनके अनुरूप सफलता प्राप्त करें, इसके लिए वे कोई कोर-कसर नहीं छोडते। बच्चों की परवरिश में माता-पिता जी जान लगा रहे हैं। अपने बनाए लक्षय की पूर्ती के लिए उनके जीवन का पूरा नक्शा भी अधिकतर हम ही बनाते हैं। अपने सपनों को पूरा करने के लिए बच्चों को गलतियां करने दें, खूब खेलने दें, खूब पढने-लिखने दें। और फिर उन्हें अपना रास्ता आपके माध्यम से खुद तलाशने दीजिए। हर समय हम चिंतित रहते हैं कि उनका बच्चा वर्तमान समय में हर क्षण का सदुपयोग नहीं कर रहा हैं। यह माता-पिता के लिए चिंता का विषय भी बना हुआ हैं। हमारा बच्चा अधिकतर समय मोबाइल कि दुनिया में खोया रहता हैं। मैं अनेक स्कूलों में जब अपनी बात रखने जाता हूं, तो अध्यापिकाएं चिंतित होते हुए सवाल करती है कि कैसे बच्चों से मोबाइल छुडवाया जाए। उन्हें इसका उपाय किसी सिरे से दिखाई नहीं देता। और मुझसे उसका निराकरण करने का आठाह भी करती हैं। मैं भी मानता हूं बच्चों के मोबाइल देखने की प्रवृत्ति से माता-पिता चिंतित हैं। लेकिन मेरा यह मानना है कि वह केवल चिंतित है चिंतन नहीं कर रहे। कैसे बच्चों को मोबाइल से दूर किया जा सके, इस पर वह थोड़ा बहुत चिंतन कर ले तो बच्चे मोबाइल से दूर हो सकते हैं। बच्चों को मोबाइल से चिपके रहने में माता-पिता और विद्यालय दोनो का बड़ा योगदान हैं। इस पर चिंतन-मनन करने से बच्चों को मोबाइल से दूर किया जा सकता हैं।

पिछले दिनों मैं कुछ अभिभावकों से बात कर रहा था, उन्होंने तर्क दिया की बच्चों का होमवर्क मोबाइल पर आता है। इसलिए बच्चों को मोबाइल देना पड़ता हैं। बदलते समय में स्कूल प्रशासन को गंभीरतापूर्वक सोचना होगा कि यह प्रवृत्ति उचित नहीं हैं। इस पर रोक लगाई जानी चाहिए अगर हम थोड़ा पीछे जाएंगे तो प्रत्येक बच्चें की अभ्यास पुस्तिका में अध्यापक अपने हाथ से होमवर्क लिखते थे, अथवा ब्लैक बोर्ड पर लिख देते, जिससे प्रत्येक बच्चा अपनी अभ्यास पुस्तिका में गृहकार्य उतार लेता।

स्कूल प्रशासन को इस विषय पर गंभीरता से मंथन करना होगा। क्योंकि बच्चे जब मोबाइल से होमवर्क करने लगते हैं तो वह अपने दिमाग और पुस्तक को काम में नहीं लेते और सीधे गूगल बाबा से सवाल का उत्तर प्राप्त करते हुए अभ्यास पुस्तिका में लिख डालता हैं जो बच्चों को आगे बढने और सोचने-समझने की पृवर्ती से पूरी तरह बाधित करता हैं।

बच्चे जितना अधिक मोबाइल से चिपके रहेंगे, वह सुनना, कहना और बातें करना भी कम कर देंगे। उनकी जिज्ञासा आत्मविश्वास और रचनात्मकता खत्म होने लगेगी। और तो और मोबाइल के कारण सामाजिक और भाषाई विकास से भी वंचित रहेंगे। इस समस्या के समाधान में हमारे अध्यापक और स्कूल प्रशासन इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं

बच्चे जितना अधिक मोबाइल से चिपके रहेंगे, वह सुनना, कहना और बातें करना भी कम कर देंगे। उनकी जिज्ञासा आत्मविश्वास और रचनात्मकता खत्म होने लगेगी। और तो और मोबाइल के कारण सामाजिक और भाषाई विकास से भी वंचित रहेंगे। इस समस्या के समाधान में हमारे अध्यापक और स्कूल प्रशासन इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मोबाइल की प्रवृत्ति को रोकने में स्कूल को भी धैर्य से मंथन करना होगा।

माता-पिता खुद भी बच्चों के मोबाइल की प्रवृत्ति को अधिक बढ़ा रहे हैं, छोटे बच्चों को खाना खिलाते समय, बच्चा अगर रो रहा है तो मोबाइल देकर के चुप कराने की प्रारंभिक प्रवृत्ति ही खतरे की घंटी बजा रही है। मोबाइल की दुनिया में बच्चों को इतना अधिक गोता लगाया जा रहा है, जिसका निराकरण ऐसा ना हो कि बच्चा डूबता ही चला जाए। न तो घर के आंगन में बचपन की किलकारी सुनाई दे रही है और ना बचपन उछल-कूद कर रहा हैं। बच्चें गौडाळिया भी नहीं चल रहे । बच्चों का बचपन मोबाइल तक सिमट कर रह गया हैं।

जब बच्चा बड़ा होता है, स्कूल जाने लगता है, घर आते ही खाने के समय मोबाइल और वहा पर माता-पिता भी उसके पास बैठे हुए अपना मोबाइल चलाते रहते हैं। अनेक बार माता-पिता को पता ही नहीं चलता कि बच्चा मोबाइल देखते-देखते किस दुनिया में चला गया है, कौन सी पिक्चर देख रहा है, कौन सी रील देख रहा है। धीरे-धीरे यह समस्या बड़ा रुप धारण कर लेती है।

इसका निदान यह हो सकता है कि जब बच्चा घर में हो उस समय माता-पिता खुद भी मोबाइल ना देखें, मोबाइल पर बात बहुत अधिक जरूरी हो तभी करें, क्योंकि हम ऐसी स्थिति में बच्चों को विद्रोही भी बना देते हैं, जब बच्चा यह कहने लगता है कि आप भी तो हर समय मोबाइल देखते हैं।

बच्चें प्यार की भाषा समझते हैं। मेरी दादी कहां करती थी की भूख किसी की सगी नहीं होती, जब भूख लगेगी तो वह स्वयं रोटी मांगेगा। माता-पिता को थोड़ा ना कहना भी सीखना होगा। बेहतरीन पैरंट्स बनने की अगर कोशिश की जाए तो बच्चों को मोबाइल के लिए ना कहना चाहिए, वर्तमान दौर में असल चुनौती पेरेंट्स की यही है कि वह बच्चों को मोबाइल की दुनिया से दूर कैसे करे। पहले खुद भी ऐसे समय मोबाइल का उपयोग करें जब बच्चे घर में न हो ।

जब बच्चें घर में हो तो उनके साथ खेले, उनसे खूब बतियाएं, एक दूसरे के अनुभव से रूबरू हो।

धैर्य और अनुशासन से परवरिश स्वाभाविक होती है। हम उसके साथ स्कूल की बातों को सुने, उनके दोस्तों की बातों को सुने, उनको पार्क में ले जाएं, खेल मैदान में ले जाएं। अनेक बार तो हम बच्चे को खेल के मैदान में ले जाते हुए बच्चों को मैदान में छोड़कर हम खुद मोबाइल की दुनिया में खो जाते हैं। अगर हमें हमारे बच्चे को स्वाभाविक रूप से विकसित करना है तो हम भी पहले मोबाइल की दुनिया में गोता लगाना कम करें तभी इस प्रवृत्ति पर रोक लगाई जा सकेगी।

बच्चों के चरित्र निर्माण में माता-पिता ही वास्तविक रूप से काम करते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र जोशी,
साहित्यकार-शिक्षाविद

वर्तमान समय में भगवान महावीर के सिद्धांतों की प्रासंगिकता –2

भागचन्द जैन मित्रपुरा

(गतांग से आगे जारी.....)

उत्तम सत्य वचन मुख बोले, सो प्राणी संसार न डोले। सत्य वचन बोलने वाले का आत्म कल्याण निश्चित है, वह संसार में आवागमन से मुक्ति का पात्र बन जाता है। जैन दर्शन में सत्य का अर्थ मात्र ज्यों का त्यों बोलने का नाम नहीं है, बल्कि हित-मित-प्रिय वचन बोलने से है। हितकारी वचन यानि जिसमें जीव मात्र की भलाई हो, कहने का अभिप्राय ये है कि जिन वचनों से यदि किसी जीव का अहित होता हो तो वे वचन सत्य होते हुये भी असत्य के बराबर ही है।

5. अचौर्य - अचौर्य का सीधा अर्थ है चोरी नहीं करना। किसी वस्तु को भौतिक रूप से चुराने से ही नहीं है, बल्कि व्यक्ति की गलत भावना, प्रयोजन, इरादा भी है। बिना पूछे किसी की वस्तु का उपयोग भी चोरी की श्रेणी में आता है। टैक्स चोरी, जमाखोरी, मिलावट छात्र द्वारा परीक्षा में नकल करना, डिजिटल उपकरण का प्रयोग करना आदि सभी चोरी करना ही है। लालच एवं लोभ से चोरी करने की आदत बलवती होती जाती है। यदि सभी लोग चोरी करने लगे तो यह समाज ही नष्ट जायेगा। चोरी करना अपराध ही नहीं, पाप भी है।

6. अपरिग्रह - अपनी जरूरी आवश्यकता से अधिक संग्रह नहीं करने की भावना रखना या संग्रह नहीं करना को अपरिग्रह कहा गया है। अपरिग्रह भावना से अहिंसा एवं जरूरतमंद के प्रति दया, परोपकार की भावना स्वत: जागृत होती है। संसार में किंचित मात्र भी मेरा कुछ नहीं है, यह भावना अपरिग्रह का अंग है। शास्त्रों में कुल चौबीस प्रकार के अपरिग्रह माने गए हैं। भगवान महावीर का अपरिग्रह सिद्धान्त सीमित संसाधनों के साथ जीवन यापन करना सिखाता है।

7. ब्रह्मचर्य - या ब्राह्मिण स्वात्मनि शुद्धबुद्धे चर्या परद्रव्यमुचप्रवृत्ति: तद् ब्रह्मचर्यम। पर द्रव्यों से रहित शुद्धबुद्ध अपनी आत्मा में जो चर्या अर्थात् लीनता होती है, उसे ब्रह्मचर्य कहते है। साधु संतो को सर्वथा स्त्री संसर्ग का त्याग एवं गृहस्थों के लिए स्वपत्नी संतोष व्रत ही व्यवहार में ब्रह्मचर्य है। महावीर स्वामी ब्रह्मचर्य को तपस्या में एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानते थे। महावीर के अनुसार जो ब्रह्मचर्य का कड़ाई से पालन करते है, वे मोक्षमार्ग की और बढ़ते है।

8. अनेकांतवाद - स्यादवाद :

इस संसार में प्रत्येक वस्तु अनेकांतात्मक है। प्रत्येक वस्तु में अनेक गुणों और धर्मो का समावेश होता है। प्रत्येक वस्तु प्रतिक्षण गतिमान एवं परिवर्तनशील है। उसके रूप, भाव, आकार तथा परिमाण में प्रतिपल न्यूनाधिक परिवर्तन होता रहता है। -

9. क्षमा- तीर्थंकर महावीर ने क्षमा को मनुष्य की आत्मा का स्वाभाविक धर्म कहा है। उसके विभाव रूप परिणाम से ही जीव क्रोधी हो जाता है। क्रोध आत्मा का स्वभाव नहीं हो सकता। क्रोध को कम करना या छोड़ना क्षमा है। क्षमा करने एवम मांगने से अपनी आत्मा की शुद्धि होती है। मनमुटाव, कटुता, बदले की भावना दूर हो सकती है। ऐसा होने पर मानव अपने कर्तव्य पथ पर निडर होकर आगे बढ़ सकता है।

10. महावीर जीवन ने जीने की कला की तरह ही मृत्यु को एक उत्सव में परिवर्तित कर दिया। संलेखना आत्महत्या नहीं, मोक्ष की साधना है। हम अंतिम लक्ष्य संलेखना के माध्यम से अपनी जीवन यात्रा निर्वहन का संकल्प लेकर धर्म की पराकाष्ठा की ओर बढ़ सकते है।

1. विभिन्न देशों के बीच युद्ध एवं तनाव : रूस- यूक्रेन, इजराइल-हमाश, लेबनान, ईरान आदि के बीच जारी युद्ध, चीन-ताइवान, उत्तरी कोरिया - दक्षिणी कोरिया, भारत - चीन, पाकिस्तान आदि विश्व के विभिन्न देशों के बीच जारी तनाव को दूर करने का एक मात्र उपाय महावीर के अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकांतवाद, क्षमा के सिद्धांत को समझना एवं क्रियान्वित करना है। युद्ध से विनाश के अतिरिक्त कोई उपलब्धि नहीं मिलने वाली है। इस सिद्धांत के अनुसार अब कई देश शांति की ओर अग्रसर होने का प्रयास कर रहे है।

2. सम्प्रदायवाद एवं आतंकवाद वैश्विक शांति के समक्ष सबसे बड़े अवरोधक हैं। विविध प्रकार की आतंकी गतिविधियों से दुनिया के किसी न किसी कोने में हर रोज अस्थिरता देखने को मिलती है। अपना देश इसका सटीक उदाहरण है। मुंबई, पठानकोट, कश्मीर, जयपुर, पुलवामा आदि एवं अमेरिका सहित अन्य देश भी आतंकवाद का शिकार है। महावीर के सिद्धांत मन मस्तिष्क, हृदय परिवर्तन करने में सक्षम है।

3. असंतुलित आर्थिक विकास भी संपूर्ण विश्व के समक्ष एक प्रमुख चुनौती है। विश्व के कुछ ही देश विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आते है। कई देशों में भुखमरी, कुपोषण की विकराल समस्या है। महावीर का सर्वोदयी एवं अपरिग्रह का सिद्धांत इन सब से निपटने में कारगर है। संपन्न एवं आधिक्य परिसंपत्ति वाले देश जरूरत मंद देशों की आवश्यक सहायता कर अपने समकक्ष लाने का प्रयास कर सकते है एवं विश्व समृद्धि एवं शांति का मार्ग प्रशस्त कर सकते है।

4. स्वास्थ्यपूर्ण जीवन शैली की समस्या महावीर के अहिंसा के सिद्धांत से शाकाहार, योग ध्यान द्वारा शारीरिक एवम मानसिक रूप से स्वास्थ्यपूर्ण जीवन जिया जा सकता है। पहला सुख निरोगी काया है। कोरोना काल में महावीर के सिद्धान्त व जैन जीवन शैली पूर्णतया कारगर रही है।

5. पर्यावरण एवं प्रदूषण की समस्या जल, वायु, ध्वनि, मृदा प्रदूषण वैश्विक स्तर पर बढ़ता ही जा रहा है। इस कारण हम जानते है कि वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है। जगह-जगह ग्लेशियर पिघल रहे है, महा सागरो का जल स्तर बढ़ रहा है।

6. महामारियों से बचाव- कोविड, बर्ड फ्लू, मैड काऊ एड्स आदि महामारियो से बचाने का उपाय महावीर के सिद्धांतो में निहित है। ये सब बीमारियां, महामारियां मांसाहार की देन है। अहिंसा, शाकाहार, संयम, ब्रह्मचर्य का पालन करने से हम इन सब आपदाओं, विपत्तियों से विमुक्त हो सकते है।

7. संयुक्त परिवारों के विघटन की समस्या : बढ़ते अनाचार एवं व्यभिचार से संयुक्त परिवार के माध्यमं से सहज ही नियंत्रण हो जाता है। अपने जन्म दाता माता पिता की वृद्धावस्था में आसानी से देखभाल हो जाती है। महावीर द्वारा देव शास्त्र गुरु की पूजा की शिक्षा दी जाती है। प्रथम गुरु हमारे माता पिता ही होते है। संयुक्त परिवार में रहकर हम अपनी संस्कृति की रक्षा भी कर सकते है।

8. धर्म में विघटन एवं शिथिलता : आज श्रावक एवं श्रमण महावीर के सिद्धांत से विमुख होते जा रहे है। सभी की चर्यायों में शिथिलता घर कर गई है। दिखावा, आडंबर अपनी चरम पर है। महावीर के सिद्धांत पालन में श्रावको द्वारा छट आवश्यक, सप्त व्यसनों का त्याग, अष्ट मूलगुणों का पालन दूर की कोड़ी हो गया है।

9) जैन धर्म स्थल, तीर्थ क्षेत्र, पुरातन धरोहर अभी सब खतरे में दिखाई दे रहे है। श्री सम्मेद शिखर जी, गिरनार जी, पांवागढ, केसरियाजी, खारवेल की गुफाएं, ग्वालियर मंदिर आदि क्षेत्र पर विघटनकारी शक्तियां अपना कार्य कर रही है। हमे महावीर के सिद्धांतो की पालना करते हुए इन सब समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। सिद्धांतों के साथ समझौता वादी प्रक्रियाओं का स्कोप नहीं है। इनके पालन से अन्य धर्म स्थल भी सुरक्षित रह सकते है। आपसी सद्भावना का वातावरण पनप सकता है।

10) जैन संस्थाओं, ट्रस्ट कमेटियों में व्याप्त शिथिलाचार, धर्म प्रभावना में बाधक है। दिगंबर मुनियों से ही जैन धर्म की पहचान है। उनके आहार, विहार, प्रवास, निहार की समुचित व्यवस्था में कोताही बरती जा रही है। इसी तरह समाज के जरूरतमंदो के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, खानपान की समुचित व्यवस्था नहीं है। महावीर के सिद्धांत हमे इस बारे में सही रास्ता दिखा सकते है। अन्य धर्मों की संस्थाएं भी इन्हे अपना सकती है।

11. आज सामान्य व्यक्ति का जीवन इस प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में चुनौतीपूर्ण हो गया है। छोटी-छोटी बातों से लोग एक दूसरे के दुश्मन बन रहे है। महावीर का क्षमा का, अपरिग्रह का, अनेकांतवाद का सिद्धांत अपनाकर ही सब कठिनाइयों का निवारण आसनी से किया जा सकता है।

12. मानव अधिकारों का उलंघन : बड़ी मछली छोटी मछली को निगल जाती है। लेकिन महावीर के सिद्धांत सर्वोदय का संदेश देते है, जिसमे न केवल मानव को, बल्कि जीवमात्र के संरक्षण की भावना व्यक्ति गई है।

13. महावीर से पूर्व शूद्रों को निम्न स्थान प्राप्त था। नारी की भी स्थिति हीन थी, उसके लिए साधना के मार्ग बंद थे। महावीर स्वामी ने कठोर वर्ण व्यवस्था का प्रतिकार किया। उन्होंने शुद्र साधु को संघ में स्थान दिया और चंदनबाला जैसी नारी को न केवल दीक्षित किया वरन साध्वी संघ का नेतृत्व भी सौंपा। भारत जैसे देश में जातिप्रथा एवं कट्टरवाद, धर्म, संप्रदाय के नाम पर अशांति अभी भी फैलाई जाती है। महावीर के समता सिद्धांत को स्वीकार करके वसुदेव कुटुंबकम की धारणा मूर्त रूप ले सकती है। भगवान महावीर ने अपने जीवनकाल में सामाजिक कुरीतियों की समाप्ति की दिशा में इन सिद्धांतों का प्रयोग किया। उन्होंने स्त्रियों के उत्थान के लिए दासता, सामाजिक समता, समान दर्जा आदि के लिए शुरूआत की। वर्तमान में महिला सशक्तिकरण के साथ पर्यावरण संरक्षण-ग्लोबल वार्मिंग से बचाव, स्वच्छता, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, जनसंख्या नियन्त्रण जैसे अभियानों के संदर्भ में भगवान महावीर के सिद्धांत अत्यधिक प्रासंगिक हो गये है।

14. महावीर ने अणु, परमाणु, जीव, अजीव, पुद्गल की अवधारणा को बहुत पहले ही विस्तृत रूप से प्रस्तुत कर दिया था। उन्ही सिद्धांतों को पीटर हिग्स ने हिग्स बोसन यानी मूलकण जिसे गॉड पार्टिकल कहा गया, के रूप में अपने आविष्कार के तौर पर बताया। महावीर के दिए गए उपदेश से हम आधुनिक विज्ञान की दिशा में और आगे बढ़ सकते है, विश्व का मार्ग दर्शन कर सकते है।

15. महावीर के सिद्धांत में व्यक्ति पूजा की जगह नहीं है, गुणों की ही पूजा की जाती है। णमोंकर मंत्र में पंच परमेष्ठी को नमस्कार किया जाता है, जिन्होने अपने आंतरिक शत्रु काम, क्रोध, माया, लोभ आदि का नाश कर दिया है। गुणों की आराधना करने में किसी को कोई संशय नहीं सकता है। सही अर्थ में महावीर के सिद्धांत जैन धर्मावलंबियों के लिए ही नहीं है, सभी के लिए है, जन-जन के लिए है। जीवन की इस आपाधापी में महावीर का मार्ग ही सही मार्ग है। महावीर के सिद्धांत सार्वभौमिक, सर्वमान्य, सर्व हितेषी है। आज विश्व की, देश की, समाज की, परिवार की, व्यक्ति की किसी भी समस्या का समाधान महावीर के सिद्धांतो में ही निहित है। विनोबा भावे ने महावीर का सर्वोदय शब्द अपनाया। सर्वपदाम अंतकरम निरंतरम, सर्वोदयम तीर्थ मिदम तवैव। जिसमे सबका अभ्युदय है, वह मेरा अभ्युदय है, इसलिए उसका नाम सर्वोदय रखा। सब दुखों का अंत करता है, सार्वभौम धर्म है मेरा।

वीर निर्वाण संवत् सबसे प्राचीन संवत्

तीर्थंकर महावीर की स्मृति में वीर निर्वाण सम्वत, भगवान महावीर के निर्वाण के अगले दिन से ही 2551 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ। यह विश्व में सबसे प्राचीन सम्वत है एवम् प्रचलन में है। इससे जैन धर्म संस्कृति की प्राचीनता का आंकलन किया जा सकता है। भगवान महावीर का 2624वां जन्म कल्याणक वर्ष बिना किसी आडंबर, अहिंसा सहित सभी पांच अणु/महाव्रतों का का पालन करते हुए, मनोयोग से मनाए जाने की नितांत आवश्यकता है।

संकलन--भागचंद जैन मित्रपुरा,
पूर्व सहायक महा प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक; अध्यक्ष, अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर;
पूर्व कंसल्टेंट एसबीआई लाइफ

आज पूरी दुनिया में होम्योपैथी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है

डॉ. राम

"अच्छा स्वास्थ्य जीवन में किया जाने वाला सबसे अच्छा दीर्घकालिक निवेश है, होम्योपैथी के साथ अपने अच्छे स्वास्थ्य में निवेश करें।" होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. क्रिश्चियन फेडरिक सैमुअल हैनिमैन की जयंती पर होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. राम होम्योपैथ चिकित्सक ने बताया कि होम्योपैथी की शुरुआत वर्ष 1796 में डॉ. सेमुअल हैनिमैन सर ने जर्मनी में की थी।

इस दिन को होम्योपैथी के संस्थापक डॉ. सैमुअल हैनिमैन की जयंती के रूप में भी जाना जाता है। आज पूरी दुनिया में लोग होम्योपैथी दवाओं पर भरोसा कर रहे हैं और उसके जरिए अपनी सेहत संबंधी- समस्याओं का उपचार करवा रहे हैं। विश्व होम्योपैथी दिवस 2025 का विषय अनुसंधान को सशक्त बनाना, दक्षता बढ़ाना एक होम्योपैथी संगोष्ठी है।

होम्योपैथिक चिकित्सा प्रणाली में शरीर की स्वयं को ठीक करने की जन्मजात क्षमता में विश्वास है। लाइलाज बीमारियों का पूरी तरह सफल इलाज में पौधों और खनिजों जैसे प्राकृतिक तत्व शामिल होते हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि उनमें अंतर्निहित उपचार गुण होते हैं। विश्व के कई देशों में इसका उपयोग होता है। लेकिन भारत इसमें अग्रणी है। होम्योपैथी भी एलोपैथी एवं आयुर्वेद की तरह चिकित्सा सुविधा देती है। यह काफी सस्ती है इस पर लोगों का भरोसा इसलिए भी है क्योंकि इसके साइड इफेक्ट की संभावना नहीं है और ठीक होने की जड़ से हैं। होम्योपैथी की लोकप्रियता आज तेजी से बढ़ रही है और प्रचलित एलोपैथिक चिकित्सा पद्धित के बाद विश्व मे दूसरे स्थान पर पसन्द एवं प्रचलन में लायी जाने वाली होम्योपैथी चिकित्सा पद्धित है। यह रोगों को जड़ से दूर करती है। सबसे बड़ी बात यह कि होम्योपैथी के साइड इफेक्ट्स न के बराबर होते हैं। होम्योपैथी में कारण के पीछे कारण छुपा रहता है उस को जड़ से खत्म कर देती हैं।

करोना जैसी भयंकर महामारी में होम्योपैथी रामबाण साबित हुई। भारत सरकार भी अब इस चिकित्सा पद्धित पर काफी ध्यान दे रही है। इसे भी आयुष मंत्रालय के अंतर्गत जगह दी गयी है। होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धित आज अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी में काफी मशहूर है, लेकिन भारत इसमें वर्ल्ड लीडर बना हुआ है। यहां होम्योपैथी डॉक्टर की संख्या ज्यादा है तो होम्योपैथी पर भरोसा करने वाले लोग भी ज्यादा है।

''और हमारी एक पल मानवता की और सेवाएंम,''
''हर घर घर होम्योपैथी''

डॉ. राम
होम्योपैथी चिकित्सा केंद्र एंड रिसर्च सेंटर जयपुर (राज.)

राशिफल गुरूवार 10 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 12:25 तक, वृद्धि योग सायं 6:59 तक, कौलव करण दिन 11:58 तक, चन्द्रमा सायं 7:05 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 12:25 से आरम्भ होगा। आज प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी, श्री महावीर जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:46 तक, चर 10:54 से 12:28 तक, लाभ-अमृत 12:28 से 3:36 तक, शुभ 5:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:12, सूर्यास्त 6:44

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

नौकरीपेशा व्यक्तियों पर प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से सम्पन्न होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मीन

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

प्रदेशभर के पहलवान कोटा पहुंचे, दंगल आज से

राज्य स्तरीय अण्डर-20 कुश्ती प्रतियोगिता में खिताब पाने के लिए दंगल आज से होगा

कोटा, (निसं)। राज्य स्तरीय अण्डर-20 कुश्ती प्रतियोगिता में खिताब पाने के लिए दंगल आज से प्रारंभ होगा। आयोजन में भाग लेने के लिए प्रदेशभर से महिला और पुरूष पहलवान बुधवार को कोटा पहुंच गए।

कोटा जिला कुश्ती संघ के सचिव हरीश शर्मा ने बताया कि राज्य स्तरीय अंडर-20 कुश्ती प्रतियोगिता का उद्घाटन गुरूवार को राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष राजीव दत्ता करेंगे। नयापुरा स्थित रघुराई एंडो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित इस प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन तथा महिलाओं के कुश्ती के मुकाबले होंगे। तीन ही वर्गों में वजन की 10-10 कैटेगरी रखी गई हैं और गुरूवार और शुक्रवार को 15-15 वजन कैटेगरी के फाइनल तक के मुकाबले होंगे।

उन्होंने बताया कि विभिन्न वजन कैटेगरी के विजेता पहलवान राष्ट्रीय अंडर-20 कुश्ती प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस बीच राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता की तैयारियों को बुधवार को अंतिम रूप दिया गया। पहलवानों का कोटा पहुंचने का सिलसिला बुधवार सुबह से ही प्रारंभ हो गया। इनमें अनेक ऐसे पहलवान भी हैं जो राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले चुके हैं। खिलाड़ियों के साथ आए कोच और रेफरियों के लिए क्लिनिकल सैशन भी आयोजित किया गया जिसमें उन्हें प्रतियोगिता में लागू किए गए कुश्ती के नए नियमों की भी जानकारी दी गई।

कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पहलवानों ने रजिस्ट्रेशन करवाया।

पर्यवेक्षकों ने भी देखी व्यवस्थाएं :- प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए अध्यक्ष राजीव दत्ता के निर्देश पर राज्य कुश्ती संघ ने भी उच्च स्तर के तकनीकी अधिकारियों की नियुक्ति की है। राज्य कुश्ती संघ की ओर से नियुक्त किए गए पर्यवेक्षकों ने भी बुधवार को रघुराई एंडो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का दौरा किया तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष और राजस्थान में कुश्ती के वरिष्ठ संरक्षक आईके दत्ता के नेतृत्व में कार्य कर रही पांच समितियों से फीड बैक लिया।

खिलाड़ी मांग सकेंगे

- **अनेक ऐसे पहलवान भी हैं जो राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले चुके हैं**

डीआरएस :- प्रतियोगिता में निष्पक्षता के लिए राज्य कुश्ती संघ ने विशेष इंतजाम किए हैं। आयोजन के दौरान होने वाले सभी मुकाबलों की दो कैमरों से वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। मैच के दौरान किसी अंक को यदि पहलवान चैलेंज करता है तो उसी समय रिकॉर्डिंग देख कर एक विशेष टीम रैफरी के निर्णय की समीक्षा करेगी।

गर्मी को देखते हुए विशेष इंतजाम :- गर्मी के तीखे तेवर देखते हुए आयोजन समिति ने खिलाड़ियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। रघुराई एंडो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में विभिन्न स्थानों पर मिस्ट फेन और बड़ी संख्या में कूलर लगाए जा रहे हैं। प्रतियोगिता के दौरान पूरे समय मेडिकल टीमें और एम्बूलेंस भी तैनात रहेंगी।

गर्मियों में लू से बचाव के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

■ जिला कलेक्टर शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए

सीकर, (निसं)। जिला कलेक्टर, सीकर मुकुल शर्मा ने गर्मी,ताप, लू से बचाव एवं उपचार के संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों एवं अन्य विभागों के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं।

जिला कलेक्टर शर्मा द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार सभी सरकारी, निजी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में ठंडे पेयजल का पूर्ण प्रबंध सुनिश्चित करने के साथ-साथ गर्मी को देखते हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश समय पर घोषित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, सभी अस्पतालों एवं डिस्पेंसरियों में पर्याप्त मात्रा में दवाईयां और ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) घोल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ गर्मी एवं लू से प्रभावित मरीजों के लिए पंखे-कूलर युक्त अलग चिकित्सा वार्ड की व्यवस्था करने को कहा गया है।

शहरों एवं गांवों में गर्मी और लू से बचाव एवं उपचार के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये गये है, ताकि आमजन को इस संबंध में जागरूक किया जा सके।

श्रमिकों के लिए छायादार स्थान, स्वच्छ पेयजल, प्राथमिक उपचार किट और ओआरएस की व्यवस्था करने के साथ-साथ उन्हें दिन में कम ताप वाले समय में कार्य करने और बाहरी कार्यों के दौरान आराम करने की सलाह दी गई है।

कच्ची बस्तियों, ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी कॉलोनियों में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था करने और अत्यधिक गर्मी की स्थिति में पानी के टैंकरों से छिडकाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने विद्युत की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने, दोपहर के समय में विद्युत कटौती नहीं करने और यदि कटौती आवश्यक हो तो इसके लिए समय पर निर्देश जारी करने को कहा गया है। बस स्टैंडों पर छायादार स्थान, विश्राम की सुविधा और ठंडे पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए हैं। पशुओं की देखभाल के लिए उन्हें छाया में रखने, पर्याप्त, स्वच्छ और ठंडा पानी उपलब्ध कराने, अत्यधिक गर्मी के दौरान पानी का छिडकाव करने और मवेशियों को ठंडा करने के लिए जल निकाय तक ले जाने की व्यवस्था करने को कहा गया है। पशुओं को हरी घास, प्रोटीन, वसा और खनिज मिश्रण देने और कम गर्मी वाले समय में ही चरने के लिए छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

आमजन को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचने, खाली पेट बाहर न निकलने, पर्याप्त पानी पीने, बासी खाना, गले,बासी फल और सब्जियों का सेवन न करने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही ढीले और सूती कपड़े पहनने, सिर पर तौलिया रखने, और यथासंभव ठंडे पेय पदार्थ, नींबू, छाछ, प्याज एवं पर्याप्त पानी का सेवन करने की सलाह दी गई है। यदि किसी को डायरिया या लू लगने की स्थिति हो, तो उसे तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज के लिए ले जाने को कहा गया है।

जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे इन प्रावधानों का सख्ती से पालन करें और आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करें। आमजन से अपील की गई है कि वे इन दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में जिला प्रशासन से संपर्क करें।

सार-समाचार

योजना क्रियान्वयन समिति का गठन

सीकर (निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने आदेश जारी कर अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी दिशानिर्देशानुसार पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना-2025" के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय योजना क्रियान्वयन समिति का गठन किया गया है। आदेशानुसार जिला कलक्टर सीकर अध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सीकर सदस्य सचिव, संयुक्त निदेशक, कृषि विभाग सीकर,संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग सीकर, उप वन संरक्षक सीकर, उप निदेशक उद्यान सीकर, मुख्य आयोजना अधिकारी सीकर, अधीक्षण अभियन्ता अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड सीकर, अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग सीकर, अग्रणी जिला प्रबन्धक सीकर, उप रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग सीकर, उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सीकर, जिला रसद अधिकारी सीकर, जिला रोजगार अधिकारी सीकर, सहायक श्रम आयुक्त सीकर,महा प्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र सीकर, उप निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग सीकर,उप निदेशक महिला अधिकारिता विभाग सीकर, जिला परियोजना प्रबंधक जीविका सीकर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीकर, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सीकर, परियोजना प्रबंधक अनु. जाति वित्त एवं विकास निगम सीकर, प्रबंध संचालक सीकर एवं झुंझुनू जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड पलसाना सीकर, जिला प्रबन्धक राज. कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी), अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सैल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद सीकर, अधिशाषी अभियंता जिला परिषद सीकर,अधिशाषी अभियंता (ईजीएस) जिला परिषद सीकर को सदस्य नियुक्त किया गया है।

पेंशन विरोधी निर्णय के विरुद्ध ज्ञापन सौंपा

रतनगढ़ (निसं)। केंद्र सरकार द्वारा घोषित आठवें वेतन आयोग में पेंशनर्स के हितों पर कुठाराघात से संबंधित सीसीए पेंशन नियम संशोधन विधायक 2025 में के विरोध में पेंशनर्स ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम कार्यवाहक अध्यक्ष ओम प्रकाश जांगिड़ की अगुवाई में एसडीएम को ज्ञापन दिया। उक्त विधायक के माध्यम से केंद्र सरकार पेंशनर्स को आठवें वेतन आयोग में लाभ से वंचित करने हुए पेंशनर्स को तिथि के आधार पर वर्गों में बांटकर आर्थिक शोषण का विचार रखती है, सेवानिवृत्ति पेंशनर्स में समानता बनाए रखने और पेंशनर्स के बीच भेदभाव नहीं करने हेतु इस विधेयक पर पुनर्विचार की मांग कर इसे वापस लेने की मांग की। सोहनलाल चब्बरवाल ने ज्ञापन का वाचन किया। इस अवसर पर राजस्थान पेंशनर समाज के साथ-साथ केंद्रीय सेवाओं के रेलवे, पोस्ट ऑफिस के पेंशनर्स ने भी विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और सरकार की पेंशनर्स और कर्मचारी विरोधी नीतियों का विरोध किया। इस अवसर पर मोहम्मद अनवर कुरेशी, रामदेव शर्मा, ओमप्रकाश जांगिड़, भागीरथ भंडार, रामावतार ठठेरा, श्यामलाल माली, परमेश्वर लाल, नजीर अहमद, जय सिंह राठौड़, सांवरमल दर्जी, बजरंग लाल प्रजापत, बद्री प्रसाद शर्मा, पीरुमल भोभरिया, गुलाबचंद दर्जी, शिव प्रसाद स्वामी, जगदीश प्रसाद स्वामी, विनोद कुमार वर्मा, बाबूलाल पीपलवा, करणी सिंह राजियासर, रामदयाल चोटिया, कन्हैयालाल चौमाल, तेजकरण भोजक, वेद प्रकाश पंवार, ओमप्रकाश इंदौरिया, महावीर प्रसाद सेवदा, जयाकांत बिंवाल, चुन्नीलाल प्रजापत, शार्दुल सिंह उपस्थित रहे।

जीण माता पुजारियों से मारपीट मामले में कार्रवाई की मांग

चिड़ावा (निसं)। राजस्थान के जीण माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि के दौरान लक्खी छठ की रात पुजारियों के साथ हुई मारपीट की घटना के बाद विप्र समाज आक्रोशित है। घटना को लेकर चिड़ावा विप्र फाउंडेशन के बैनर तले एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भेजा गया है। मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में प्रशासनिक अधिकारियों पर मारपीट का आरोप लगाया है।घटना 3 अप्रैल की रात 12 बजे के बाद की है। मंदिर की परंपरा के अनुसार, बत्तीसी संघ का एक भक्त गर्भगृह में प्रवेश कर माताजी को धोक देता है। जब एक से अधिक भक्त गर्भगृह में प्रवेश करने लगे, तो पुजारियों ने मंदिर की मर्यादा के लिए उन्हें रोकने का प्रयास किया। विप्रजनों का आरोप है कि एडीएम, तहसीलदार, गिरदावर राजेश, पटवारी सज्जन और एसएवओ स्टाफ के कर्मचारियों ने उनके साथ मारपीट की। एक मुख्य पुजारी की जनेऊ तक तोड़ दी गई। विप्र बंधुओं का कहना है कि यह घटना बत्तीसी संघ, पुलिस प्रशासन और मेला प्रबंधन की मिलीभगत से हुई।चिड़ावा विप्र फाउंडेशन के तहसील अध्यक्ष पृथ्वी राज शर्मा ने मुख्यमंत्री से दोषी पुलिसकर्मियों, मेला प्रशासन और बत्तीसी संघ के लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि कार्रवाई नहीं होने पर मंदिर के पुजारी और समस्त ब्राह्मण समाज आंदोलन करेंगे।इस मौके पर पूर्व पालिकाध्यक्ष सुभाष शर्मा, देवेंद्र चोटिया, श्रवण पारीक, राधेश्याम सुखाड़िया, सुरेश शर्मा, शुभ राम, राजेंद्र शर्मा राजू, सुशील शर्मा, पवन शर्मा, मदन शर्मा, रवि शर्मा सहित विप्र समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एसडीएम ने समाधान के निर्देश दिए

चिड़ावा (निसं)। पंचायत समिति क्षेत्र के निजामपुरा तन ओजटू पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों ने जलदाय विभाग व पंचायत समिति पहुंचकर प्रदर्शन किया। खाली मटके लेकर पहुंची महिलाओं ने जलदाय विभाग पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए जमकर खरी-खोटी सुनाई। ग्रामीणों ने बताया कि वार्ड नं 7, 11 व 12 में पिछले 3 महीने से पेयजल किल्लत बनी हुई है। अंबेडकर स्कूल के नजदीक बने कुएं की मोटर जल जाने के चलते पिछले 09 दिन से बाहर रखी हुई है। विभाग ने अभी तक मोटर की मरम्मत करवाने की जहमत तक नहीं उठाई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बार-बार वे गांव से चलकर चिड़ावा में अधिकारियों से समस्या समाधान की गुहार लगाने आते हैं। लेकिन विभाग की लापरवाही व अनदेखी के चलते समस्या जस की तस बनी हुई है। कर्मचारी बुधवार दोपहर को ग्रामीण पहले जलदाय विभाग पहुंचे। वहां पता चला कि चिड़ावा पंचायत समिति में वीसी चल रही है। एसडीएम सहित सारे अधिकारी वीसी में मौजूद है।जिसके बाद ग्रामीण पंचायत समिति पहुंचे। ग्रामीणों ने एसडीएम नरेश सोनी से ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान की गुहार लगाई। जिसके बाद एसडीएम ने संबंधित अधिकारी को मौके पर जाकर समस्या समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान नरोत्तम, जयसिंह , विकास , सुनील जोशी , इंद्र , मुकेश, कृष्णा, बेदों, मेवा देवी, सुनीता, सुबीता, सावित्री, रामू मेघवाल सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

गणित ओलंपियाड में परचम लहराया

चिड़ावा (निसं)। एपीएस स्कूल के प्रधानाचार्य सुनील श्रीवास्तव ने बताया कि अन्तरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में विद्यालय के छात्र छात्राओं सिया,प्रतिभा, वैभव,हर्षित,नव्या सैनी, दिव्या,आरोही श्रीवास्तव, हिमाक्शी जाखड़ , साहिल राव, नीतिका , कनिष्का पायल एवं प्रियांशु ने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस खुशी के अवसर पर विद्यालय में आज एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। बच्चों की इस उपलब्धि पर संस्था चेयरमैन डॉक्टर पायल ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर पी आर ओ डॉक्टर जी सी शर्मा, एकेडमिक हैड मनमोहन शर्मा, सिक्योरिटी ऑफिसर शमशाद खान,सी सी ए इंचार्ज हेमलता सोमरा सहित समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित था।

परिंडा अभियान का शुभारंभ

झुंझुनूं, (निसं)। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय झुंझुनूं द्वारा बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए कुछ पल बेजुबानों के लिए परिंडा अभियान का शुभारंभ जिला मुख्यालय परिसर में तहसीलदार अभिषेक मीणा की उपस्थिति में किया गया। खुशबू दानोदिया ने बताया कि बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान जिला मुख्यालय झुंझुनूं द्वारा पक्षियों के लिए कुछ पल बेजुबानों के लिए परिंडा अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर द्वारा परिंडे लगाए जाएंगे। इस अवसर पर तमन्ना कुमावत, प्रियंका कुमारी, नीलम जांगिड़, सीमा, अंकित सैनी साहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जल स्वावलम्बन अभियान की बैठक 15 को

सीकर (निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता मे 15 अप्रेल 2025 को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभागार मे मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 द्वितीय चरण की डीपीआर अनुमोदन के लिए जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की जायेगी।

धार्मिक कार्यक्रम आज से

खिरोड़, (निसं)। चिराना कस्बे में पहाड़ी पर स्थित श्रीगढ़ बालाजी धाम पर वार्षिक तीन दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव के कार्यक्रम गुरूवार से शुरु होंगे। गढ़ बालाजी सेवा समिति के दिलीप सिंह राठौड़ व लोकेश शर्मा ने के मुताबिक गुरुवार शाम को चार बजे गणेश मंदिर से गढ़ बालाजी तक विशाल निशान यात्रा निकलेगी। निशान यात्रा का प्रमुख आकर्षण महाबली हनुमान होंगे। शुक्रवार को शाम सवा चार बजे से गढ़ बालाजी मंदिर में सैंकडों श्रद्धालु एक साथ संगीतमय सुंदरकांड पाठ करेंगे। शनिवार सुबह सवा आठ बजे सर्वमंगल कामना महायज्ञ होगा। शाम को सवा सात बजे भव्य शृंगार दर्शन और महाआरती होगी और उसके बाद रात साढ़े आठ बजे से विराट भजन संध्या के कार्यक्रम होंगे। जिसमें सजीव झांकी दर्शन और भजन कलाकारों की प्रस्तुति होगी। समिति अध्यक्ष जितेश अग्रवाल ने बताया कि चिराना का ये सबसे बडा धार्मिक आयोजन है। तीन दिन तक होने वाले आयोजन में आस-पास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। भजन संध्या में प्रसिद्ध गायक नीलिमा शर्मा, कुसुम शर्मा, एस. महर्षि और किरण शर्मा भजनो की प्रस्तुति देंगे।

राजस्थान की प्रथम महिला सत्याग्रही पर डॉ. यादव का शोध पत्र प्रकाशित

नीमकाथाना (निसं)। नीमकाथाना शहर के सबसे बड़े सरकारी महाविद्यालय के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेमपाल यादव का हाल ही में राजस्थान की प्रथम महिला सत्याग्रही अंजना देवी पर शोध पत्र प्रकाशित हुआ है। यह शोध पत्र इतिहास की प्रतिष्ठित शोध पत्रिका लाइनसियन जर्नल ऑफ कल्चर एंड हिस्टोरिकल स्टडीज के वॉल्यूम 17 में प्रकाशित हुआ है।

डॉ. यादव ने इस शोध पत्र के संदर्भ में बताया कि ब्रिटिश राज के विरुद्ध जब स्वतंत्रता संग्राम चल रहा था, तब राजस्थान की महिलाओं ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इन महिलाओं ने सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ते हुए राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया। राजस्थान और रियासती भारत में इस दिशा में सबसे पहले अंजना देवी चौधरी ने क्रांतिकारी कदम उठाया था। अंजना देवी, जो सीकर जिले के श्रीमाधोपुर कस्बे की बेटी और नीमकाथाना की बहू थीं, ने स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी की प्रेरणा अपने पति राम नारायण चौधरी से प्राप्त की थी, जो राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख नेता थे। 19वीं और 20वीं शताब्दी के राजस्थान समाज में अंधविश्वास प्रचलित था, और महिलाओं के लिए यह माना जाता था कि वे पढ़ाई-लिखाई में अग्रसर नहीं हो सकतीं। लेकिन अंजना देवी ने इस मिथक को तोड़ते हुए राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया और सामाजिक बदलाव की दिशा में अहम कदम उठाए।

पर्दे जैसी सामाजिक बाधाओं को दरकिनार करते हुए, अंजना देवी ने 20 वर्ष की उम्र में पर्दा त्याग दिया। गांधी जी के आ ान पर उन्होंने अपने सभी आभूषण त्याग दिए और जीवनभर देश सेवा का संकल्प लिया। इसके बाद उन्होंने मेवाड़ और बूंदी रियासतों में सत्याग्रह, समाज सुधार और राष्ट्रीय आंदोलन की गतिविधियों में सक्रिय भाग लिया।

बूंदी में लाग बाग, बेगार और रिश्वतखोरी से परेशान किसानों के हक में लड़ते हुए वह निर्वासित हो गईं। बिजोलिया के पास अमरगढ़ जागीर में सत्याग्रह का नेतृत्व करते हुए वह गिरफ्तार हुई और रियासती भारत में गिरफ्तार होने वाली पहली महिला बनीं।

अंजना देवी ने हर बार इन गिरफ्तारियों के बावजूद अपना साहस नहीं खोया और लगातार स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेती रहीं। मेवाड़ के ब्राह्मणों का खेड़ा में 500 महिलाओं के जत्थे का नेतृत्व करते हुए उन्होंने जागीरदारों को महिला शक्ति का अहसास कराया। 1932 से 1935 के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सत्याग्रह की मुहिम में दो बार जेल यात्रा की और कुल मिलाकर छह महीने जेल में रहीं। उनकी सार्वजनिक जीवन में सक्रियता आजादी के बाद भी बनी रही।

इसके अलावा, अंजना देवी ने हरिजन सेवा के कार्य में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। डॉ. यादव का यह शोध पत्र अंजना देवी की वीरता और संघर्ष की गाथा को सामने लाता है, और यह राजस्थान की महिलाओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है।

विश्व कल्याण के लिए नमस्कार महामंत्र का जाप किया

चूरू (निसं)। तेरापंथ भवन में बुधवार को नमस्कार महामंत्र का जाप किया गया। जीतो के द्वारा विश्व कल्याण के इस अभियान में चूरू में धार्मिक सौहार्द को देखने मिला। हिंदू मुस्लिम जैन सभी समाज ने मिलकर इस नमस्कार महामंत्र का जाप किया। पूरे विश्व में शांति, सामंजस्य और सौहार्द, जीव मात्र का कल्याण हो। इसी भावना से सभी ने मंत्र का जाप किया।

सर्वप्रथम कन्या मंडल ने नमस्कार महामंत्र की मुद्राओं से मंगलाचरण किया। जाप के इस अनुष्ठान में भावीपीढ़ी को पूरा विष्व एक परिवार है। वासुदेव कुटुंबकम की भावना बच्चों में भी आए इसी उद्देश्य से किड्स होम के नन्हें बच्चों ने भी जाप किया व केसर बालिका स्कूल की बालिकाओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। अणुव्रत अध्यक्ष रचना कोठारी ने सभी का अभिनंदन करते हुए नमस्कार महामंत्र के बारे में संपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि इस मंत्र में हम किसी भी धर्म विशेष अथवा व्यक्ति विशेष की आराधना नहीं करते हैं, बल्कि इस संसार में जितने भी अरिहंत मौजूद है। जिन्होंने चार घाती कर्म का नाश किया हो, उन्हें वंदन करते हैं। नमो सिद्धाणं में सभी सिद्ध मुक्त बुद्ध आत्माओं को वंदन करते हैं। नमो आयरियाणं में उन सभी आचार्यों को वंदन किया, जो हमें नैतिक धार्मिक मार्ग बदलते हैं व नमो उवज्झायाणं में उन सभी उपाध्यायों को वंदन करते हैं जो आचार्य द्वारा निर्देशित मार्ग का अध्ययन और अध्यापन करते हैं और करवाते हैं नमो लोए सव्व साहूणं में संसार के सभी चरित्र आत्माओं को वंदन करते हैं। इस इस प्रकार एक नमस्कार महामंत्र का जाप करने से हम संसार के सभी गुण आत्माओं को वंदन कर लेते हैं। सभा के अध्यक्ष नरेंद्र कोठारी ने सभी का आभार व्यक्त किया। सभा के मंत्री हेमंत पारख, डॉ मांगीलाल श्याम सुखा, तेरापंथ सभा के संरक्षक सुरेश बेद, दुलीचंद मणोत, राजेंद्र कुमार सिंह, एडवोकेट आनंद बालाण, अणुव्रत समिति के मंत्री ताहिर खान, बसंत सिंगी, जगत बांठिया, शांतिलाल पारख, शुभकरण कोठारी, उमराव कोठारी, श्रवण कोठारी, विकास बांठिया, राजू सुराणा, प्रताप सुराणा, मीनाक्षी टॉक आदि उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन अनुरोध समिति अध्यक्ष रचना कोठारी ने किया।

फटकारो मोरछड़ी को कार्यक्रम 13 को, पोस्टर का विमोचन किया

चूरू (निसं)। श्रीश्याम अखंड ज्योत पाठ समिति चूरू की ओर से स्थानीय नागवानों के नोहरे में भव्य श्याम अखंड ज्योत पाठ का 11वां उत्सव फटकारो मोरछडी को कार्यक्रम रविवार को आयोजित किया जायेगा।

नेपाली थीम पर मथुरा-वृंदावन से बाबा श्याम का दरबार बनाया गया है और ड्राई फ्रूट की मालाओं से बाबा का अलौकिक श्रृंगार सभी के आकर्षण का केन्द्र रहेगा। श्री श्याम अखंड ज्योत पाठ समिति के पवन जालान ने बताया कि दो दिवसीय आयोजन के तहत 12 अप्रैल शाम चार बजे श्याम बाबा को नगर भ्रमण करवाया जाएगा, जो सफेद घंटाघर के पास स्थित भारतीय स्टेट बैंक के पास वाली गली से भ्रमण के लिये रवाना होगा। नगर भ्रमण में निशान यात्रा सभी के आकर्षण का केन्द्र होगी। समिति के सदस्यों ने बुधवार को स्थानीय जैन गेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता में पोस्टर का विमोचन कर जानकारी दी कि आयोजन को लेकर सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल को श्याम अखंड ज्योत पाठ फटकारो मोरछडी को कार्यक्रम होगा। उन्होंने बताया कि इस बार नेपाली थीम पर श्याम बाबा का दरबार मथुरा-वृंदावन से बनवा कर मंगवाया गया है, जिसकी लंबाई 60 फीट और ऊंचाई 25 फिट होगी। इसके साथ ही चूरू में पहली बार ड्राई फ्रूट की मालाओं से बाबा का भव्य श्रृंगार होगा। पाठ के रचयिता श्रीचंद शर्मा व खाटू धाम के महंत मोहनदास महाराज के सानिध्य में होने वाले कार्यक्रम में कोलकाता के पाठ वाचक विनोद पाठ का संगीतमय वाचन करेंगे। 13 अप्रैल को प्रात: 9.15 बजे बाबा श्याम की दिव्य ज्योत प्रज्ज्वलित की जाएगी, प्रात: 10.15 बजे श्री श्याम अखंड ज्योत पाठ का शुभारम्भ होगा।

रात 9.15 बजे महाआरती होगी। इस दौरान कोलकाता के कलाकारों द्वारा नृत्य नाटिकाओं की प्रस्तुति दी जाएगी। इस दौरान शिव आराधना, बारात स्वागत, भीम विवाह, कन्यादान, श्याम जन्मोत्सव, बधाई गीत, बधाई वितरण व शीश का दान आदि प्रसंगों का मंचन किया जाएगा। इस अवसर पर छप्पन भोग, इत्र वर्षा, अखंड ज्योत व बाबा का अलौकिक दरबार आकर्षण का केंद्र रहेगा। पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर सभी पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई है।

बाल विवाह रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों को निर्देश जारी किये

सीकर (निसं)। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ने मुकुल शर्मा ने आदेश जारी कर बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम के लिये ग्राम एवं तहसील स्तर पर पदस्थापित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों, अधिकारियों (वृत्ताधिकारी, थानाधिकारीगण, पटवारियों, भू-अभिलेख निरीक्षकों, ग्राम पंचायत सचियों, ग्राम सेवकों, कृषि पर्यवेक्षकों, महिला विकास अभिकरणों तथा महिला बाल वि कास विभाग के परियोजना अधिकारियों, पर्यवेक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षा विभाग के अध्यापकों, नगर परिषद एवं नगर पालिका के कर्मचारियों, जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों, सरपंचों तथा वार्ड पंचों) के माध्यम से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं आम जन को जानकारी कराते हुये जन जागृति उत्पन्न करने एवं बाल विवाह रोके जाने के लिये कार्यवाही की जावे। बाल विवाह होने पर निकट के पुलिस स्टेशन में सूचना देने का दायित्व वहन करेंगे।

जिला कलेक्टर शर्मा ने निर्देश दिये है कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए अक्षय तृतीया से एक माह पूर्व कलेक्ट्रेट में उप निदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, सीकर में एवं उपखण्ड के लिए उपखण्ड अधिकारी के कार्यालयों में कन्ट्रोल रूम स्थापित किया जाये जो 24 घण्टे कियाशील रहेंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्व आदि विभागों के अधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा महिला एवं किशोरी समूहों की टीमें गठित कर उन्हें बाल विवाहों के दुष्परिणामों एवं कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरुकता फैलाने, रैलियां आयोजित करनें, संदेश प्रसारित करने तथा बाल विवाह न करने के संकल्प कराने के कार्यक्रम आयोजित किये जावें।

शिक्षा विभाग को विद्यालयों के स्तर पर बाल विवाह के दुष्परिणामों व इससे संबंधित विधिक प्रावधानों की जानकारी दिये जाने के लिए सभी स्कूलों को निर्देशित किया जाये। सामूहिक चर्चा से मिली जानकारी के आधार पर गाँव, मौहल्लों के उन परिवारों में जहाँ बाल विवाह होने की आशंका हो, समन्वित रुप से समझाईस करें। जहाँ आवश्यक हो कानून द्वारा बाल विवाहों को रोका जावें।

जिला कलेक्टर ने निर्देश दिये है कि किशोरी स्कूल जाने वाली, स्कूल बीच में छोड देने वाली बालिकाओं के मेलें आयोजित कराकर उनमें बाल विवाह न करने के निर्णय लेने की क्षमता विकसित करावें एवं उन्हें पढाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करावें।

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की धारा 16 के तहत सभी उप खण्ड अधिकारी उनके क्षेत्र के लिये बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त हैं। बाल विवाहों को रोकने के वे शासन के प्रति जवाब देह भी है। उनके क्षेत्र में बाल विवाह सम्पन्न होने की घटना होने पर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

जिला कलेक्टर ने निर्देश दिये है कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, सीकर द्वारा जन प्रतिनिधियों को जनसमुदाय में बाल विवाह न करने के निर्णय, संकल्प करावें। ग्राम सभाओं में सामूहिक रुप से बाल विवाह के दुष्प्रभावों की चर्चा करना व रोकथाम की कार्यवाही करायें।

जिला सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी, सीकर विवाह आयोजकों, मददगारों, कार्ड छापने वाले प्रिन्टर, पंडित, हलवाई, लाईट, बैंड बाजा, मेरिज गार्डन, वाहन मालिकों, बाराती, पण्डाल व टैन्ट लगाने वाले तथा ट्रान्सपोटर्स को प्रचार-प्रसार मीडिया के माध्यम से विवाह में अपने उत्तरदायित्व निभाने से पूर्व लडके-लडकी की उम्र 21 एवं 18 वर्ष हो यह सुनिश्चित करने, बाल विवाह में सहयोग न करने एवं विवाह के लिए छपने वाले निमन्त्रण पत्र में वर-वधु की जन्म तारीख प्रिन्ट करने की अपील जारी करें।

जिला ब्लाक व जिला स्तर पर गठित सहायता समूह, महिला समूह, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, साथिन, सहयोगिनी के कोर ग्रुप को सक्रिय करने के निर्देश दिये हैं।

सार-समाचार

कथा वाचन कार्यक्रम को लेकर कलेक्टर ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया

रतनगढ़ (निसं)। स्थानीय नंन्दीशाला में कल 11 अप्रैल से आयोजित शिवपुराण कथा को लेकर जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा। इस मौके पर जिला कलेक्टर ने नंन्दीशाला में प्रस्तावित कथा वाचन को लेकर निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी सेवाओं व व्यवस्थाओं का समुचित प्रबंधन करें व कथा स्थल पर अव्यवस्थाओं को लेकर कहा शीघ्र हो व्यवस्थाएं दुरुस्त, टेंट और अधूरे पड़े कार्य पर भी कलेक्टर ने कहा शीघ्र पूरा करे कार्य, आयोजन समिति और नन्दी शाला संचालन समिति में चल रहा है विवाद, विवाद को लेकर कलेक्टर ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा। कलेक्टर सुराणा ने श्रद्धालुओं की संख्या के अनुरूप नहीं दिखाई दी बैठने की व्यवस्था, पर्याप्त मात्रा में स्वयंसेवक नियुक्त करें ताकि आमजन को परेशानी न हो। वहीं आयोजित कथा को लेकर अभी तक व्यवस्था में कई खामियां बनी हुई हैं, जबकि मात्र एक दिन कथा शुरू होने में शेष रहा है। जिला कलेक्टर सुराणा ने प्रवेश व निकास द्वार 2 की जगह 4 करने, पार्किंग व्यवस्था सही करने, पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था समुचित करने, बिजली के वायर सही तरह लगाने, भोजन, आवास व वाहन सुविधा की तरफ ध्यान देने सहित कई बिन्दुओं पर आयोजकों का ध्यान आकर्षित किया। टैन्ट व्यवस्था को लेकर आयोजकों व टैन्टधारक को पाबंद किया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी रामकुमार वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक, थाना प्रभारी दिलीप सिंह सहित जलदाय, विधृत विभाग सहित कई विभागों के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

चूरू (निसं)। जिला मुख्यालय पर चूरू जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति के एक प्रतिनिधिमंडल की ओर से जिला कलेक्ट्रेट के आगे राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के गत 6 अप्रैल को रामनवमी के दिन मंदिर में पूजा-अर्चना करने पर भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा के द्वारा नेता प्रतिपक्ष जूली पर अमर्यादित व अपमानजनक टिप्पणी करने के विरोध में बुधवार को भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया और राज्यपाल के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में कानूनी कार्यवाही करने व भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने की मांग की गई व ज्ञानदेव आहूजा पर शीघ्र सख्त कानुनी कार्यवाही नहीं किए जाने पर चूरू में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी गई। विरोध प्रदर्शन करने वालों में चूरू जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष विद्याधर मेघवाल, मोहनलाल आर्य, सोहनलाल मेघवाल, राम प्रताप कांटीवाल, डॉ. प्यारेलाल मेघवाल, राजेंद्र घांघू, भूरामल भाटिया, कन्हैयालाल चंदेल, श्रवण बसेर, लक्ष्मणराम सातडा, एडवोकेट सद्दाम हुसैन, पालाराम मेघवाल, चंद्राराम श्यामपुरा, रामलाल, भादरराम मेघवाल, सुशील स्वामी, अल्ताफ रंगरेज, राजकुमार सहित बड़ी संख्या पदाधिकारी उपस्थित थे।

बीमा व जीपीएफ के खाते पूर्ण किये जाने के संबंध में निर्देश

सीकर (निसं)। संयुक्त निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग सरिता सैनी ने बताया कि समस्त राज्य कर्मचारी जिनकी सेवानिवृत्ति 31 मार्च 2027 तक होने को है, उनके बीमा एवं जीपीएफ खातों को अंतिम रूप से 28 अप्रेल 2025 तक पूर्ण करवाये जाने है। उन्होंने बताया कि ऐसे समस्त राज्य कर्मचारी अपना पदस्थापन विवरण के लिए परिशिष्ट क, बीमा रिकार्ड बुक व जीपीएफ पासबुक कर्मचारी अपनी स्वयं की एसएसओ आईडी के माध्यम से एसआईपीएफ पोर्टल पर 15 अप्रेल 2025 तक आवश्यक रूप से अपलोड किया जाना सुनिश्चित करें, ताकि राज्य बीमा एवं जीपीएफ के खाते पूर्ण किये जा सके। निर्धारित तिथि तक बीमा व जीपीएफ पासबुक अपलोड नहीं करने वाले कार्मिकों के खाते फ्रीज किये जायेंगे। जिनके खाते अपूर्ण रहेगें दस्तावेजों के अभाव में उसकी जिम्मेदारी आहरण वितरण अधिकारी एवं सम्बन्धित कार्मिक की भी होगी। समस्त आहरण वितरण अधिकारियों से यह अपेक्षित है कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को इस संबंध में निर्देशित,मार्गदर्शन कर शत-प्रतिशत उपरोक्तानुसार दस्तावेज अपलोड करवाया जाना सुनिश्चित करावे। इस संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी एवं पूछताछ राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

एनएसयूआई ने स्थापना दिवस मनाया

झुंझुनूं, (निसं)। बुधवार को छात्र संगठन एनएसयूआई के स्थापना दिवस पर जिला महासचिव सुशांक चौधरी एवं छात्र इकाई अध्यक्ष हेमलता के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं में क्लीन कैंपस ग्रीन कैंपस अभियान के तहत महाविद्यालय की सफाई की एवं पौधारोपण किया। कॉलेज कमेटी महासचिव साहिल चायल ने छात्र छात्रों को नशा छोडने की शपथ दिलाई। कॉलेज कमेटी उपाध्यक्ष अरमान खत्री के नेतृत्व में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए एवं महाविद्यालय में छात्र छात्रों के साथ प्रसाद वितरण किया। हेमलता ने बताया कि यह हम सबके लिए खुशी की बात है कि हम एक ऐसे छात्र संगठन के सदस्य है जो छात्रसंघ चुनाव हो या ना हो। लेकिन हर वक्त विद्यार्थी हितों के लिए लड़ाई लड़ते है। इस दौरान प्रदेश सचिव पंकज देग, रेनी शर्मा, काव्या, इमरान, झुंझुनूं जिला महासचिव साहिल सैय्यद, जिला सचिव सरफराज, जिला उपाध्यक्ष अक्षय जाट, जिला कोर्डिनेटर कपिल पूनियां, उदयपुरवाटी विधानसभा अध्यक्ष अंकित सनोदिया, लोकेश मीणा, सचिन सैनीपुरा, गणेश, महेश, आकाश, जिला कमेटी के पदाधिकारी एवं कॉलेज कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

एएसपी सिंह ने किया सेवानिवृत्त पुलिस कल्याण संस्थान का उद्घाटन

चूरू (निसं) 'सेवानिवृत्त पुलिस कल्याण संस्थान चूरू का उद्घाटन बुधवार को एसएसपी सतपाल सिंह ने फीता काटकर किया। ज्ञात रहे कि एसएसपी जय यादव ने पूर्व में एक संगठन को क्वार्टर ऑफिस अलॉटमेंट किया था, जिसकी संपूर्ण मेजर रिपेयरिंग करवाने के बाद बुधवार को इसका विधिवत् उद्घाटन किया गया। एएसपी सतपाल सिंह के मुख्य आतिथ्य में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता सीआई शिवचंद प्रसाद ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि संभाग संरक्षक से. एएसपी मोहम्मद अयूब व से. एएसपी अंतर सिंह थे। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने आगतुंक अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष गोवर्धन दास, जिला सचिव गनी मोहम्मद खान, रतनगढ़ तहसील अध्यक्ष उम्मेद सिंह, तहसील अध्यक्ष राजगढ़ मांगेराम, तहसील अध्यक्ष तारानगर सुरजाराम, चूरू तहसील अध्यक्ष राधेश्याम, सुजानगढ़ तहसील अध्यक्ष गोपाल राम, जिला उपाध्यक्ष किशोर सिंह व जिले के सभी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

अंतिम वर्ष की छात्राओं को विदाई दी

झुंझुनूं, (निसं)। सेठ नेतराम मघराज टीबड़ेवाला राजकीय महिला महाविद्यालय में स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा स्नातक अंतिम वर्ष की छात्राओं को विदाई दी गई। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों आयोजित की गई। बीए अंतिम वर्ष की राधिका मिस फेयरवेल तथा बीएससी अंतिम वर्ष की मोनिका मिस ब्यूटीफुल चुनी गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के भामाशाह सेठ विश्वनाथ टीबडेवाला ने शिरकत की तथा जरूरतमंद छात्राओं को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. रामकुमार सिंह सहित सभी संकाय सदस्यों ने शिरकत की।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चूरू

क्रमांक :-02-16 दिनांक :- 02-04-2025

ई-निविदा सूचना संख्याः 01 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील व जिला चूरु में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर.पी डब्लयूए 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एवं विभागीय वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in http://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB No. PWD2526A0020

S.No.	UBN NO.	S.No.	UBN NO.
1	PWD2526WSOB00046	2	PWD2526WSOB00047

DIPR/C/4752/2025

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड चूरू

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरसों की एमएसपी पर खरीद का शुभारंभ किया

अन्नदाता किसान का सम्मान और आर्थिक सुरक्षा हमारा ध्येय : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

श्रीगंगानगर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एमएसपी पर सरसों खरीद का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने शहीद नगर गुरूद्वारा साहिब में मत्था टेका।

श्रीगंगानगर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को श्रीगंगानगर स्थित नई धान मंडी में किसानों को विक्रय स्लिप प्रदान करते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरसों खरीद का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस अवसर पर किसानों एवं व्यापारियों से संवाद करते हुए कहा कि अन्नदाता किसान को पूरा सम्मान और सुरक्षा के साथ ही उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाना हमारा ध्येय है। हमारी सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद का किसानों के बैंक खातों में सीधा भुगतान समय पर सुनिश्चित कर रही है। इसी दिशा में किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने वर्ष 2025-26 में सरसों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 5950 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है तथा इस साल 13 लाख 22 हजार मीट्रिक टन सरसों की खरीद का लक्ष्य रखा है। इसी तरह सरकार 5650 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी के आधार पर 5 लाख 46 हजार मीट्रिक टन चना की खरीद करेगी।

- **सरसों की 5950 रुपये प्रति क्विंटल व चना की 5650 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी पर खरीद होगी**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2022-23 में सरसों का एमएसपी 5 हजार 50 रुपये था, जिसमें हमारी सरकार ने 900 रूपये तक की बढ़ोत्तरी की है। साथ ही एमएसपी पर खरीद के लिए प्रति किसान 25 क्विंटल की सीमा को बढ़ाकर 40 क्विंटल किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार ने सवा साल के समय में अब तक 4 लाख 85 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की है जबकि पिछली सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में केवल 5 लाख 53 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की थी। साथ ही हमारी सरकार ने मूंगफली के न्यूनतम समर्थन मूल्य को 5 हजार 850 रुपये से बढ़ाकर 6 हजार 783 रुपये प्रति क्विंटल किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की समस्याओं को दूर करते हुए उनकी समृद्धि के लिए कार्य कर रही है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य के बोनस को बढ़ाकर 150 रुपये एवं किसान सम्मान निधि को 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 9 हजार रुपये किया है। साथ ही, किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने से लेकर वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने श्री बिश्नोई मंदिर में दर्शन किए

श्रीगंगानगर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को अपने दो दिवसीय हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर दौरे के तहत श्रीगंगानगर के बुड्ढा जोहड़ में श्री बिश्नोई मंदिर (डाबला) में दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की। इस दौरान शर्मा ने मंदिर परिसर में मौजूद आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए मां अमृता देवी ने जो बलिदान दिया था उसे आज भी सभी पूर्ण श्रद्धा भाव से नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि बिश्नोई समाज सदैव पर्यावरण संरक्षण के लिए अग्रणी रहता है तथा पशु-पक्षियों के लिए उनका त्याग व प्रेम का भाव भी अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठा रही है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बुड्ढा जोहड़ के ही शहीद नगर गुरूद्वारा साहिब में मत्था टेका तथा वहां उपस्थित सेवादारों व जनसमूह से संवाद किया। इससे पहले मुख्यमंत्री का श्रीगंगानगर से बुड्ढा जोहड़ के रास्ते में आमजन व किसानों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गन्ने से गुड़ बनाने की प्रक्रिया को देखा। उन्होंने किसान के साथ चारपाई पर बैठकर छाछ पी और ताजा गुड़ खाया। इस अवसर पर श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टांक, विधायक गुरवीर सिंह बरार तथा बिश्नोई मंदिर समिति के अध्यक्ष अरविंद सियाग सहित मंदिर समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि एवं दर्शनार्थी उपस्थित रहे।

पांचवीं और आठवीं बोर्ड परीक्षा के लिए ग्रेड तय

- **पहली बार 40 परसेंट से कम मार्क्स आने पर स्कूल में फिर से देना होगा एग्जाम, स्कूल एग्जाम में भी इससे कम मार्क्स आए तो स्टूडेंट्स को स्पेशल क्लास में बैठना होगा**

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में पास होने के लिए 33 परसेंट मार्क्स चाहिए, लेकिन राजस्थान में पांचवीं और आठवीं बोर्ड परीक्षा में चालीस फीसदी से ज्यादा अंक आने पर ही अगली कक्षा में प्रमोट किया जाएगा। इससे कम मार्क्स आने पर स्टूडेंट्स को स्कूल में ही फिर से एग्जाम देना होगा। स्कूल एग्जाम में भी इससे कम मार्क्स आए तो स्टूडेंट्स को स्पेशल क्लास में बैठना होगा। जहां इनका शैक्षिक स्तर सुधारा जाएगा।

प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय की सहायक निदेशक चंद्र किरण पंवार की ओर से आदेश जारी किया गया है। शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय के सहायक निदेशक कुलदीप बुढ़ानिया ने बताया- स्टूडेंट्स के कम मार्क्स आने पर उनको विशेष क्लास में पढ़ाकर स्तर सुधारा जाएगा ताकि आगामी क्लासेज में उसे परेशानी न हो। इन दोनों एग्जाम में राजस्थान के करीब 25 लाख स्टूडेंट्स एग्जाम दे रहे हैं। अकेले पांचवीं बोर्ड में ही 13 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स परीक्षा दे रहे हैं। आमतौर पर अधिकांश स्टूडेंट्स डी ग्रेड से ऊपर मार्क्स लेते हैं लेकिन कुछ स्टूडेंट्स डी और ई ग्रेड में भी अटक जाते हैं। ये बच्चे पास तो हो जाते हैं लेकिन अगली क्लास में पढ़ नहीं पाते।

करंट से किसान व किशोरी की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के नाई थाना क्षेत्र में कृषि कार्य करते करंट लगने से झुलसने पर किसान की मौत हो गई। जमीन मालिक द्वारा मुआवजा देने पर परिजन शव ले गए।

जानकारी के अनुसार नाई थाना क्षेत्र कालारोही निवासी भूरीलाल पुत्र भेरा गमेती की कृषि कार्य करते करंट लगने से झुलसने पर मौत हो गई। भूरीलाल नाई निवासी फतहलाल कोठारी के खेत पर सीजारी के रूप में काम करता था एवं मंगलवार को खेत पर कृषि कार्य करते समय विद्युत तार छू जाने पर करंट लगने पर वह झुलस गया था। इसको देख परिजन उसे उपचार के लिए चिकित्सालय ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना मिलने पर परिजनों ने मुआवजे की मांग करते हुए शव लेने से इनकार कर दिया। जहां खेत मालिक द्वारा मुआवजा राशि देने की सहमति देने पर मामला शांत हुआ।

इसी तरह बसखेड़ा नीमच निवासी ममता (17) पुत्री गोपाल सुथार की खेत पर कृषि कार्य करते अचेत होने पर परिजन उसे उपचार के लिए चिकित्सालय लाए, जहां उसकी मौत हो गई। एएसआई चतरसिंह ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

नगर विकास न्यास, पाली
जिला कलेक्ट्रेट परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल - uitpali@gmail.com
क्रमांक :- न्या.पा./विज्ञापन/2025/राजकाज 14645327 दिनांक :- 07/04/2025
ई-निविदा सूचना संख्या - 03/2025-26
नगर विकास न्यास, पाली की और से न्यास/राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन-लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है। यूबीएन नम्बर :- ITP2526WSOB00003
राज.संवाद/सी/25/552 अधिशाषी अभियन्ता, नगर विकास न्यास, पाली

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED PROJ. DIVISION KARAULI
HQ TODABHIM (email :- eecsnpkaroli@gmail.com)
NOTICE INVITING BID
Bid for various work in Proj Division Karauli is invited from interested bidder up to 15.04.2025 other particular of the bid may be visited on the procurement portal sppp.raj.nic.in of the state.
NIB CODE:- PHE2526A0161

S.N	NIT No.	UBN No.	S.N	NIT No.	UBN No.
1	01/2025-26	PHE2526WSOB00432	2	02/2025-26	PHE2526WSOB00433
3	03/2025-26	PHE2526WSOB00434	4	04/2025-26	PHE2526WSOB00435
5	05/2025-26	PHE2526WSOB00436	6	06/2025-26	PHE2526WSOB00437
7	07/2025-26	PHE2526WSOB00438	8	08/2025-26	PHE2526WSOB00439
9	09/2025-26	PHE2526WSOB00441	10	10/2025-26	PHE2526WSOB00442
11	11/2025-26	PHE2526WSOB00444	12	12/2025-26	PHE2526WSOB00445

Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Proj. Division Karauli HQ Todabhim
DIPR/C/5000/2025

OFFICE OF SUPERINTENDENT, MAHARANA BHUPAL, GOVT. HOSPITAL, UDAIPUR.
BID NOTICE No 31 Date 1-4-2025 (E-Tender)
On line Bids are invited from Principal Manufacturer/Authorized Dealer/Distributors for the following items (Rate Contract). The Bid documents can be downloaded from web site http://eproc.rajasthan.gov.in Details of this Bid notification and pre-qualification criteria can also be seen in NIB exhibited on website WWW.dipronline.org as well as www.sppp.rajasthan.gov.in. Bids are to be submitted online in electronic format on website http://eproc.rajasthan.gov.in

Sr. No.	Item name	Estt. Total Cost (in Lakh.)	Submission end date	UBN No
1	Orthopedic Implants & Surgical Item.	250.00	23-4-25 at 5.00 PM	GHU2526 GLRC00001
2	CAMC & Repairing of A.C., Deep Freezer, Refrigerator	50.00	23-4-25 at 5.00 PM	GHU2526 WSRC00002
3	CAMC of D.G. Set	15.00	23-4-25 at 5.00 PM	GHU2526 WSRC00003

DIPR/C/4730/2025 SUPERINTENDENT

एयरपोर्ट पर निर्माणाधीन भवन की छत गिरी, तीन श्रमिक घायल

- **निर्माणाधीन बिल्डिंग की छत की शटरिंग गिरने से हुआ हादसा**
- **डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर हादसा हुआ**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हो गया। यहां मंगलवार देर रात निर्माणाधीन बिल्डिंग की छत की शटरिंग गिरने से 3 श्रमिक घायल हो गए।

घायलों को सरकारी एमबी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। घटना रात करीब 11.30 बजे की है। जब एयरपोर्ट पर निर्माणाधीन भवन की छत भराई से पहले लोहे के सरिए और पाइप लगाए गए थे। तभी अचानक लोहे के झूलते सरिए और पाइप नीचे खड़े मजदूरों पर गिर गए। इसमें तीन मजदूरों के हाथ और पैर पर गंभीर चोटें लगी। इससे मौके पर अफरा तफरी का माहौल हो गया। सूचना पर एयरपोर्ट प्रबंधन के कर्मचारी और डबोक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया। एयरपोर्ट पर इस तरह की लापरवाही सामने आने पर बड़े सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार इंटरनेशनल एयरपोर्ट के मापदंड पूरे करने के तहत यहां निर्माण जारी है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने न्याति इंजीनियरिंग कंपनी को ठेका दिया हुआ है।

डबोक थानाधिकारी हुकम सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट पर निर्माणाधीन भवन की छत भरने से पूर्व लोहे की शटरिंग की जा रही थी, जो अचानक झूल गई और उसमें से कुछ सरिए-पाइप वहां नीचे खड़े मजदूरों पर गिर गए। इससे अब्दुल्ला, कन्हैयालाल और रहीम तीन मजदूर घायल हो गए। इन तीनों को हॉस्पिटल भर्ती कराया गया है। तीनों घायलों की हालत खतरे से बाहर है।

फैक्टरी में भरे पानी में डूबने से दो मासूम भाइयों की मौत

अलवर, (निसं)। अलवर में पाउडर बनाने वाली फैक्टरी में छह फीट भरे पानी में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे की है।

एक बच्चे ने अलवर के हॉस्पिटल और दूसरे ने जयपुर में दम तोड़ दिया। एक की उम्र तीन साल और दूसरे की केवल डेढ़ साल थी। मामला उद्योग नगर थाने का है। हादसे में दिवांशु उर्फ विक्की (3) और अंकुश राज (डेढ साल) पुत्र दिलीप साहनी निवासी शेखपुरा बिहार की मौत हुई है।

बच्चों के चाचा श्रवण कुमार ने बताया कि पाउडर बनाने की फैक्टरी भारती मिनरल में काम कर रहे थे। वहीं परिसर में पानी का कुंडा बना हुआ था, जिसमें कई फीट पानी था। वहां खेलते हुए बालक दिवांशु उर्फ विक्की (3) और अंकुश राज (डेढ साल) पुत्र दिलीप साहनी निवासी शेखपुरा बिहार गिर गए, जिससे एक बालक ने कुछ घंटे बाद ही मेडिकल कॉलेज एमआईए अलवर में दम तोड़ दिया। दूसरे बालक को जयपुर रेफर किया गया था। जिसने रात करीब दो बजे दम तोड़ दिया। अब जिला अस्पताल जयपुर से दूसरे मृतक बालक के आने के बाद पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

चाचा ने बताया कि बच्चों के पिता दिलीप कुमार पाउडर बनाने वाली फैक्ट्री में करीब 10 दिन पहले से ही काम करने लगा है। वह फैक्टरी में परिवार के साथ रहता है। जबकि दिन में दिलीप काम में लगा था। उसके बालक विक्की और अंकुश राज फैक्टरी में खेल रहे थे। तभी फैक्टरी में करीब 6 फीट गहरे पानी के कुंडे में गिर गए। कुछ देर तक बालक मिले नहीं। इसके बाद पानी के कुंडे पर निगाह गई तब एक दिखा। फिर तत्काल फैक्टरी में कार्य करने वाले श्रमिकों ने बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। विक्की की ईएसआईसी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अंकुश राज को गंभीर हालत में जयपुर रेफर कर दिया, जहां रात को इलाज के दौरान दूसरे बालक ने भी दम तोड़ दिया।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभास्मि शशि सूर्ययोः
पंजीकृत कार्यालयः विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर-302005
Website- energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, E-mail: jaipurdiscom@jvvnl.org
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (पदार्थ प्रबन्ध-II) पुराना पावर हाउस परिसर, राम मन्दिर के पास, बनीपार्क, जयपुर-302006, फोन नं0-0141-2202607, e-mail id : semm2@jvvnl.org
ई-प्रोक्योरमेंट अल्पकालीन निविदा सूचना
110V-120 AH क्षमता के बैटरी सेट्स के लिए उपयोगी बैटरी चार्जर्स (निविदा संख्या-2920, यूबीएन-VVN2526GLOB00005) की खरीद हेतु 'ई-प्रोक्योरमेंट' प्रणाली के अन्तर्गत निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के बारे में अन्य विवरण वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते हैं। भविष्य में निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ाने की जानकारी केवल उक्त वेब साईट्स पर उपलब्ध कराई जाएगी।
राज.संवाद/सी/25/540 जेपीआर - 2985 (2025) अधीक्षण अभियन्ता (पदार्थ प्रबन्ध-II)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर
शिक्षण सहायक (Teaching Associate) Recruitment हेतु विज्ञापन
(कुलसचिव कार्यालय का आदेश संख्या प.(63)/राजुवास/रजि./स्था .- 1/2025/45 दिनांक 21.01.2025)
इस विश्वविद्यालय के अधीनस्थ विभिन्न पशुधन अनुसंधान केन्द्रों (Livestock Research Stations) एवं उन्नत अनुसंधान केन्द्रों (Advanced Research Centres) में रिक्त पदों पर संविदा शिक्षण सहायक (Teaching Associate) हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। पदों से संबंधित विस्तृत जानकारी, अर्हताएं, आवश्यक शर्तें एवं आवेदन का प्रारूप विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.rajuvas.org पर उपलब्ध है। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि: 24.04.2025 सांय 5:00 बजे तक।
राज.संवाद/सी/24/580 निदेशक अनुसंधान

पुस्तक का विमोचन 11 को

जयपुर। सरदार पटेल पुलिस वि.वि. जोधपुर द्वारा जवाहर कला केंद्र जयपुर की सहभागिता और थार सर्वोदय संस्थान के सहयोग से 11 अप्रैल को जवाहर कला केंद्र में पुस्तक "अर्थ विचार: संपृक्त भाषा: पश्चिमी राजस्थानी" का विमोचन किया जाएगा। इस पुस्तक को लेखन पश्चिमी राजस्थानी भाषा के गहन ज्ञाता नेमीचंद श्रीमाल ने किया है। पुलिस वि.वि जोधपुर के कुलपति डॉ. आलोक त्रिपाठी ने जानकारी दी।

रेलवे अस्पताल में मासूम को अवधिपार ग्लूकोज चढ़ाया

- **पीड़ित पिता ने मामले की शिकायत रेलवे अस्पताल प्रशासन से की**
- **यह फ्लूड अप्रैल 2023 में बना था और इसे मार्च 2025 तक उपयोग किया जा सकता था**

अजमेर, (कासं)। रेलवे अस्पताल के शिशु रोग विभाग में लापरवाही का मामला सामने आया है। अस्पताल में भर्ती मासूम बच्ची को नर्सिंग स्टाफ ने एक्सपायरी पैरासिटामोल इन्फ्यूजन ग्लूकोज चढ़ा दिया। पीड़ित पिता ने मामले की शिकायत रेलवे अस्पताल प्रशासन से की है।

रेलवे अस्पताल में इलाज कराने आए पीड़ित मासूम के पिता हरीश कुमार ने बताया कि उनकी बेटी को तेज बुखार होने पर उसे रेलवे अस्पताल में दिखाया था, जहां उसे भर्ती कर लिया गया। चिकित्सकों ने बच्ची को इंट्रावेनस पैरासिटामोल इन्फ्यूजन (ग्लूकोज) चढ़ाने के नर्सिंग स्टाफ को निर्देश दिए, लेकिन नर्सिंग स्टाफ ने लापरवाही बरतते हुए एक्सपायर्ड फ्लूड चढ़ा दिया। यह फ्लूड अप्रैल 2023 में बना था और इसे मार्च 2025 तक उपयोग किया जा सकता था, लेकिन लापरवाही के चलते अवधिपार ग्लूकोज को हटाया ही नहीं गया।

विशेषज्ञों चिकित्सकों के अनुसार एक्सपारी पैरासिटामोल इन्फ्यूजन (ग्लूकोज) चढ़ाने से गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं। दवा का असर खत्म हो सकता है, जिससे बुखार और दर्द बना रह सकता है। इसके अलावा, संक्रमण, एलर्जी, लिवर डैमेज, नसों में सूजन और शॉक जैसी घातक जटिलताएं भी हो सकती हैं।

पीड़ित पिता हरीश कुमार ने कहा कि उनकी बच्ची की जान जोखिम में डालने वाली इस लापरवाही की शिकायत रेलवे अस्पताल प्रबंधन से की गई, लेकिन दोषियों के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने मांग की है कि मामले में जांच कर दोषी स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही न हो।

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल-कोटा
email :nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142
क्रमांक :- ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/01-15 दिनांक :-04.04.2025
ई-निविदा सूचना संख्या :01/2025-26
नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नांकित कार्यो हेतु कुल राशि 68.90 लाख रूपये कीऑनलाईन निविदायें दिनांक 07.04.2025 से दिनांक 17.04.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड नं. 68 में नाली, क्रॉस, सड़क निर्माण/मरम्मत कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	49.00
2	नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र में स्थित कायन हाउस गौशाला में आर.सी.सी. बिल्डिंग एवं अन्य विकास कार्य।	19.90

NIB Code No.DLB2526A0175
UBN No.DLB2526WSOB00685
UBN No.DLB2526WSOB00686
राज.संवाद/सी/25/501 अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम कोटा दक्षिण

RAJASTHAN STATE HIGHWAYS AUTHORITY, JAIPUR
(Govt. of Rajasthan)
No. 1907 Date-02/04/2025
Short Term Notice Inviting Bid (01/2025-26)
Bids for collection of user fee on "Jodhpur-Marwar Junction-Jojawar (SH-61&61A) Length Km.119.095" are invited from interested bidders upto 11:00 AM on 15.04.2025. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, htpp://sppp.raj.nic.in) of the state. The estimated value of Annual Remittance is 3,86,12,464/-.
UBN: PWD2526SLOB00032
Email: ho.rsha@rajasthan.gov.in
Tel: +91-141-2223547
DIPR/C/4697/2025 Member (Technical), RSHA, Jaipur

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
पृथ्वीराज मार्ग अजमेर (राज.) फोन न. 0145-2429953,2433813
Email- ajmermc@gmail.com
क्रमांकF.10/50/M/LIGHT/AMC/2024-25/400 दिनांक : 04.04.2025
निविदा-सूचना
नगर निगम अजमेर द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार में उपयुक्त श्रेणी के निविदादाताओं से संबंधित निम्न निविदा आमंत्रित की जाती है कार्यों की अनुमानित लागत टेंडर भरे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख एव टेंडर शर्तें आदि संपूर्ण www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in वेबसाइट पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकते हैं
NIB CODE-ANN2526A0004
UBN :-ANN2526WSOB00004
राज.संवाद/सी/25/618 उपायुक्त, नगर निगम, अजमेर

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- राजकाज 14680292 दिनांक :- 08/04/2025
ई-बिड सूचना संख्या:- जोन उत्तर-एबी/01/25-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से सिविल कार्यो हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन लाईन बिड आमंत्रित की गई है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB CODE :- JOD2526A0004
Tender ID/UBN No. :- JOD2526SLOB00006 To 00010
राज.संवाद/सी/25/559 अधिशाषी अभियंता (उत्तर-एबी)

बीकानेर में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा

मौसम विभाग ने बीकानेर के साथ ही जोधपुर संभाग में भी तापमान में कमी नहीं आने की चेतावनी दी

- **आगामी 24 घंटे में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से बीकानेर, जयपुर, भरतपुर व जोधपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन, आंधी व कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना**

बीकानेर, (निसं)। यहां तेज गर्मी के साथ हीट वेव का दौर अगले चौबीस घंटे तक जारी रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा। मौसम विभाग ने बीकानेर के साथ ही जोधपुर संभाग में भी तापमान में कमी नहीं आने की चेतावनी दी है। बारिश की संभावना भी भी जताई थी, जो बुधवार शाम पांच बजे के बाद आंधी के साथ कुछ फुहारे पड़ी जिससे नागरिकों को आंशिक राहत मिली।

राजस्थान मौसम अपडेट में कहा गया है कि राज्य में चल रहे भीषण हीट वेव तथा गर्म रात का दौर आगामी 24 घंटे तक जारी रहने की प्रबल संभावना है। आगामी 24 घंटे में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से बीकानेर, जयपुर, भरतपुर व जोधपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन आंधी 40-50 गति से व कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। आंधी बारिश के असर से आगामी 24 घंटे के दौरान तापमान में 2 से 4 डिग्री गिरावट होने तथा भीषण हीट वेव से राहत मिलने की प्रबल संभावना है। 14-15 अप्रैल से पुनः तापमान में बढ़ोतरी होने तथा दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान में एक और नया हीट वेव का स्पेल शुरू होने की संभावना है। बीकानेर में तापमान लगातार बढ़ रहा है। पिछले चौबीस घंटे में अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस रहा है। न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

अप्रैल के शुरु में ही तपने लगी धरती, पारा 40 डिग्री पहुंचा

पावटा, (निसं)। अप्रैल के शुरुआत में ही धरती तपने लगी है। दोपहर में इतनी कड़ी धूप रह रही है कि लोगों का घर से निकलना भी दुश्वार हो रहा है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक मौसम में परिवर्तन के आसार थे, पर हवा का रूख बदल जाने के कारण इसकी दिशा बदल गयी है। फिलहाल यहां अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास रह रहा है।

दिन में कड़ी धूप व गर्म हवा की वजह से तपिश रही। लू जैसी स्थिति देखने को मिल रही है। दोपहर में बाजार में सन्नाटा पसरा रह रहा है। दिन ढलने के बाद बाजार में चहल-पहल दिखायी दी। कस्बा पावटा सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों तेज गर्मी के चलते लोगों का हाल बेहाल है। जहां पूर्व वर्षों में ऐसी गर्मी का असर प्रायः 10 मई के बाद देखने को मिलता था, वहीं इस बार अप्रैल माह में ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इसके चलते आमजन परेशान हो गया है। तेज गर्मी का आलम यह है कि दोपहर के समय बाजारों में सन्नाटा पसरा रहता है। नगर सहित पूरे क्षेत्र में गर्म हवाओं और लू के थपेड़ों से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

OFFICE OF THE SECRETARY, RAJASTHAN DENTAL CARE RELIEF SOCIETY RUHS COLLEGE OF DENTAL SCIENCES,
Near T B Hospital, Subhash Nagar, Jaipur - 302016
Ph. 0141-2280726, 2283737, E-mail : rdcrs.cds@gmail.com
No. RUHS CDS/RDCRS/2025-26/11 Date: 09-04-2025
Notice Inviting e-Bids
Single stage, two envelopes on line bids are invited for Annual Rate contract for supply of
Consumable Items UBN No.RDS2526GLOB00003
Bone Graft UBN No RDS2526GLOB00001
Bone Plate UBN No RDS2526GLOB00002
Membrane UBN No RDS2526GSOB00005
Implant UBN No RDS2526GLOB00004
X-Ray Items UBN No RDS2526GLOB00009
Oral pathology Items UBN No RDS2526GSOB00006
TMJ Arthroscope UBN No RDS2526GLOB00008
X-Ray Machine UBN No RDS2526GSOB00007
Ward Boy UBN No RDS2526SLOB00011
Computer Operator UBN No RDS2526SLOB00010
at office of the Member Secretary, Rajasthan Dental Care Relief Society, RUHS College of Dental Sciences, Jaipur, Rajasthan.
Bid Download Start Date/Time :- 12.04.2025 11.00AM
Pre-Bid Meeting Date/Time :- 21.04.2025 11.00 AM
Bid Submission Start Date/Time :- 28.04.2025 11.00 AM
Bid submission End Date/Time :- 09.05.2025 02.00 PM
Technical Bid Opening Date/Time :- 10.05.2025 11.00 AM
Pre-Bid Meeting for all above Items will be held on 21.04.2025 at 11:00 am at Conference Hall RUHS College of Dental Science, Shattri Nagar, Jaipur.
Details May be seen in the Bidding Document at the website http//eproc.rajasthan.gov.in or the website of state Public Procurement Portal sppp.raj.nic.in
Raj.Samwad/C/25/589 President, Rajasthan Dental Care Relief Society Ruhs College Of Dental Sciences, Jaipur

सरसों और चना की एम.एस.पी. पर खरीद प्रक्रिया शुरू : भजनलाल शर्मा

- श्रीगंगानगर में मिनी सचिवालय के लिए 40 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी
- 'कांग्रेस ने किया किसानों और युवाओं के साथ विश्वासघात'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारा संकल्प है कि अन्नदाता को उसकी उपज का उचित मूल्य मिले, जिससे उनके जीवन में समृद्धि आए। हमारा लक्ष्य है कि फसल की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद और उसका समय पर भुगतान हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के लिए सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाना प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है। हमारी सरकार किसानों की भलाई और खेती की मजबूती के लिए निरन्तर काम कर रही है। शर्मा अपनी हनुमानगढ़ एवं गंगानगर की दो दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन बुधवार को गंगानगर में बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न संवाद कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गंगानगर की भूमि किसानों की भूमि है। यहां के किन्नू का स्वाद पूरी दुनिया को भाता है। उन्होंने कहा कि नहर एवं सिंचाई प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने कल हरिके से लेकर लोहागढ़ एवं लखुवाली हेड तक निरीक्षण किया तथा आज वे शिवपुर हेड का निरीक्षण करेंगे।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में पिछली सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में केवल 5 लाख 53 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की। जबकि हमारी सरकार बनने के बाद 4 लाख 85 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की जा चुकी है। ऐसे ही, पिछली सरकार में मूंगफली का समर्थन मूल्य 5 हजार 850 रुपये था जिसे हमारी सरकार ने बढ़ाकर 6 हजार 783 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में वर्ष 2022-23 में सरसों का एममसपी 5 हजार 50 रुपये था, जिसे भी हमारी सरकार ने बढ़ाकर अब 5 हजार 950 रूपये प्रति क्विंटल कर दिया है। हमारी किसान हितैषी सरकार द्वारा चना भी 5 हजार 650 रूपये प्रति क्विंटल की एमएसपी पर खरीदा जाएगा। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही हमने प्रदेश में पानी की समस्या को हल करने के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। हमने पहले ही महीने में लंबे समय से अटकी ईआरसीपी को लेकर महत्वपूर्ण समझौता किया। इस परियोजना का काम अब धरातल पर तेजी से हो रहा है। इसी तरह हमने शेखावाटी को यमुना जल समझौते की सौगात दी है। माही बेसिन में जल प्रबंधन, देवास प्रोजेक्ट, नर्मदा का पानी के लाभ अन्य जिलों को मिलने, राजस्थान वाटर ग्रिड कॉर्पोरेशन स्थापना, आईजीएनपी प्रणाली का सुदृढ़ीकरण जैसे विभिन्न निर्णयों से राज्य में सिंचाई एवं पेयजल के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीगंगानगर और उससे जुड़े क्षेत्रों में जल संसाधनों को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की गई हैं। फिरोजपुर फीडर के अंतर्गत 200 करोड़ रुपये की लागत के कार्य, कंवरसेन लिफ्ट नहर क्षेत्र में क्षितग्रस्त खालों के जीर्णोद्धार का कार्य, भाखड़ा और गंगनहर परियोजना के अंतर्गत शेष रहे खालों का निर्माण, 200 करोड़ रुपये की लागत से रायसिंहनगर, अनूपगढ़, घड़साना, रावला और श्रीविजयनगर के 44 हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में पक्के खालों का पुनर्निर्माण जैसे कार्यों से स्थानीय किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने श्रीगंगानगर में मिनी सचिवालय की मांग को पूरा करते हुए 40 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी कर दी है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार समृद्ध एवं खुशहाल राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने के निरन्तर निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि गेहूं के एमएसपी में वृद्धि, किसान सम्मान निधि में बढ़ोत्तरी, 47 लाख किसानों को अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण का वितरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक के बीमा क्लेम वितरित जैसे निर्णयों से किसानो को राहत मिल रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने किसानों से झूठे वादे किए और युवाओं के साथ भी विश्वासघात किया। हमारी सरकार किसानों के लिए एमएसपी को बढ़ाने से लेकर पेपरलीक प्रकरणों में दोषियों को सजा दिलाने का कार्य करते हुए संकल्प पत्र के सभी वादों को पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार ने पिछले दो वर्षों में राजस्थान में विकास की नई ऊंचाइयां प्राप्त की हैं। हम युवाओं को 5 वर्ष में 4 लाख नौकरियां देंगे। महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में देय राशि में वृद्धि, 14 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी का प्रशिक्षण, मा वाउचर योजना, लाडो प्रोत्साहन जैसी योजनाएं शुरू की गई है।

इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, विधायक गुरवीर सिंह बराड़, पूर्व केंद्रीय मंत्री निहालचंद, जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह मान, श्री यादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद टाक सहित पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने श्रीगंगानगर में की जनसुनवाई

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन बुधवार को गंगानगर में जनसुनवाई की। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं को सुना तथा अधिकारियों को उनके उचित निस्तारण के लिए निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं को सुना तथा कई परिवेदनाओं का मौके पर ही निस्तारण किया। जनसुनवाई में आए किसानों ने राज्य सरकार द्वारा सिंचाई व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण संबंधी निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

बेटे ने गले में कैंची घोंपकर पिता को मौत के घाट उतारा

आरोपी प्रदीप प्रजापत

आरोपी के घर जांच करती एफ.एस.एल.टीम।

- भाई से पिता की हत्या की बात बोलकर फरार हुआ आरोपी

जयपुर। मुरलीपुरा इलाके में एक बेटे ने पिता के गले में कैंची घोंपकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पिता को लहूलुहान हालत में छोड़कर भाग गया। इस बीच उसने अपने भाई को फोन पर हत्या की जानकारी भी दी थी।

थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील ने बताया कि विजयबाड़ी के रहने वाले रमेश प्रजापत की हत्या हुई थी। हत्या के आरोप में उसके छोटे बेटे आशीष प्रजापत को 8 अप्रेल को गिरफ्तार किया है। इस मामले में प्रदीप प्रजापत (26) ने अपने भाई के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है कि 7 अप्रेल की रात करीब साढ़े 8 बजे उसके भाई आशीष को फोन आया था। उसने बताया कि मैंने पिता को मार दिया है। घर पहुंचा तो पिता लहूलुहान हालत में फर्श पर पड़े थे। दोस्त के साथ पिता को खेतान हॉस्पिटल लेकर गया। डॉक्टरों ने एसएमएस अस्पताल में रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मृतक रमेश प्रजापत टेलर थे और शराब पीने के आदि थे। वह अपने आरोपी बेटे आशीष और बेटी ज्योति के साथ रहते थे। आशीष हार्डवेयर की दुकान पर काम करता है और बहन पढ़ाई कर रही है। शराब को लेकर पिता और बेटे के बीच आए दिन विवाद होता था।

घटना वाले दिन भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। गुस्से में आशीष ने कैंची को पिता के गले में घुसा दिया। पिता के खून निकलने पर आशीष डर गया और घर से बाहर निकल कर अपने भाई प्रदीप को फोन कर जानकारी दी। इसके बाद भाग गया।

एस.ओ.जी.ने किया निलंबित सैकंड ग्रेड टीचर को गिरफ्तार

आरोपी उम्मेद सिंह

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने निलंबित सेकंड ग्रेड टीचर और दस हजार रुपये का इनामी उम्मेद सिंह को गिरफ्तार किया हैं। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2024 में पेपर लीक के सम्बन्ध में एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार हो गया था। जिस के बाद एसओजी की रिपोर्ट के बाद शिक्षा विभाग ने आरोपी को निलंबित कर दिया था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस और एसओजी वीके सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी कई पेपर लीक मामले में लिप्त रहा। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2024 में एफआईआर दर्ज हुई थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया था। जिस पर शिक्षा विभाग ने उसे निलंबित कर दिया था। इसके बाद एसओजी को जानकारी मिली की आरोपी टीचर उम्मेद सिंह हाजिरी करने के लिए डीईओ कार्यालय जा रहा है। जिस पर एसओजी की टीम ने उसे डिटेन किया और उसे लेकर जयपुर आ रही हैं। आरोपी उम्मेद सिंह निवासी राखणा तहसील रोहट ज़िला पाली के खिलाफ कई पेपर लीक में शामिल होने के आरोप हैं। आरोपी ने उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021, द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा , प्रथम श्रेणी हिंदी व्याख्याता परीक्षा ,शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा और रीट लेवल द्वितीय में पैसे लेकर दूसरे कैंडिडेट के स्थान पर डमी के रूप में बैठ कर परीक्षा दी।

युवकों को हनी ट्रैप में फंसाने वाली तीन महिलाएं गिरफ्तार

- गैंग में शामिल फर्जी महिला मीडियाकर्मी भी गिरफ्तार

जयपुर। प्रताप नगर पुलिस ने सोशल मीडिया पर दोस्ती गांठकर युवकों को लूटने वाली तीन शातिर महिलाओं को गिरफ्तार किया हैं। गिरफ्तार तीनों महिलाएं युवकों को दोस्ती के जाल में फंसा कर उनसे पैसा लूटा करती थी। गिरफ्तार महिलाओं के पास से फर्जी मीडिया के कार्ड भी पुलिस को मिले हैं, तीनों महिलाओं को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि प्रताप नगर थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर पैसे लूटने वाली गैंग का खुलासा किया हैं। इस गैंग की महिलाएं ऑनलाइन या ऐप के जरिये लोगों से दोस्ती करती फिर उन्हें मिलने के लिए अपने स्थान पर बुलाती जिस के बाद उन के साथ लूटपाट करती वह पुलिस पर जाने पर गलत धाराओं में एफआईआर दर्ज कराने की धमकी देती थी। गैंग के बारे में जानकारी मिलने पर एडिशनल डीसीपी ईस्ट आशाराम चौधरी के निर्देशन में टीम बनाई गई। जिस में प्रताप नगर सीआई मनोज कुमार बेरवाल ने कार्रवाई कर तीनों को गिरफ्तार किया।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 6 अप्रेल को उस के मोबाइल पर वॉट्सअप कॉल आई, जिसमें महिला ने मिलने के लिए कहा। जिस पर पीड़ित ने उसे घर की लोकेशन भेज दी। जिस के बाद महिला उसके घर पहुंची और उसके साथ बाते करने लगी, पीड़ित को महिला जबरन सम्बंध बनाने का दबाव बनाने लगी, पीड़ित ने जब इनकार किया तो महिला ने दबाव बनाते हुए कहा कि अगर सम्बंध नहीं बनाए तो वह पुलिस थाने चली जाएगी। पीड़ित घबरा गया तो आरोपी महिला ने उससे 5 लाख रुपए की डिमांड कर दी। जिसके डर से पीड़ित ने उसे 20 हजार रुपए दे दिए। इसके बाद से महिला उससे पैसा मांग रही हैं।

पीड़ित की शिकायत पर तत्काल पुलिस टीम गठित की गई, पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया, जिसमें एक महिला के पास मीडिया का पहचान पत्र भी मिला। तीनों महिलाओं को आज कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया गया। पुलिस इस मामले में निशा (22) पत्नि सुमित निवासी ग्राम बिसलपुर बरेली उत्तप्रदेश हाल निवासी उस्मानपुर दिल्ली, सुमन चौधरी (45) पत्नी विजेन्द्र सिंह निवासी भजनपुरा दिल्ली और सारिका (41) पत्नी विकाश कुमार निवासी चाकसू जयपुर हाल निवासी 83 कष्णा विहार कॉलोनी जगतपुरा को पकड़ा है।

पुलिसकर्मियों के बच्चों को मिलेगी कोचिंग फीस में छूट

जयपुर। पुलिस कर्मियों के बच्चों को नीट, जेईई एवं ओलंपियाड परीक्षाओं की कोचिंग में आकाश कोचिंग संस्थान फीस में 30 फीसदी की छूट देगा।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कर्मियों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन अवसर उपलब्ध करवाने में ये पहल काफी सहायक सिद्ध होगी। इससे न केवल पुलिस कर्मियों के बच्चों को नीट, जेईई, ओलंपियाड परीक्षाओं की तैयारी के लिए मदद मिलेगी बल्कि पुलिसकर्मी भी अपनी परिवारिक जिम्मेदारी अच्छे से वहन कर सकेंगे और इसका सकारात्मक प्रभाव पुलिस कर्मचारियों की कार्यक्षमता पर भी पड़ेगा।

अवैध घोषित 19 भवनों के मालिकों की व्यक्तिगत सुनवाई करें कमेटी : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने यूडीएच सचिव की अध्यक्षता में बनी कमेटी को कहा है कि वे परकोटे के आवासीय इलाके में अवैध घोषित 19 भवनों के मालिकों की व्यक्तिगत सुनवाई कर दो माह में रिपोर्ट पेश करें। अदालत ने कहा कि हर बिल्डिंग के प्रतिनिधि को सुनवाई के लिए बुलाया जाए और वह पूरी बिल्डिंग के स्वामियों की तरफ से कमेटी के समक्ष पक्ष रखे। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 20 मई को तय की है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश मामले में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान प्रभावितों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता माधव मित्र ने कहा कि प्रभावितों को व्यक्तिगत सुनवाई का मौका नहीं मिला है। वहीं राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता जीएस गिल ने कहा कि कमेटी प्रभावितों की व्यक्तिगत सुनवाई कर लेगी।

दिनभर की भारी गर्मी के बाद जयपुर में तेज आंधी आई। जनपथ विधानसभा पर छाया धूल का गुब्बार व तेज हवा के साथ लू चलीं।

भारतीय संस्कृति की प्रतीक अहिल्याबाई के कार्य और आदर्श आज भी स्मरणीय : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पुण्य श्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर के जन्म त्रशताब्दी समारोह के अवसर पर उनके जीवन पर आधारित नाट्यय मंचन पर कहा कि राष्ट्र समर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा का श्रेष्ठ मंच संयोजन किया है। उन्होंने अहिल्याबाई होल्कर को नमन किया और कहा अहिल्याबाई होल्कर उन महान महिला रत्नों में से एक है जिनका नाम भारत के घर-घर में जाना जाता है। वे सर्व कल्याणकारी भारतीय संस्कृति की साक्षात प्रतिमूर्ति रही। भारतीय नारी का ज्वलंत उदाहरण अहिल्या बाई जीवन में संघर्षों से अनेक बार जुझी लेकिन कभी हार नहीं मानी।

देवनानी ने कहा कि भारतीय इतिहास में अहिल्याबाई वीरता धीरता के साथ विनमता और शक्ति वैभव की पहचान है। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा दिया। उन्होंने महेश्वर को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र बनाया। महेश्वर में घाटों का निर्माण आज भी उनके शासन की समृद्धि और समझदारी को दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई का संघर्ष और सफलताओं से भरा जीवन लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। भारतीय संस्कृति की प्रतीक अहिल्याबाई के कार्य और आदर्श समाज के लिए स्मरणीय है। उनकी गौरवशाली गाथा हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। लोक माता के रूप में पहचानी जाने वाली अहिल्याबाई ने भारत की समूची मानवता के स्थाई हित को ध्यान में रखकर अनेक ऐतिहासिक और स्मरणीय कार्य किए।

महावीर जयन्ती पर शुभकामनाएं

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की जयंती (10 अप्रेल) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। शर्मा ने कहा कि भगवान महावीर ने हमें सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, दया और त्याग का पाठ पढ़ाया। भगवान महावीर का तपस्वी जीवन एवं उनकी शिक्षाएं हमें धर्म के मार्ग पर चलकर मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देती हैं।

जयपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (शिक्षक प्रकोष्ठ) ने शिक्षा क्षेत्र में गलत कार्य किए जाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री के नाम जयपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोहरलाल शर्मा और प्रदेश महामंत्री ओम प्रकाश चौहान के नेतृत्व में रामचंद्र बागोरिया, अशोक शर्मा उपाध्यक्ष, बहादुर सिंह फौजदार महामंत्री, प्रकाशचंद शर्मा सलाहकार, सत्यप्रकाश जैमन सचिव, सुभाष पाण्डेय संयुक्त सचिव व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

विभाग व राष्ट्र की सेवा में निरंतर सर्वोत्तम योगदान देते रहे : अग्रवाल

जयपुर। राज्य विशेष शाखा के पुलिसकर्मियों के लिए बुधवार को राजस्थान पुलिस अकादमी स्थित ऑडिटोरियम में पदक वितरण समारोह आयोजित किया गया था। जिसमें डीजी इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल द्वारा 391 पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को डीजीपी डिस्क, अति उत्कृष्टता व उत्कृष्टता पदक एवं सर्वोत्तम, अति उत्तम व उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

- राज्य विशेष शाखा के 391 पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को मिला डीजीपी डिस्क, पदक व सेवा चिन्ह

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डीजी अग्रवाल ने सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को उनकी सेवाओं और उपलब्धियों के लिए बधाई देकर कर्तव्यनिष्ठा, कानून और व्यवस्था बनाए रखने में योगदान एवं इनके द्वारा किए गए विशिष्ट सराहनीय कार्य, समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने आव्हान किया कि सभी पुलिसकर्मी विभाग व राष्ट्र की सेवा में निरंतर सर्वोत्तम योगदान देते रहे।

राज्य विशेष शाखा के पुलिसकर्मियों के लिए बुधवार को राजस्थान पुलिस अकादमी स्थित ऑडिटोरियम में पदक वितरण समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में सात अधिकारियों को डीजीपी डिस्क, 40 अधिकारियों को अति उत्कृष्टता व 60 को उत्कृष्टता पदक, 138 को सर्वोत्तम सेवा चिन्ह, 70 को अति उत्तम सेवा चिन्ह व 76 को उत्तम सेवा चिह्न प्रदान किए गए।

प्रारम्भ में मुख्य अतिथि अग्रवाल को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया व निदेशक इंटेलिजेंस ट्रेनिंग एकेडमी दीपक भार्गव ने उन्हें प्लांट भेंट कर ग्रीन वेलकम किया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जया सिंह ने किया।

अन्त में उपमहानिरीक्षक पुलिस इंटेलिजेंस राजीव पचार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में आईजी सुरक्षा विष्णुकान्त, डीआईजी अजय सिंह, विकास शर्मा एवं एसपी रतन सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

भरण पोषण के आदेश की प्रकृति को लेकर फैसला सुरक्षित

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 24 के तहत दिए जाने वाले भरण पोषण के आदेश की प्रकृति को लेकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सीजे एमएम श्रीवास्तव, जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस सुदेश बंसल की वृहद पीठ ने यह आदेश इस संबंध में उठाए गए विधिक बिंदु पर सुनवाई करते हुए दिए।

वृहद पीठ के समक्ष यह विधिक बिंदु रेफर किया गया था कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 24 के तहत दिए जाने वाले भरण पोषण के आदेश की प्रकृति अंतरिम आदेश की होती है या अंतिम आदेश की।

लंबित मुकदमों के अनुपात में जज कम, सुनवाई हो रही प्रभावित : सी.जे.

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव ने एक बार फिर हाईकोर्ट में लंबित मुकदमों की संख्या और न्यायाधीशों की कमी को लेकर चिंता प्रकट की है। सीजे श्रीवास्तव राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से नव नियुक्त न्यायाधीशों के लिए आयोजित सम्मान समारोह में उपस्थित वकीलों को संबोधित कर रहे थे।

सीजे ने कहा कि हाईकोर्ट में लंबित मुकदमों की संख्या किसी से छिपी नहीं है। जबकि इन लंबित मुकदमों के अनुपात में जजों की संख्या पर्याप्त नहीं है। इससे हर न्यायाधीश पर मुकदमों का भार है। जिसके चलते मुकदमों की सुनवाई भी प्रभावित हो रही है। वहीं जिन मामलों में जल्दी सुनवाई की जानी है, वह भी नहीं हो पा रही है। हालांकि हाल ही में जल्दी-जल्दी न्यायाधीशों की नियुक्ति हुई है। न्यायाधीशों की संख्या में हुई इस बढ़ोतरी से न केवल संस्था को लाभ मिलेगा, बल्कि पक्षकारों को भी राहत मिलेगी। आखिरकार हम सब सिस्टम का हिस्सा है, असली राहत को पक्षकार को ही मिलती है। कार्यक्रम में नव नियुक्त जज प्रमिल कुमार माथुर, जस्टिस मनीष शर्मा, जस्टिस आनंद शर्मा और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित को माला और साफा पहनाकर सम्मान किया गया।

गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 50 है। वर्तमान में 38 न्यायाधीश पदासीन है। हालांकि आज तक कभी भी स्वीकृत सभी पदों पर नियुक्तियां नहीं हुई हैं। वहीं यदि हाईकोर्ट में 6.74 लाख से अधिक मुकदमे लंबित चल रहे हैं। ऐसे में प्रति न्यायाधीश पर 17,755 मुकदमों का भार है।

एमपी-एमएलए से जुड़े आपराधिक केसों के लोक अभियोजकों को हिदायत

जयपुर। प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में सांसदों और विधायकों के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर राज्य सरकार की ओर से संबंधित लोक अभियोजकों को बेवजह तारीख नहीं लेने की हिदायत दी गई है। राज्य सरकार की ओर से राजस्थान हाईकोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस पर अदालत ने इस संबंध में जारी आदेश की कॉपी पेश करने के निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 12 मई तक टाल दी है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस इन्द्रजीत सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने अदालत को बताया कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए सभी लोक अभियोजकों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। लोक अभियोजकों को मामले में संबंधित अदालतों को पूर्ण सहयोग करने और बेवजह सुनवाई टालने का आग्रह नहीं करने की हिदायत दी गई है। दूसरी ओर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से लंबित मामलों की तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने की जानकारी दी गई, हालांकि रिपोर्ट राज्य सरकार को अभी तक उपलब्ध नहीं हुई। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई टालते हुए राज्य सरकार को संबंधित आदेश पेश करने को कहा है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2023 में एमपी-एमएलए से जुड़े आपराधिक केसों के मामले में दिशा-निर्देश जारी कर हाईकोर्ट को इन केसों की निगरानी के लिए कहा था।

आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाते पांच लोगों को गिरफ्तार किया

आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने एक लैपटॉप, छह मोबाइल, कार के साथ नकदी जब्त की

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की सदर थाना पुलिस ने एक फार्म हाउस में ऑनलाइन सट्टा खेलते पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक लैपटॉप, छह मोबाइल, दो कार के साथ 78500 रुपये की नकदी जब्त की है।

सदर थाना पुलिस ने बताया कि, जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के निर्देशन व एएसपी पारसमल जैन के सुपरविजन में अवैध कार्यों में संलिप्त अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत सदर थाने की एक टीम गठित की गई। इस टीम का नेतृत्व कर रहे थाना प्रभारी कैलाश चंद्र ने मुखबिर से मिली सूचना पर भदादा मोहल्ला, बड़े मंदिर के पास रहने वाले रिजुल राठी के दांथल सरहद स्थित लग्जरी फार्म हाउस पर दबिश दी, जहां पांच लोग सट्टा खेलते मिले। पूछताछ करने पर इन लोगों ने खुद को जूनावास निवासी राधेश्याम पुत्र देवीलाल चौधरी, रीजुल राठी पुत्र घीसू राठी भदादा मौहल्ला, भीमगंज, राधेश्याम पुत्र रामचंद्र बैरवा किशनगढ़ थाना कोटड़ी हाल पंचायत भवन के पास दांथल, राहुल पुत्र जगदीशचंद्र सुथार सांगानेरी गेट, तिलक नगर रोड तिलक नगर और जूनावास निवासी कैलाश पुत्र गिरधारी चौधरी बताया। ये लोग मुंबई इंडियन्स व आर.सी.बी के बीच खेले जा रहे आई.पी.एल मैच में ऑनलाइन सट्टाबाजी कर रहे थे। इनके कब्जे से एक लैपटॉप, छह मोबाइल, ताश के पत्ते एवं नगदी मिली, जिसे जब्त कर लिया। साथ ही फार्म हाउस में खड़ी फॉरच्यूनर व किया कार को जब्त कर इन पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

सदर थाना पुलिस ने एक फार्म हाउस में ऑनलाइन सट्टा खेलते पांच लोगों को गिरफ्तार किया।

- पकड़े गए आरोपी मुंबई इंडियन्स व आर.सी.बी के बीच खेले जा रहे आई.पी.एल मैच में ऑनलाइन सट्टाबाजी कर रहे थे

तनोट माता के दरबार में सनी देओल ने जाट मूवी के लिये मन्नत मांगी

तनोट माता मंदिर परिसर में अभिनेता सनी देओल ने जवानों के साथ ठुमके लगाए।

जैसलमेर, (निसं)। बॉलीवुड फिल्मों के मशहूर अभिनेता सनी देओल बुधवार को भारत-पाक बॉर्डर स्थित तनोट माता मंदिर पहुंचे। तनोट माता मंदिर के दर्शन कर उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म जाट की सफलता की कामना की। इस दौरान सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने डीआईजी योगेंद्रसिंह राठौर के नेतृत्व में उनका स्वागत किया।

- सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने डीआईजी के नेतृत्व में सनी देओल का स्वागत किया

तनोट माता मंदिर परिसर में आयोजित अभिनेता सनी देओल के सम्मान समारोह में जब जवानों ने ग़दर फिल्म का गाना ''मैं निकला गड्डी लेके..'' गाया तो अभिनेता सनी देओल अपने आपको रोक नहीं सके और जमकर ठुमके लगाए। गौरतलब है कि सनी देओल माता के दरबार में फिल्म की सफलता की कामना के लिए बुधवार सुबह आठ बजे दिल्ली से चार्टर प्लेन से गुपचुप जैसलमेर पहुंचे और दर्शन के बाद दोपहर करीब दो बजे चार्टर प्लेन से मुंबई के लिए लौट गए।

आमजन को पेयजल उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है : पीएचईडी मंत्री

जयपुर। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू जल मंत्री कन्हैयालाल ने बुधवार को नगर परिषद सभागार कुचामन में डीडवाना-कुचामन एवं नागौर जिले में पेयजल की वर्तमान स्थिति, गर्मियों में पेयजल की उपलब्धता एवं संभावित स्थिति एवं नहरबंदी के दौरान आपूर्ति की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के सम्बन्ध में दिशा निर्देश दिये।

उन्होंने गर्मियों के मौसम के मध्यनजर पेयजल प्रबंधन के लिए गंभीरता से कार्य करने तथा नियमित एवं सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

जलदाय मंत्री ने बैठक में जन प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत पेयजल सम्बन्धित समस्याओं के त्वरित एवं नियमानुसार निस्तारण करने तथा पेयजल प्रबंधन और वितरण तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने क्षेत्रवार पेयजल आपूर्ति एवं प्रबंधन तथा नहरबंदी के दौरान जलापूर्ति व्यवस्था की जानकारी ली तथा पेयजल स्त्रोतों व विकल्पों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से ट्यूबवेल, हैंडपंप, कुंओं एवं बावड़ी की मरम्मत व उनके रख रखाव के बारे में चर्चा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की नियमित मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि आमजन को पेयजल उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है और इस कार्य के लिए बजट की कोई कमी नहीं आयेगी। उन्होंने अधिकारियों को राज्य सरकार की मंशानुरूप कार्य करने तथा जल जीवन मिशन का कार्य समय पर पूर्ण करने, शेष रहे गांवों को जोड़ने व गुणवत्ताहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल से संबंधित अन्य विभिन्न विकास कार्यों और परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर व आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल मंत्री कन्हैयालाल ने कुचामन में विभागीय समीक्षा बैठक ली।

- गर्मी के मौसम के मध्यनजर डीडवाना-कुचामन व नागौर जिले में पेयजल आपूर्ति एवं प्रबंधन के लिए प्रभावी कदम उठायें : पीएचईडी मंत्री
- जलदाय मंत्री ने डीडवाना-कुचामन व नागौर जिले में पेयजल आपूर्ति, जल जीवन मिशन सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये

बैठक में जिला प्रमुख भागीरथ चौधरी, पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया, मकराना विधायक जाकिर हुसैन, डीडवाना विधायक युनुस खान, मकराना प्रधान सुनीता भींचर, जितेंद्र सिंह जोधा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी क्षेत्रवार पेयजल आपूर्ति की समस्या एवं प्रोजेक्ट्स संबंधित कार्यों के सफल क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं के बारे में अवगत कराया जिस पर पीएचईडी मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए तथा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग व पूर्ण कार्यों का संयुक्त भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने राज्य बजट घोषणाओं से संबंधित कार्यों की क्रियान्विति समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

इस दौरान बैठक में किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी, जिला कलेक्टर डीडवाना-कुचामन पुखराज सेन, जिला कलेक्टर नागौर अरुण कुमार पुरोहित, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता रामचंद्र राड सहित सभी संबंधित अधिकारी और अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बहन पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने पर भाई को समाज से निकाला

भीलवाड़ा, (निसं)। 21वीं सदी के इस दौर में भी आज खाप पंचायतों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। जब एक भाई ने अपनी बहन पर ससुराल पक्ष द्वारा किए जा रहे जुल्मों के खिलाफ आवाज उठाई तो उसका समाज में हुक्का-पानी बंद कर दिया गया। वहीं वह अपने किसी सगे-संबंधी के घर पर भी नहीं जा पा रहे हैं। यदि कोई समाजजन उसके घर आ भी जाता है तो उस पर भी समाज के ठेकदार लोग दंड लगा देते हैं। ऐसे में परिवार अलग-थलग रहकर जीवन-यापन करने का मजबूर हो रहा है।

- यदि कोई समाजजन भाई के घर आ भी जाता है, तो उस पर भी समाज के लोग दंड लगा देते हैं
- ऐसे में परिवार अलग-थलग रहकर जीवन-यापन करने का मजबूर हो रहा है, एसपी के पास पहुंचा पीड़ित

यह पूरा मामला भीलवाड़ा जिले के रायपुर थाना क्षेत्र के थला गांव में रहने वाले प्यारे लाल कुमावत का है, जिसने अपनी बहन सुखी कुमावत पर पति द्वारा किए जा रहे जुल्मों के खिलाफ आवाज उठाना भारी पड़ रहा है। समाज के पंच पटेलों ने उसको जातिगत बहिष्कृत कर दिया और उसके यहां आने-जाने वालों पर प्रतिबंध लगा दिया, जिसके कारण प्यारेलाल कुमावत ने कोर्ट द्वारा रायपुर थाने में पंचों के खिलाफ मामला भी दर्ज करवाया, लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं करने पर आज वह पुलिस अधीक्षक के समक्ष न्याय की गुहार लगाने पहुंचा।

पीड़ित प्यारे लाल कुमावत ने कहा कि मेरी बहन सुखी का विवाह कोशिथल निवासी शंकर लाल कुमावत के साथ 32 साल पहले हुआ था। इसके बाद 20 साल तक सब कुछ शांतिपूर्ण रहा, मगर पिछले 10 साल से शंकर लाल मेरी बहन सुखी के साथ रोजाना मारपीट करता था, जिसके कारण मेरी बहन मेरे घर आ गई और इसके बाद उसके ससुराल वालों ने पंच पंचायती करवाना शुरू कर दिया, जिसमें पंचों ने मेरी बात सुने बिना ही मुझे समाज से बाहर कर दिया। इसके बाद मैने कोर्ट के द्वारा थाने में मामला दर्ज करवाया लेकिन पंच-पटेल रसूखदार होने के कारण पुलिस उन पर कार्रवाई नहीं कर रही है। इसके कारण पीड़ित भाई ने जिला पुलिस अधीक्षक से मामले में कार्रवाई की गुहार लगाई है।

मृत अवस्था में पड़ा मिला अधेड़

मनोहरपुर, (निसं)। थाना इलाके के खोरा रोड पर मंगलवार को एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा मिला है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी और मौके पर बुलाया।

थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा ने बताया कि शिव कॉलोनी निवासी धोलूराम पुत्र कालूराम कुम्हार उम्र 45 वर्ष खोरा रोड पर स्थित एक टाइल के गोदाम के सामने स्थित पुरानी छतरी के पास मृत अवस्था में पड़ा मिला है। जिसकी सूचना मिलने पर एएसआई कश्मीर सिंह, हेड कांस्टेबल रमेश चंद्र मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। आसपास के मौजूद लोगों ने बताया कि व्यक्ति शराब का आदि था। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए शाहपुरा ले जाया गया।

जेईई मेन-2025 के अप्रैल-सेशन की परीक्षाएं संपन्न

कोटा, (निसं)। जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम मेन 2025 के अप्रैल सेशन की परीक्षाएं संपन्न हो गई हैं। अब जनवरी और अप्रैल दोनों सत्रों के स्कोर के आधार पर फाइनल रिजल्ट जारी किया जाएगा। इस रिजल्ट के आधार पर टॉप 2.5 लाख परीक्षार्थी जॉइंट एंट्रेंस एडवांस्ड के लिए क्वालीफाई घोषित किए जाएंगे। इसी को लेकर अब क्वालीफाइंग कटऑफ को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया है।

एजूकेशन एक्सपर्ट्स देव शर्मा का कहना है कि इस बार जेईई मेन परीक्षा के पेपर पैटर्न में किए गए बदलावों और कठिन प्रश्नों के कारण कटऑफ में गिरावट संभव है। देव शर्मा ने बताया कि कम कटऑफ के दो प्रमुख कारण सामने आ रहे हैं। पहला पेपर के सेक्शन-बी में विकल्पों को हटा दिया गया है जिससे स्टूडेंट्स को अधिक सटीकता से उत्तर देना पड़ा। दूसरा दोनों सत्रों के प्रश्नपत्रों का स्तर खासकर केमिस्ट्री में पहले से ज्यादा कठिन रहा जिसे अभ्यर्थियों ने भी चुनौतीपूर्ण माना है। देव शर्मा ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक कटऑफ वर्ष 2024 में रही थी। जब जनरल कैटेगरी के लिए क्वालीफाइंग कटऑफ 93.2362181 परसेंटाइल थी। हालांकि, उस वर्ष फिजिक्स और केमिस्ट्री में अधिकतर प्रश्न फॉर्मूला व फैक्ट आधारित थे जिससे छात्रों को अपेक्षाकृत आसानी हुई। वहीं इस बार केमिस्ट्री के पेपर का स्तर ऊंचा रहा, जिसका असर स्कोर पर पड़ सकता है। पिछले पांच वर्षों के कटऑफ ट्रेंड का विश्लेषण करने पर संभावना जताई जा रही है कि वर्ष 2025 के लिए जनरल कैटेगरी की कटऑफ लगभग 92 परसेंटाइल के आसपास रह सकती है।

- इस बार क्वालीफाइंग कटऑफ कम रहने की संभावना

नाबालिग का अपहरण करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

घटना में प्रयुक्त कार, बोलेरो पिकअप आदि जब्त

निवाई, (निसं)। निवाई थाना पुलिस ने नाबालिग का अपहरण करने वाले पांचों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि नाबालिग पीड़िता के पिता ने तीन अप्रैल को पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था कि दो अप्रैल की रात करीब आठ बजे उसकी नाबालिग पुत्री को आरोपी उठाकर ले गए थे और तीन घंटे बाद वापस छोड़ गए थे।

उन्होंने बताया कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के आदेशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्रसिंह भाटी के निर्देशन में डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया। टीम में कानि आशाराम, राजेश, मुकेश व विनोद को शामिल किया। टीम ने आरोपियों के संदिग्ध ठिकानों पर कई जगह दबिश दी, लेकिन आरोपी लगातार जगह बदल रहे थे। मंगलवार की रात मुखबिर ने सूचना दी कि आरोपी बिलाल कुरैशी, इरफान, मेराज व सराज उर्फ सिराज कुरैशी शिवाजी पार्क के समीप खड़े हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और मौके से घटना में प्रयुक्त वाहन वरना कार, बोलेरो पिकअप व शिवफ्ट डिजायर कार को जब्त कर लिया। थानाधिकारी बैरवा ने बताया कि इसी प्रकार एक अन्य मामले में एक नाबालिग से दुष्कर्म जैसा अपराध करने के मामले में आरोपी का सहयोग करने वाले आरोपी विकास पुत्र हनुमान मीणा को निवाई स्थित झिलाय पुलिया से डिटेन कर गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी लोकेश कुमार उर्फ आर्यन पुत्र जयसिंह मीणा को गिरफ्तार कर पॉक्सो कोर्ट में पेश किया जिसको जेल भेज दिया गया।

निवाई पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

हादसे में कॉलेज प्राचार्या की मौत

भीलवाड़ा। शहर के भीमगंज थाना इलाके में स्थित मंगल पांडे सर्किल पर एक तेज रफ्तार कर और ऑटो के बीच हुई टक्कर में पॉलिटेक्निक कॉलेज की प्राचार्य की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कॉलेज में शोक की लहर दौड़ पड़ी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी और साथी अध्यापक एमजी हॉस्पिटल मोर्चरी पहुंचे।

जानकारी के अनुसार मूलतया: अजमेर हाल तिलक नगर में रहने वाली शालू पुत्री आरजी गोयल रोजमर्रा की तरह कॉलेज ड्यूटी पर जाने के लिए घर से निकली। ऑटो में सवार होकर वह मंगल पांडे सर्किल की तरफ पहुंची ही थी कि इस दौरान एक तेज रफ्तार ईको कार ने उनके ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में शालू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य अध्यापिका और ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है। भीमगंज थाना अधिकारी गजेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों के सुपुर्द कर मामले की अग्रिम जांच शुरू की है।

शहीद मुकेश कुमार बुनकर के परिजनों का शौर्य दिवस पर सम्मान किया

शाहपुरा, (निसं)। क्षेत्र के ग्राम रामपुरा निवासी कोबरा बटालियन के राष्ट्रपति पुलिस वीरता पदक से सम्मानित शहीद मुकेश कुमार बुनकर के परिजनों का बुधवार को सम्मान किया गया।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, राजस्थान सेक्टर मुख्यालय, नायला में शौर्य दिवस पर कमांडेंट कुलदीप कुमार जैन, विकेश कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी उगमा राम, उप कमांडेंट प्रवीन कुमार आदि अधिकारियों द्वारा शहीद वीरांगना बीना देवी, पुत्री मोनिका, ममता, ऋषिका, संदीप वर्मा सहित परिजनों को प्रस्तुति पत्र, स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही अधिकारियों ने शहीद परिजनों से कुशलक्षेम पूछी, उनकी समस्याएं सुनी और हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. पूरणमल बुनकर ने बताया कि सीआरपीएफ के शौर्य दिवस के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कमांडेंट कुलदीप कुमार जैन ने कहा कि शहीद परिवार के साथ हम हमेशा साथ है और जल्द ही सभी समस्याओं का समाधान करेंगे। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. पूरणमल बुनकर ने बताया कि 9 अप्रैल 1965 के दिन कच्छ के रण गुजरात में स्थित सरदार पोस्ट पर सीआरपीएफ के कम संख्या में रहते हुए सीआरपीएफ की टुकड़ी ने पाकिस्तान की एक पूरी ब्रिगेड का मुकाबला साहस के साथ किया और पाकिस्तान की ब्रिगेड को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। हमले में 34 पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट उतारकर 4 को जिंदा गिरफ्तार किया गया था। इस संघर्ष में सीआरपीएफ के 6 बहादुर सैनिकों ने अपनी शहादत दी थी। यह दिन सेना युद्ध के इतिहास में एक अनूठा उदाहरण है। सीआरपीएफ के बहादुर जबानों की गाथा को श्रद्धांजलि के रूप में हर वर्ष 9 अप्रैल को शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है।

शहीद के परिजनों का अधिकारियों ने सम्मान किया।

- अधिकारियों ने शहीद परिजनों से कुशलक्षेम पूछी, समस्याएं सुनी और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया

बदमाशों ने महिला पर्स लूटा

जयपुर। शहर में बाइक्स गैंग ने आंतक मचा रखा है। शहर में अलग-अलग जगहों पर बाइक सवार बदमाशों ने एक युवती से पर्स तो वहीं दूसरी महिला के गले पर झपट्टा मार पर्स छीनकर ले गए।

आदर्श नगर थाने में एक युवती ने पर्स छीनने का मामला दर्ज करवाया। शिकायत में उसने बताया कि वह अपने घर जा रही थी उसी दौरान एक युवक स्कूटी से उस के पास आता और उस के कंधे पर लटका पर्स छीनकर ले गया। इस दौरान युवती का संतुलन बिगड़ा और युवती सड़क पर गिर गई। जिस से वह स्कूटी का नम्बर नहीं देख सकी।

पीड़िता देशना ने बताया कि रात वह अपने रूम पर जा रही थी उस दौरान वह राजापार्क मार्केट राजापार्क आदर्श नगर जयपुर से निकली तभी स्कूटी सवार एक युवक उसके पीछे से आया और उसका कंधे पर लटका बैग छीन लिया जिस से उसका संतुलन बिगड़ा और वह सड़क पर गिर गई। जिस के बाद पीड़ित ने काफी शोर किया तो लोग उसके पास आए लेकिन तब तक आरोपी स्नैचर बैग लेकर भाग चुका था। पर्स में एक आईफोन, डेबिट कार्ड, आईडी और 2 हजार रुपए नगद थे।

कुएं में डूबने से पशु चरवाहे की मौत

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र के धोली गांव के पास सार्वजनिक कुंए में दूसरे दिन पशु चरवाहे का शव तैरता मिला। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को निकाल पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा।

डिग्गी थाना एएसआई रमेश चन्द ने बताया कि बुधवार की सवेरे जरिये दूरभाष के सूचना मिली की धोली गांव के पास सार्वजनिक कुंए में एक युवक का शव तैर रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौजूद ग्रामीणों के सहयोग से शव को कुंए से बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान ग्रामीणों ने धोली निवासी विजय पुत्र मनीराम हरिजन के रूप में कर परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे मृतक के भाई दिनेश ने शव की पहचान अपने भाई विजय के रूप में करने पर शव को पुलिस सुरक्षा में लेकर डिग्गी सीएचसी मुर्दाघर में रखवाया गया। परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा गया। मृतक के भाई ने बताया कि विजय रोज की तरह मंगलवार को पशु लेकर जंगल में गया था। देर शाम तक घर नहीं लोटा। जगह-जगह तलाश की गई लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। बुधवार की सवेरे गांव के सार्वजनिक कुंए में विजय का शव तैरता मिला। मृतक के पिता की ओर से दी रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मृग में मामला दर्ज कर शव के पंचनामे की कार्यवाही की। वहीं कुंए में शव मिलने की सूचना आग की तरह फैलने से बड़ी संख्या में कुंए के आस-पास ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

- दूसरे दिन कुंए में तैरता मिला चरवाहे का शव

बेशक दर्शकों की संख्या अच्छी होनी चाहिए, हम आईपीएल से टकरा रहे हैं लेकिन हमारे पास पीएसएल आयोजित करने के लिए केवल यही समय था।

- हसन अली

पाक के तेज गेंदबाज, पीसीएल को लेर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

एमसी मैरीकॉम

भारतीय मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम की निजी जिंदगी इन दिनों सुर्खियों में है। वह और पति ओनलर के बीच 20 साल का रिश्ता खत्म होने की खबरें हैं। उनके बीच कुछ व्यक्तिगत और राजनीतिक तनाव चल रहे थे, जबकि इस बीच 42 वर्षीय बॉक्सर के अफेयर की खबरें भी जोरों पर हैं। दरअसल, ऐसा माना जा रहा है कि 2022 में ओनलर के मणिपुर विधानसभा चुनाव में हारने के बाद से उनके रिश्ते में दूरियां आनी शुरू हो गईं थीं। वित्तीय बोझ और मैरी कॉम की राजनीतिक गतिविधितियों में बढ़ती भागीदारी भी अलगाव के कारण बताए जा रहे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... अली डेई सबसे पहले 100 अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ी है।

राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेजर्स बेंगलुरू का 13 अप्रैल को सवाई मानसिंह स्टेडियम में मैच खेला जाना प्रस्तावित है। इसी की तैयारियों को लेकर स्टेडियम को गुलाबी रंगों से रंग दिया गया है। मैदान को पूरी तरह तैयार किया जा चुका है। दर्शकों क़े बैठने की तैयारियां अपनी चरम सीमा पर है। राजस्थान रॉयल्स की टीम आज दोपहर 2.30 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेगी।

विराट कोहली के फॉर्म में होने से आरसीबी मजबूत, डीसी की बढ़ी चिंता

बेंगलुरु, 9 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन में गुरुवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और शानदार फॉर्म में चल रही दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच मुकाबला होगा। कोहली का फॉर्म में होना डीसी के लिए चिंता का सबब बन सकता है। कल के मैच में इस सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे आरसीबी की धड़कन कहे जाने वाले विराट कोहली पर होंगी। पूर्व भारतीय कप्तान ने अभी तक इस सीजन के चार मैचों में 54.66 की शानदार औसत और 143.85 की स्ट्राइक रेट से 167 रन बनाए हैं। बकौल, चिन्नास्वामी में कोहली की महारत जगजाहिर है। कोहली ने आईपीएल में इस मैदान पर 3,000 से ज़्यादा रन बनाकर शीर्ष क्रम में हैं। इस सीजन में आरसीबी फिलहाल चार मैचों में तीन जीत के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान काबिज है।

राजस्थान रॉयल्स को गुजरात टाइटंस ने 58 रनों से हराया

अहमदाबाद, 9 अप्रैल। साई सुदर्शन (82), जॉस बटलर (36) और शाहरुख खान (36) की शानादर पारियों के बाद पी कृष्णा (तीन विकेट) राशिद खान और साई सुदर्शन (दो-दो विकेट) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत गुजराज टाइटंस ने बुधवार को इंडियंस प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 23वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 58 रनों से हराया। गुजरात टाइटंस की पांच मैचों में यह चौथी जीत है और तालिका में आठ अंक के साथ वह शीर्ष पर है।

218 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 12 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। यशस्वी जयसवाल (छह) और नीतिश राणा (एक) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रियान पराग ने पारी संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में कुलवंत खेजरोलिया ने पराग (26) को आउटकर राजस्थान रॉयल्स को बड़ा झटका दिया। ध्रुव जुरेल (पांच) और शिवम दुबे (एक) को राशिद खान ने आउट किया। कप्तान संजू सैमसन को पी कृष्णा ने आउट किया। सैमसन ने 28 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (41) रनों की पारी खेली।

16वें ओवर में पी कृष्णा ने शिमरॉन हेटमायर को आउट कर राजस्थान रॉयल्स के मैच जीतने की उम्मीद को ध्वस्त कर दिया। हेटमायर ने 32 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए (52) रनों की पारी खेली। इसके बाद साई किशोर ने तुषार देशपांडे (तीन) और उसके बाद महीश तीक्षणा (पांच) को आउट कर राजस्थान रॉयल्य की पारी का 19.2 ओवर में 159 के स्कोर पर अंत कर दिया। गुजराज टाइटंस की ओर से पी कृष्णा ने तीन, राशिद खान और साई किशोर ने दो-दो विकेट लिये। मोहम्द सिराज, अशरद खान और कुलवंत खेजरोलिया ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल को लेकर हो रही तैयारियों के बीच आंधी आने से वेस्ट के वीआईपी लॉज के एक कोने के रूफ टॉप उड़ गये।

स्कॉटलैंड की महिला टीम ने विंडीज को 11 रन से हराया

लाहौर, 9 अप्रैल। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज (चार विकेट/नाबाद 114) के हरफनमौला प्रदर्शन गया बेकार, स्कॉटलैंड ने बुधवार को आईसीसी महिला विश्वकप क्वालीफायर के दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 11 रनों से हराया। 245 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की

शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में कियाना जोसेफ (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी जैदा जेम्स ने हेली मैथ्यूज के साथ दूसरे विकेट लिये 113 रनों की साझेदारी की। 27वें ओवर में क्लो एबेल ने जैदा जेम्स (45) को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद स्कॉटलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज की कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सकी और तू चल मैं आया की तर्ज पर पवेलियन लौटती रही।

पाक महिला टीम ने आयरलैंड को 38 रनों से हराया

लाहौर, 9 अप्रैल। सिदरा अमीन (51) और आलिया रियाज (52) की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद डायना बेग (चार विकेट) और नशरा संधू (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान की महिला टीम ने बुधवार को आईसीसी महिला विश्वकप क्वालीफायर के पहले एकदिवसीय मुकाबले में आयरलैंड को 38 रनों से हरा दिया। 218 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपना पहला विकेट सारा फोर्ब्स (नौ) रन के रूप में गवां दिया। इसके बाद कप्तान गैबी लुईस और एमी हंटर ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी हुई। 24वें ओवर में संधू ने कप्तान गैबी लुईस (44) को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद उन्होंने 28वें ओवर में एमी हंडर (44) को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। ओर्ला प्रेंडरगैस्ट (37) रन बनाकर आउट हुई। बेग और संधू के गेंदबाजी आक्रमण के आगे आयरलैंड की बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके और पूरी टीम 44 ओवर में 179 के स्कोर पर सिमट गई।

एडवाइजरी : आईपीएल के टिकट अधिकृत वेबसाइट या अधिकृत केंद्रों से ही खरीदें : डीजी प्रियदर्शी

आईपीएल प्रशंसकों के साथ हो रहा है ऑनलाइन स्कैम

जयपुर, 9 अप्रैल। वर्तमान में जारी आईपीएल मैच के शुरू होते ही साइबर धोखाधड़ी के कई मामले सामने आ रहे हैं। साइबर अपराधी विभिन्न तरीकों से लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। राजस्थान पुलिस की साइबर शाखा द्वारा इस संबंध में एडवाइजरी जारी की गई है। मैच के टिकट अधिकृत वेबसाइट एवं अधिकृत केंद्रों से ही खरीद कर स्कैम से बचे। पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि वर्तमान में आईपीएल क्रिकेट मैच का 18वां संस्करण चालू है। साइबर अपराधी ऑनलाइन टिकटों की बिक्री एवं आईपीएल संबंधी जानकारी तथा मैच की लोकप्रियता का फायदा उठाकर विभिन्न स्कैम पेज की मदद से लोगों से ठगी कर रहे हैं।

ऐसी होती है ठगी

- फर्जी वेबसाइट और ऐप से ठग टिकट बुकिंग, फैंटेसी लीग या अन्य आकर्षक ऑफर का दावा कर व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी चुरा लेते हैं, साथी पैसे ऐंठ नकली टिकट थमा देते हैं
- सोशल मीडिया के जरिए फर्जी ऑफर देकर सस्ते टिकट या अन्य पुरस्कार जीतने का दावा किया जाता है।
- आईपीएल टिकट बुकिंग या अन्य जानकारी के लिये ऑनलाइन सर्च में मिले फर्जी हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने पर ठग पीड़ितों से उनकी यूपीआई या बैंक डिटेल्स मांग कर उनके खाते खाली कर देते हैं।
- इसके अलावा ईमेल और व्हाट्सएप पर नकली टिकट या आईपीएल से संबंधित फर्जी ऑफर भेज और मैच में सट्टा लगाने का लालच देकर ठगी की जाती है।

एडवाइजरी

- आईपीएल टिकट या किसी भी संबंधित गतिविधि के लिए हमेशा आधिकारिक वेबसाइटों और मान्यता प्राप्त प्लेटफॉर्म का ही उपयोग करें।
- किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और अविश्वसनीय स्त्रोत से प्राप्त डाउनलोड करें। ऑनलाइन टिकट के बारे में जानकारी लेते समय लुभावने ऑफर के झांसे में ना आये। अपनी व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी किसी को भी साझा न करें।
- डीजी प्रियदर्शी ने बताया कि फर्जी लिंक, वेबसाइट या स्कैम पेज की सूचना साइबर मिलने पर या ठगी का शिकार होने पर तुरन्त हेल्प लाईन नम्बर 1930, साइबर क्राईम रिपोर्टिंग पोर्टल एवं निकटतम पुलिस स्टेशन / साइबर पुलिस स्टेशन को देनी चाहिए।

मैक्सवेल पर लगा मैच फीस का 25% जुर्माना

चंडीगढ़, 9 अप्रैल। पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट अंक भी जोड़ गया है। मंगलवार की रात पंजाब और चेन्नई के बीच न्यू पीसीए स्टेडियम में खेले मैच में मैक्सवेल को आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया था। ग्लेन मैक्सवेल ने आईपीएल आचार संहिता अनुच्छेद 2.2 (मैच के दौरान गाली गलौच और तोड़फोड) लेवल 1 अपराध और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया हैं।

तुम्हारा आराध्य देव गिरगिट है... को लेकर नवजोद सिंह सिद्धू ने उड़ाया अंबाती रायूडू का मजाक

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। पांच बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल 2025 में सफर खत्म होने की कगार पर है। टीम को एक बार फिर हार झेलनी पड़ी है। पंजाब किंग्स ने उसे 18 रनों से हरा दिया। इस मैच में धोनी पांच नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे। यहां तक कि डेवोन कॉन्वे को रिटायर करके रविंद्र जडेजा को लाया गया। बावजूद सीएसके मैच हार गई। चेन्नई के हारने के बाद सोशल मीडिया पर सीएसके के पूर्व खिलाड़ी अंबाती रायुडू का खूब मजाक उड़ा।

नरोदडा निवासी भारतीय टीम के कोच ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में टीम को मिली स्वर्णिम सफलता

शूटिंग प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों ने रचा इतिहास व बनाया कीर्तिमान

लक्ष्मणगढ़, 9 अप्रैल। अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स फैडरेशन के तत्वावधान में अर्जेंटीना में आयोजित निशानेबाजी प्रतियोगिता मे भारतीय टीम के कोच मेडलिस्ट नरोदडा निवासी ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में भारतीय खिलाड़ियों ने इतिहास रचते हुए कीर्तिमान स्थापित किया है। यह जानकारी देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता रघुनंदन भूरिया ने बताया कि प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ी विजयवीर सिद्धू व सुरूचि सिंह ने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने बताया कि भारतीय कोच नरोदडा निवासी लक्ष्मनगढ गौरव ओमप्रकाश चौधरी ने दुरभाष पर बताया कि आईएसएसएफ विश्व कप में

पदक तालिका में भारत शीर्ष पर है। निशानेबाजी में विजयवीर सिद्धू ने अर्जेंटीना के ब्युनस आयर्स में चल रही आईएसएसएफ विश्व कप के पुरूष वर्ग की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय हैं जबकि महिलाओं की श्रेणी में सुरूचि सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने बताया कि दोहरे स्वर्ण पदकों से भारत चार स्वर्ण,एक रजत व एक कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि नरोदडा निवासी ओमप्रकाश चौधरी को हाल ही में भारत सरकार ने निशानेबाजी का कोच बनाया है।

डायमंड क्लब ने स्टार क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 9 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए पूल ए के मैच में डायमंड क्रिकेट क्लब ने स्टार क्रिकेट क्लब को 6 विकेट से हराया। जी आर ग्राउंड पर स्टार क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए विहान जैन के 62 रन, आर्यमन शर्मा के 38 रन, दर्श पारीक के 22 रन, आशीष चोपड़ा के 59

रन, से 50 ओवर में 9 विकेट पर 249 रन बनाए। डायमंड क्लब के लिए अयान खान ने 34 पर 3, संजय महावार ने 62 पर 2, रुद्र सोनी, मोहम्मद कैफ, कुमार वासु व आदित्य शर्मा ने एक विकेट लिया। जवाबी पारी में डायमंड क्लब ने दिलकुश महावर के 87 रन, मोहम्मद कैफ के 26 रन, कुमार वासु के नाबाद 81 रन व रुद्र सोनी के नाबाद 35 रनों से 40.2 ओवर में 4 विकेट पर 251 रन बनाकर मैच जीत लिया। स्टार क्रिकेट क्लब के लिए आरव कुमार ने 27 पर 3 व नतांश कारिया ने 66 पर 1 विकेट लिया।

कई मैच होने के बाद कौनसी टीम पहुंच सकेगी प्लेऑफ में

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के सीजन में अबतक 22 मुकाबले खेले जा चुके है। हर मैच के साथ प्लेऑफ में पहुंचने की जंग और अधिक रोमांचक हो रही है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स इस बार प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी संघर्ष करती दिख रही है। दोनों ही टीमों ने शुरुआती कुछ मुकाबले हार दिए हैं जिसके बाद प्लेऑफ में पहुंचना टीमों के लिए मुश्किल का सौदा हो गया है।इस बार आईपीएल पॉइंट्स टेबल में जो टीमें शीर्ष पर हैं उनमें से तीन टीमें ऐसी हैं जिनके पास आईपीएल ट्रॉफी नहीं है। इस बार पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर दिल्ली कैपिटल्स है, दूसरे पायदान पर गुजरात टाइटंस, तीसरे पायदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चौथे नंबर पर पंजाब किंग्स ने कब्जा जमाया हुआ है।

एमटी 400 वर्ल्ड टेनिस मास्टर टूर चैम्पियनशिप शुरू

जयपुर, 9 अप्रैल। जय क्ल्ब के टेनिस प्रागण में आज एम टी - 400 वर्ड टेनिस मास्टर्स टेनिस प्रतियोंगिता का प्रारम्भ हुआ । प्रतियोंगिता का आयोजन मोती संस के सोजन्य से ओ.एन. दीक्षित मेंमोरियल सोसायटी के तत्वाधान में जय कल्ब में आयोजित की जा रही है । प्रतियोंगिता में महिला वर्ग एवं पुरूष वर्ग के 30,35,40,45,50,55,60 ,65,70 एवं 75 वर्ष आयु वर्ग के मुकाबले खेले जायेगे व देश के विभिन्न प्रदेशो के लगभग 183 खिलाडी हिस्सा ले रहे है।

प्रतियोंगिता का उद्धाटन समारोह की मुख्य अतिथि रेनु अमिताभ, महा निदेषक आयकर अनवेषण राजस्थान व अन्य विशिष्ट अतिथि सुधान्शु शेखर झा, मुख्य आयकर आयुक्त, अवधेष कुमार प्रधान निदेशक आयकर अनवेषण राजस्थान व आयकर आयुक्त शेलेन्द्र शर्मा, मनोज महर, संजय धारीवाल एवं दिलिप शिवपुरी अध्यक्ष राजस्थान टेनिस संध, व विष्णु चरण मलिक व जय क्ल्ब की सम्पूण कार्यकरीणी के सदस्य उपस्थित थे। प्रतियोंगिता में राजस्थान के जगदीष तंवर, दिलिप शिवपुरी, लक्ष्मी कान्त

तंवर, गुरू दर्षन सिह रमाना, रियाज अहमद, सुधान्शु शेखर झा, दिपक बागौरा, राजेन्द्र सिह सिसोदिया, दिनेश बडगुजर एवं विष्णु चरण मलिक अपना भाग्य आजमाएगे।

आज खेले गए मुकाबलो के प्रथम दौर के परिणाम निम्न प्रकार से है -40 वर्ष आयु वर्ग- में आज गौतम गाडगिल ने अष्वनी कुमार को 6-1, 6-1 से,रमजान ष्षैख ने दिपक कुमार शुक्ला को 6-1, 6-1, से रजत गुप्ता ने संदीप वी को 6-0, 6-0 से, अनिल अग्रवाल ने सुरेष कटारिया को 6-3, 6-3 से, मधुसूदन ने केसरी नन्दन शर्मा को 6-0, 6-1 से हराया।

45 वर्ष आयु वर्ग - अरूण कटारियो ने अमित एकनाथ अहिर को 6-2,6-2 से, तरूण घुमरी ने कोषिक गागुली को 7-6, 7-5 से, सुनिल गौस्वामी ने दिनेष बडगुजर को 6-1,6-1 से हराया ।

50 वर्ष आयु वर्ग - वेणुगोपाल ने आनन्द जीत लाल को 6-3,6-3 से, आषिष मालपानी ने सुरेष नागर को 6-4,3-6,10-7 से हराया ।

जैक ड्रेपर मोंटे कार्लो के तीसरे दौर में

पेरिस, 9 अप्रैल। ब्रिटेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने सीजन के अपने पहले क्ले कोर्ट मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए मोंटे कार्लो मास्टर्स के तीसरे दौर में जगह बना ली हैं। ड्रेपर ने एक घंटा एक मिनट तक चले मुकाबले में अमेरिका के मार्कोस गिरोन को 6-1, 6-1 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। ड्रेपर ने मैच के दौरान पांच ऐस और 21 विनर लगाये। पहले दौर में बाई पाने वाले 23 वर्षीय ड्रेपर का अगले दौर में स्पेन के एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना और अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

प्रियांश आर्य को तराशने में गौतम गंभीर का हाथ

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। आईपीएल के हर सीजन में भारत को कई नगीने मिलते हैं जो अपने प्रदर्शन से सबको अचंभित करते हैं। आईपीएल के 18वें सीजन में पंजाब किंग्स के लिए खेल रहे युवा क्रिकेटर प्रियांश आर्य भी इन दिनों अपने प्रदर्शन को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वह तूफानी सेंचुरी जड़कर छा गए हैं। प्रियांश आर्य ने मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 42 गेंदों में 103 रन बनाए। उन्होंने 7 चौके और 9 सिक्स भी लगाए। प्रियांश ने महज 39 गेंदों में सेंचुरी पूरी कर ली थी, जो रिकॉर्ड है।

डीएसजे इलेवन ने राजवीर सिंह के शतक से बढ़त बनाई

जयपुर, 9 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी में आज खेले गए मैचों में के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में डी एस जे टीम ने कल के स्कोर 14 रन से आगे खेलते हुए मनन सिंह शेखावत के 84 रन, मानेंद्र सिंह के 70 रन, राजवीर सिंह के 114 रन, तोषित भाटिया के 50 रन, कुणाल गौतम के नाबाद 18 रन व हिमांशु राणा के नाबाद 21 रनों से दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 95 ओवर में 6 विकेट पर 377 रन बनाए। एम जे जे इलेवन के लिया रोहन सिंह ने 57 पर 3, आयुष गुर्जर ने 115 पर 2 व प्रखर शर्मा ने 76 पर एक विकेट लिया।

दूसरे मैच में जयपुरिया ग्राउंड पर

आर एच सी एल एस एस टीम ने कल के स्कोर 7 विकेट पर 132 रन रन से आगे खेलते हुए प्रशांत यादव के 70 रन व हिमान्य भारद्वाज के 29 रन से 46.3 ओवर में 170 रन बनाकर आउट हो गई। एस के आई टी इलेवन को पहली पारी में 65 रनों की बढ़त प्राप्त हुई। एस के आई टी इलेवन के लिए निखिल कोहली ने 27 पर 4, अनुज मीणा ने 39 पर 2, सौरभ यादव ने 52 पर 2 व मोहम्मद कैफ व सार्थक सैनी ने एक - एक विकेट लिया।

दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक एस के आई टी इलेवन ने अविनाश शर्मा के 45 रन, वरदान शर्मा के 22 रन, सिद्धांत जायसवाल के 34 रन, केशव डीडवानिया के 79 रन, मनीष गोस्वामी के 68 रनों से 69.1 ओवर में 9 विकेट पर 279 रन बना लिए थे। आर एच सी एल एस एस के लिए गोविंद चोपड़ा ने 49 पर 3, मिहित अग्रवाल ने 86 पर 3, आयुष आमेरिया, रोहन राजभर व हिमान्य भारद्वाज ने एक विकेट लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन श्रीगंगानगर जिले में गंगनहर परियोजना के अर्न्तगत शिवपुर हैड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम भी पूछी।

'अंतिम छोर तक भरपूर नहरी पानी पहुँचाने के लिए राज्य सरकार कर रही कार्य'

आईजीएनपी, भाखड़ा नहर और गंगनहर प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिए दोनों बजट में महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसानों की लम्बे समय से चली आ रही माँग को पूरा करने के लिये गंगनहर प्रणाली की क्षतिग्रस्त लाइनिंग की मरम्मत, सी.पी. लाइनिंग, फीडर पुर्ननिर्माण व ऑटोमेशन के लिये 1195 करोड़ रूपये के कार्य कराये जायेंगे।**

जयपुर/श्रीगंगानगर, 9 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हनुमानगढ- श्रीगंगानगर के अपने दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन बुधवार को श्रीगंगानगर जिले में गंगनहर परियोजना के अर्न्तगत शिवपुर हैड का निरीक्षण किया।

निरीक्षण करने के बाद, मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है, ताकि अंतिम छोर पर स्थित खेतों तक भी पर्याप्त नहरी पानी पहुंचा कर किसानों को लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में नहरी जल पर निर्भरता को देखते हुए राज्य सरकार ने आईजीएनपी, भाखड़ा नहर और गंगनहर प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिए गत दोनों बजट में कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसानों की लम्बे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए गंगनहर प्रणाली में क्षतिग्रस्त लाइनिंग की मरम्मत, सीसी लाइनिंग, फीडर पुनर्निर्माण, ऑटोमेशन आदि के 1195 करोड़ रुपए के कार्य करवाएं जाएंगे, जिससे सीपेज लॉस में कमी आएगी और किसानों को उनके हक का पूरा पानी मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए गंग कैनाल ऐप और गंगनहर रेग्युलेशन पोर्टल का निर्माण भी किया गया है, जिससे नहर खुलने और बंद होने की जानकारी उनके मोबाइल पर उपलब्ध हो सकेगी।

शर्मा ने कहा कि इंदिरा गांधी नहर परियोजना के द्वितीय चरण की नहरों के जीर्णोद्धार, आधुनिकीकरण, पक्के खालों के निर्माण, बैलेन्सिंग रिजर्वायर आदि कार्यों के लिए इस वर्ष के बजट में 1108 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि सिद्धमुख सिंचाई परियोजना के अंतर्गत, नोहर व भादरा तहसीलों में नहरों के जीर्णोद्धार के 128 करोड़ रुपए के कार्य शुरू करवाए जा चुके हैं और 45 करोड़ रुपए के कार्य शीघ्र प्रारम्भ करवाए जाएंगे।

शर्मा शिवपुर हैड स्थित महाराजा गंगासिंह जी की प्रतिमा पर गए तथा संग्रहालय का अवलोकन किया। शर्मा ने गंगनहर तथा शिवपुर हैड के निर्माण में महाराजा गंगासिंह जी के ऐतिहासिक योगदान को नमन किया। इसके बाद, शर्मा ने शिवपुर हैड के नजदीक आयोजित प्रदर्शनी में बागवानी पद्धति, कृषि यंत्र सहित विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन किया।

कैशलैस इलाज योजना में देरी, सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, 09 अप्रैल। मोटर दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस चिकित्सा उपचार में देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को फटकार लगाई। साथ ही अदालत ने सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव को वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया। मामले में सुनावई के दौरान जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने इस बातपर आपत्ति जताई कि 8 जनवरी के आदेश के बावजूद केन्द्र सरकार ने इसका अनुपालन नहीं किया।

कोर्ट ने आगे कहा कि 8 जनवरी को दिए गए आदेश के बावजूद केन्द्र ने योजना को लागू नहीं किया, जो कि एक गंभीर

- **सुप्रीम कोर्ट ने देरी के लिए केन्द्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है।**

उल्लंघन है। सुनवाई के दौरान जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने इस पर आपत्ति जताई। साथ ही कहा कि यह न केवल अदालत के आदेश का उल्लंघन है, बल्कि एक लाभकारी कानून को लागू करने में भी देरी हो रही है। अदालत ने केन्द्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी से कहा कि यह उनका खुद का कानून है और यदि योजना लागू नहीं की जाती तो लोग अपनी जान गंवा सकते हैं। कोर्ट ने सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव को 28 अप्रैल को स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाया।

अमेरिका ने 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत भेजा

तहव्वुर राणा को भारत ला रहा विमान देर रात तक भारत पहुंचेगा

- **भारत से एक विशेष टीम तहव्वुर को लेने अमेरिका गई है।**
- **राणा के भारत आगमन के सम्बंध में बुधवार को गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ अहम मीटिंग की।**
- **राणा का विमान कहां लैंड करेगा, उसे कहां रखा जाएगा इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है**

नयी दिल्ली, 09 अप्रैल। मुंबई में 26/11 के आतंकवादी हमले के मुख्य साजिशकर्ता पाकिस्तानी तुहव्वुर राणा को न्यायिक प्रक्रिया के तहत कार्यवाही के लिए अमेरिका से प्रत्यर्पित कर बुधवार को भारत के लिए रवाना किया गया। उसे लाने के लिए भारत से एक विशेष टीम गई है।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार राणा को एक विशेष विमान से भारत के लिए रवाना कर दिया गया है। राणा को लेकर आ रहे विमान के भारतीय समयानुसार आज देर रात यहां पहुंचने की संभावना है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उसका विमान भारत में कहां उतारा जाएगा और राणा को किस स्थान पर रखा जाएगा। वह शुरू में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की हिरासत में रहेगा, जो कानूनी औपचारिकताएं पूरी करेगा।

तहव्वुर राणा के भारत आने से पहले हलचल तेज हो गई है। बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ एक अहम बैठक की। यह बैठक तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद की रणनीति पर चर्चा के लिए की गई।

इससे पहले अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राणा की उस याचिका को खारिज कर दिया था जिसमें उसने खुद को भारतीय अधिकारियों को सौंपे जाने का विरोध किया था। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स की अदालत ने इस याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद उसे भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने का रास्ता साफ हो गया था।

राणा ने प्रत्यर्पण की कार्रवाई के विरुद्ध 13 फरवरी को दायर याचिका में कहा था कि उसके खिलाफ अमेरिका में सभी अपीलों पर अदालती कार्यवाही पूरी होने तक उसे भारत को न सौंपा जाए। उसने तर्क दिया कि उसे भारत को प्रत्यर्पित किया जाना अमेरिकी कानून और संयुक्त राष्ट्र की यातना विरोधी संधि का उल्लंघन है। राणा का कहना था कि उसे भारत में यातनाएं दी जा सकती है।

अमेरिकी शीर्ष अदालत द्वारा सोमवार को भारत को उसके प्रत्यर्पण के खिलाफ उसकी याचिका को खारिज कर दिये जाने के बाद उसे भारत भेजे जाने की प्रक्रिया शुरू हो गयी थी। प्रत्यर्पण प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत से एक मल्टी-एजेंसी टीम अमेरिका गई थी और उसने अमेरिकी अधिकारियों के साथ सभी कागजी कार्रवाई और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने में मदद की।

रिपोर्टों के अनुसार, 64 वर्षीय पाकिस्तानी-कनाडाई नागरिक राणा, पाकिस्तान स्थित इस्लामी आतंकवादी समूह, लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। राणा लॉस एंजिल्स में अमेरिकी मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में 14 साल तक कैद रहा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार 2023 में भारत को उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी, लेकिन उसने शीर्ष अदालत में बार-बार प्रत्यर्पण रोकने के लिए याचिकाएं दायर कीं थीं, पर उसे सफलता नहीं मिली। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने वाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में राणा के भारत में प्रत्यर्पण की घोषणा की थी।

राणा ने आतंकवादी हमले से पहले मुंबई में आतंकी हमलों के स्थानों को चिह्नित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से रेकी और जासूसी की थी, उसने जिहादी साथी दाऊद गिलानी उर्फ डेविड कोलमैन हेडली को पाकिस्तानी-अमेरिकी पासपोर्ट का उपयोग करके भारत की यात्रा करने में भी मदद की थी।

'अब दांव पर वाणिज्य और व्यापार नहीं, वरन् ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यदि बीजिंग पीछे नहीं हटता तो अतिरिक्त 50 प्रतिशत टैरिफ बुधवार तक लागू किया जाएगा। "जैसे को तैसा" की इस प्रक्रिया की शुरुआत पिछले सप्ताह ट्रंप द्वारा चीन पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने से हुई, जिसका चीन ने तुरंत वैसा ही जवाब दिया था। अमेरिकी टैरिफ चीनी सामानों पर औसतन 76 प्रतिशत के करीब पहुंचने वाला है, व्यापार परिदृश्य अब आर्थिक तर्क के बजाय राजनीतिक इच्छा के द्वारा तय किया जा रहा है।

बाजारों ने पहले ही घबराहट भरी प्रतिक्रिया दी है।

हाँगकाँग का हैंगसेंग इंडेक्स सोमवार को सभी को चौंकाते हुए 13.2 प्रतिशत तक गिर गया जो एशियाई वित्तीय संकट के बाद से एक ही दिन की सबसे बड़ी गिरावट थी, हालांकि मंगलवार को कुछ हद तक सुधार हुआ।

फिर भी कुछ अर्थशास्त्री पूछ रहे हैं: यह स्थिति कब तक रहेगी,

इकोनॉमिस्ट इंटैलिजेंस के वरिष्ठ अर्थशास्त्री शू तियानचेन ने कहा, "चीन पहले से ही 60 प्रतिशत से अधिक के टैरिफ दर का सामना कर रहा है- अगर यह 50 या 500 प्रतिशत तक बढ़ जाए तो भी कोई फर्क नहीं पड़ता", इसके बजाय, शु ने चेतावनी दी, चीन भी इसी तरह से प्रतिशोध ले सकता है।

दांव अब सिर्फ व्यापार के बारे में नहीं रह गए हैं। बल्कि गर्व, ताकत और विश्व में अपनी स्थिति दर्शाने का जरिया बन गए हैं।

भारत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसके अन्तर्गत बाँग्लादेश ने भारत के सिलीगुड़ी कॉरिडोर के नजदीक एक एयरबेस को नया रुप देने के लिये चीनी सहायता माँगी है। लालमोनिर्हट - स्थित यह एयरबेस, जो चिकन नैक के नाम मशहूर सँकरी सिलीगुड़ी पट्टी के नजदीक है, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लिये एक संकटपूर्ण द्वार (क्रिटिकल गेटवे) है। रिपोर्ट बता रही हैं कि बाँग्लादेश इस क्षेत्र में चीन के साथ सामरिक सहयोग की संभावनाएं खँगाल रहा है।

निर्यात सुविधा निरस्त करने के भारत के निर्णय का असर भूटान तथा नेपाल पर भी पड़ सकता है। ये देश लैन्डलॉक्ड (जमीन से घिरे हुये) हैं तथा व्यापारिक पहुँच के लिये पूरी तरह भारत के जमीनी रास्तों पर निर्भर हैं। भारत सरकार का यह निर्णय "जनरल एग्रीमेन्ट ऑन टैरिफ एंड ट्रेड (जीएटीटी) के अनुच्छेद 5 के परस्पर प्रयोजनों (क्रॉस परपज) से जुड़ा प्रतीत होता है।

लेकिन ये नियम व्यापक रुप से लागू होते हैं तथा ये अप्रतिबद्ध एवं अबाधित (ऐब्सॉल्यूट) नहीं हैं। एक अधिकारी ने बताया कि "कुछ विशेष मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा सरोकारों का हवाला दिया जा सकता है।" अधिकारी ने आगे कहा: "भारत के लिये यह जरुरी है कि वह अपनी दलीलें विशेषरुप से भूटान और नेपाल समझा दे।

कांग्रेस अधिवेशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि करीब-करीब यही कहानी शेष भारत की भी है। जहाँ मोदी ने जातिगत जनगणना के लिये सहमत होने से इनकार कर दिया है, वहीं राहुल गांधी का कहना है कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि जातिगत जनगणना हो।

मजे की बात यह है कि राहुल के भाषण के ज्यादतर हिस्से का निशाना मोदी और उनकी सरकार रहीं, लेकिन उन्होंने इस अवसर का उपयोग उस रोड मैप पर प्रकाश डालने के लिये नहीं किया कि वे चुनाव कैसे जीतेंगे तथा भाजपा को सत्ता से बाहर कैसे करेंगे।

उनका जोर केवल डीसीसी के प्रस्तावित सशक्तीकरण पर तथा यह सुनिश्चित करने पर रहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिये पार्टी के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया जमीनी स्तर से शुरु की जायेगी।

मल्लिकार्जुन खड़गे संगठन को मजबूत बनाने की बात कहते आ रहे हैं। उनका कहना था कि केवल संगठन की मजबूती ही पार्टी के बने रहने तथा आगे बढ़ते रहने में मददगार होती है।

सूत्रों का कहना है कि यह गांधी परिवार के अंदरुनी संकट का संकेत है।

पायलट को और अधिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि जूली कहाँ है, वे यहाँ हैं या नहीं? इस पर राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष (जूली) की तलाश हुई, लेकिन वे नहीं मिले, वे संभवत: जा चुके थे। जूली से संबंधित मुद्दे पर राहुल ने कहा, "भाजपा दलितों को मंदिर में नहीं जाने देती है और अगर कोई चला जाये, तो वे मंदिर को धुलवाते हैं। ये हमारा धर्म नहीं है। हमारा धर्म वो है, जो सबको इज्ज़त देता है, हर व्यक्ति का आदर करता हैं।"

"कांग्रेस और भाजपा में यही फर्क है, हमारे दिलों में सबके लिये मोहब्बत और इज्ज़त है, जबकि उनके दिलों में सिर्फ नफ़रत। हम इस देश को नफ़रत का बाज़ार नहीं बनने देंगे- मोहब्बत की दुकान खोलकर न्याय का हिन्दुस्तान बनाएंगे।"

राहुल गांधी ने विधिवत घोषणा की कि उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटियों (डीसीसी) को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। डीसीसी टिकट चयन की प्रक्रिया का हिस्सा होंगी। डीसीसी के चयन के लिये कुछ गाइडलाइन तैयार की गई हैं।

पार्टी की पहली मीटिंग 15 अप्रेल को अहमदाबाद में तथा दूसरी मीटिंग 28 अप्रेल को जयपुर में होगी। इन मीटिंगों में मल्लिकार्जुन खड़गे मौजूद रहेंगे ही, राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं। राहुल गांधी विभिन्न राज्यों में होने वाली इन मीटिंगों में उपस्थित होने की हर संभव कोशिश करेंगे। डीसीसी के चयन के तौर-तरीके और नियम-कायदे तय हो गये हैं तथा गुजरात में होने वाली पहली मीटिंग से इनका क्रियान्वयन शुरु हो जायेगा।

रिज़र्व बैंक ने ब्याज दर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से ब्याज दरों में नरमी के एक चरण की शुरुआत है। यह बात महत्वपूर्ण है। रिज़र्व बैंक के नए गवर्नर, संजय मल्होत्रा ने अपने पॉलिसी स्टेटमैंट में कहा है कि रिज़र्व बैंक ने अब अपनी मॉनिटरी पॉलिसी (मौद्रिक नीति) में "न्यूट्रल" (तटस्थ) रुख की जगह "अकॉमोडेटिव" (उदार) रुख अपनाया है। मूल बात यही है।

प्रमुख खिलाड़ी अब यह उम्मीद कर सकते हैं कि रिज़र्व बैंक की नीति भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि को प्रोत्साहित करने की दिशा में अधिक होगी, बजाय मूल्य के मोर्चे पर निगरानी रखने की अपनी मुख्य चिंता के। वर्तमान संदर्भ में शायद यह एक उचित रुख है, जबकि भारत की ग्रोथ रेट "निराशा" के दौर से उबरी है। रिज़र्व बैंक मौजूदा संदर्भ में महंगाई प्रबंधन से ज्यादा ग्रोथ को अधिक प्रोत्साहन देना चाहता है।

कम से कम दो कमजोरियां हैं, जिन्हें रिज़र्व बैंक ने अपेक्षाकृत स्थिर और सुविधापूर्ण के रुप में स्वीकार कर लिया है। पहली, भारत का सेवा निर्यात (सर्विसेज़ एक्सपोर्ट) और दूसरी, ग्लोबल फायनैंशियल मार्केट्स के उतार-चढ़ाव से उत्पन्न वित्तीय अस्थिरता की संभावना।

ट्रंप के शुल्कों ने सेवा क्षेत्र (सर्विसेज़ एक्सपोर्ट) को ध्यान में नहीं रखा है और शुल्क मुख्य रुप से माल निर्यात पर लगाए गए हैं। अगर ट्रंप अचानक सेवाओं के निर्यात पर कार्रवाई करने के बारे में सोचते हैं, तो भारत को भारी झटका लग सकता है। हमारा माल निर्यात जी.डी.पी. का केवल 2 प्रतिशत है। सेवा निर्यात का हिस्सा कहीं अधिक है। सर्विसेज़ एक्सपोर्ट को कम करने वाला कोई भी कदम भारतीय अर्थव्यवस्था को पैरलाइज़ कर सकता है, पंगु बना सकता है। वैसे भी भारत का सर्विसेज़ एक्सपोर्ट, आर्टिफिशल इन्टैलिजैंस की प्रगति के कारण, अस्तित्व का संकट झेल रहा है। इन निर्यातों में कई ऐसी सेवाएं हैं, जो एआई उपकरणों द्वारा दी जा सकती हैं, तथा निचले स्तर के सॉफ्टवेयर डवलपर्स और कोडर्स द्वारा किए गए काम को उपयोग में लिया जा सकता है।

253 सिख श्रद्धालु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाने का वीजा मिला है। उन्होंने बताया कि यह जत्था 10 अप्रैल को सुबह छह बजे वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान में प्रवेश करेगा। आधा समूह गुरुद्वारा पंजा साहिब और आधा गुरुद्वारा करतारपुर साहिब जायेगा।

उन्होंने बताया कि 12 अप्रैल को दोनों जत्थे ननकाना साहिब में एकत्र होंगे और 12, 13 और 14 अप्रैल को बैसाखी मनाएंगे। जो श्रद्धालु पहले पंजा साहिब गए हैं, वे करतारपुर साहिब जाएंगे और जो करतारपुर साहिब गए हैं, वे पंजा साहिब जाएंगे।

उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल को यह जत्था लाहौर पहुंचेगा और वहां गुरुद्वारा साहिब के दर्शन करने के बाद 19 अप्रैल को भारत वापस लौटेगा। सरदार दलजीत सिंह सरना को जत्थे का प्रभारी बनाया गया है।

'बंगाल में वक्फ बिल लागू नही करेंगे'

प.बंगाल की मु.मंत्री ममता बनर्जी ने मुसलमानों से कहा, दीदी आपकी संपत्ति की रक्षा करेगी

- **ममता बनर्जी ने कहा, हमारा संदेश है "जियो और जीने दो" अगर किसी को मेरी संपत्ति लेने का हक नहीं है तो मैं कैसे कह सकती हूँ दूसरे की संपत्ति ली जा सकती है।**

कोलकाता, 09 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य के मुस्लिम समुदाय को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार उनकी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। जैन समुदाय की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा, और राज्य में एकता बनाए रखने की वकालत की। ममता ने अपने संबोधन में कहा कि हम बंगाल में वक्फ बिल लागू नहीं होने देंगे। मेरी सरकार धार्मिक आधार पर बंगाल का विभाजन नहीं होने देगी। मैं जानती हूं कि वक्फ अधिनियम के लागू होने से आप दुखी हैं, मगर भरोसा रखें, बंगाल में ऐसा कुछ नहीं होगा।

टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने आगे कहा कि बंगाल में "फूट डालो और राज करो" की नीति नहीं चलेगी। आपको "जियो और जीने दो" का संदेश देना चाहिए। बंगाल में रहने वालों को सुरक्षा देना हमारा काम है। मैं आप सभी से अपील करती हूं कि अगर कोई आपको राजनीतिक रूप से इकट्ठा होने के लिए उकसाता है, तो कृपया ऐसा न करें। कृपया याद रखें कि दीदी आपकी और आपकी संपत्ति की रक्षा करेंगी। अगर हम साथ रहेंगे, तो हम दुनिया जीत सकते हैं।

सीएम बनर्जी ने आगे कहा कि कुछ लोग पूछते हैं कि मैं सभी धर्मों के स्थानों पर क्यों जाती हूं। मैंने कहा कि मैं अपने पूरे जीवनकाल में वहां जाती रहूंगी। भले ही आप मुझे गोली मार दें, आप मुझे एकता से अलग नहीं कर पाएंगे। बांग्लादेश की स्थिति देखिए, मेरा मानना है कि इसे अभी पारित नहीं किया जाना चाहिए था। बंगाल में विभाजन नहीं होगा, जियो और जीने दो। अगर किसी को मेरी संपत्ति लेने का अधिकार नहीं है, तो मैं कैसे कह सकती हूं कि किसी और की संपत्ति ली जा सकती है? हमें 30 फीसदी (मुसलमानों) को साथ लेकर चलना होगा। याद रखिए, दीदी आपकी संपत्ति की रक्षा करेंगी।

उन्होंने आगे कहा कि हमारा मकसद जोड़ना है, बांटना नहीं। जब हम एकजुट रहेंगे, तो देश आगे बढ़ेगा। हमारी नीति है कि जियो और जीने दो। कुछ लोग बंगाल को बदनाम कर रहे हैं, कह रहे हैं कि मैं राज्य में हिंदू धर्म को संरक्षण नहीं देती। फिर सबको संरक्षण कौन देता है? मुझे बंगाल के अल्पसंख्यकों को श्रेय देना चाहिए, जो राज्य में हिंदू त्योहार भी मनाते हैं। मुझे यह कहते हुए गर्व होता है कि यह बंगाल है और हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं।

पेपर लीक में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाएगा। फतेहगढ़ एसडीएम हनुमानाराम के पकड़े जाने की सूचना से जिले में चर्चा का बाजार गर्म हो गया है।

सूत्रों के अनुसार एस.आई. भर्ती परीक्षा में नरपत की जगह एस.डी.एम हनुमानाराम डमी परीक्षार्थी बनकर बैठे थे। हालांकि नरपत मेरिट लिस्ट में नहीं आ पाया। बाकी जानकारी एस.डी.एम हनुमानाराम से पूछताछ के बाद सामने आ पायेगी।

26 राफेल विमान खरीदे जाएंगे

नयी दिल्ली, 09 अप्रैल। नौसेना को अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों से लैस करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए, सरकार ने फ्रांस से 63 हजार करोड़ रूपये की लागत से 26 मरीन राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी दे दी है। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि सरकार ने मंगलवार को इन विमानों की खरीद को मंजूरी दी। इन लड़ाकू विमानों के मिलने के बाद नौसेना की मारक

- **सरकार ने 63 हजार करोड़ रु. के इस सौदे को स्वीकृति प्रदान कर दी है।**

क्षमता कई गुना बढ जायेगी। अभी वायु सेना के बेड़े में 36 राफेल लड़ाकू विमान हैं।

सूत्रों ने बताया कि इस अनुबंध पर जल्द ही हस्ताक्षर होने की संभावना है और विमानों की आपूर्ति में चार से पांच वर्ष का समय लग सकता है। अनुबंध के पैकेज में विमानों का रख रखाव , प्रशिक्षण और कलपुर्जों का देश में ही निर्माण भी शामिल है।

पैकेज्ड फूड पर चेतावनी लेबल लगाया जाए

नई दिल्ली, 09 अप्रैल। पैकेज्ड फूट पर चेतावनी लेबल लगाने की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया है कि वह अगले तीन महीनों में सिफारिशों को लागू करे। एससी ने केंद्र से तीन महीने के भीतर एफएसएस लेबलिंग और डिस्प्ले रेगुलेशन 2020 में संशोधन पर फैसला लेने को कहा है। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने पैकेज्ड फूड

- **सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को तीन महीने में फैसला करने का निर्देश दिया।**

के पैकेट पर चेतावनी की मांग करने वाली जनहित में दायर याचिका पर ये टिप्पणी की है। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने सुनवाई के दौरान पूछा कि आप सभी के पोते- पोतियां हैं? इस याचिका पर फैसला करने दें,आपको पता चल जाएगा कि कुरकुरे या मैगी क्या हैं और किस तरह का रैपर होना चाहिए। उन्हें पैकेट पर कोई जानकारी नहीं दिखती। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एफएसएसएआई को तीन महीने के भीतर नए नियम में संशोधन पूरा करने का निर्देश देते हुए याचिका का निपटारा कर दिया है।

भगोड़े कारोबारी माल्या पर भारतीय बैंकों की बड़ी जीत

भारतीय बैंकों की अपील पर ब्रिटेन के कोर्ट ने माल्या को दिवालिया घोषित किया

- **अब भारतीय बैंक माल्या की ब्रिटेन की सम्पत्ति बेचकर बकाया लोन वसूल कर सकते हैं।**

नई दिल्ली, 09 अप्रैल। बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस वाले भगोड़े कारोबारी विजय माल्या को बड़ा झटका लगा है। एसबीआई के नेतृत्व वाले भारतीय बैंको के एक कंसोर्टियम ने माल्या के खिलाफ ब्रिटेन में दिवालियापन के आदेश को बरकरार रखने के लिए अदालती अपील का केस जीत लिया है।

इस तरह लंबे समय से चल रही कानूनी लड़ाई में भारतीय बैंकों को बड़ी जीत मिली है। भारतीय बैंक किंगफिशर एयरलाइंस पर बकाया लोन की अदायगी की मांग कर रहे हैं। भारतीय बैंकों ने ब्रिटेन के कोर्ट में माल्या को दिवालिया घोषित करने के लिए याचिका दायर की थी, जिससे वे उनकी ब्रिटेन स्थिति संपत्तियों से अपने कर्ज की वसूली कर सकें। अब ब्रिटेन के कोर्ट ने भारतीय बैंकों के पक्ष में फैसला सुनाया है।

लंदन उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एंथनी मान ने भारतीय बैंकों के पक्ष में फैसला सुनाया है। जबकि विजय माल्या की तरफ से दायर अपील की अनुमति मांगने वाले दो आवेदनों को खारिज कर दिया है। माल्या को भारत में धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के लिए भगोड़ा घोषित किया जा चुका है।

न्यायमूर्ति मान ने कहा, बैंकों की दलील ऐसी थी, जिसे उन्हें स्वीकार करना ही था। इस संबंध में मुख्य बात यह है कि दिवाला कार्यवाही का आदेश कायम है।

भारतीय बैंकों का प्रतिनिधित्व करने वाली कानूनी फर्म टीएलटी एलएलपी ने कहा कि इस फैसले से यह पुष्टि होती है कि बैंकों के पास माल्या की संपत्तियों पर कोई सुरक्षा नहीं है और दिवाला अर्जी सही थी। अदालत ने भी यह पाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जब्त की गई संपत्तियों से प्राप्तियां सशर्त थीं और अंग्रेजी कानून के तहत कर्ज से मुक्ति नहीं देती थीं। टीएलटी एलएलपी के कानूनी निदेशक निक कर्लिंग ने कहा, यह बैंकों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला है।

'हम पनामा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनैतिक व आर्थिक धाराओं में भी यह बयान, जैसा कि यह सुनने में कड़ा लगता है, कार्रवाई का वादा नहीं, बल्कि एक रेखा खींचने का संकेत है। पनामा रेखा को माने या न माने, या उसे इसकी आवश्यकता है या नहीं- यह एक अलग सवाल है।

बिहार में बिजली गिरने से 15 की मौत

पटना, 09 अप्रैल। बिहार में बेगूसराय, दरभंगा, मधुबनी और समस्तीपुर जिले में बुधवार को बिजली गिरने की घटना में 15 लोगों की झुलसकर मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों के अनुसार बेगूसराय और दरभंगा में पांच-पांच, मधुबनी में तीन और समस्तीपुर में दो व्यक्ति की बिजली गिरने से मौत हुयी है।

बेगूसराय से प्राप्त समाचार के अनुसार जिले में बिजली गिरने से मरने वाले पांच लोगों में एक महिला, एक

- **सूत्रों के अनुसार बेगुसराय, दरभंगा, मछुबनी व समस्तीपुर में तेज बारिश के साथ बिजली गिरने से ये हादसे हुए हैं।**

तीन वर्षीय बालिका शामिल है। इसके अलावा एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई है। दरभंगा में भी 5 लोगों के मरने की खबर है। इनमें एक दस वर्षीय बालक व एक महिला भी शामिल है। मधुबनी में तीन लोगों के मरने की जानकारी मिली है। इनमें से एक 19 वर्षीय युवती है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600